रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.9	26.2
जमशेदपुर	34.9	25.0
डालटनगंज	35.0	25.6

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

नवारो, फ्रिट्ज व सबालेंका ..> पेज 10

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 05 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुल्क पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 148 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

7,0927 महिला लाभुकों के बीच 70.50 करोड़ की राशि ट्रांसफार

18 साल की उम्र से ही मिलेगा मंईयां योजना का लाभ: हेमंत

सौगात

विशेष संवाददाता। रांची

- हेमंत का चुनावी आगाज, भाजपा पर चुन-चुन कर किया हमला
- चंदा के चक्कर में देशवासियों को लगवा दी जानलेवा वैक्सीन
- बाहर से आकर संप्रदायिकता फैला कर चले जाते हैं भाजपा के नेता
- दो-ढाई साल में इतना काम किया कि भाजपा उसमें समा जाएगी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राजधानी रांची के नामकुम स्थित खोजाटोली ट्रेनिंग ग्राउंड से विधानसभा चुनाव की तैयारी का आगाज कर दिया. उन्होंने दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के पांच जिले रांची, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सिमडेगा की 7,0927 महिला लाभुकों के खातों में 70.50 करोड़ की राशि ट्रांसफार की. प्रमंडल स्तरीय मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम के दौरान सीएम ने एक महत्वपूर्ण घोषणा भी की.

उन्होंने कहा कि अब इस योजना के लाभुकों की उम्र सीमा घटा कर 21 से 18 की जा रही है. यानी कि अब 18 वर्ष होने पर ही इस योजना का लाभ मिलने लगेगा. इस दौरान हेमंत ने भाजपा का नाम लेते हुए जमकर निशाना साधा. उन्होंने उत्पाद सिपाही बहाली की दौड़ में हुई युवाओं की मौत का जिक्र करते हुए कहा कि यह सब क्यों हो रहा है? युवा छोटी सी छोटी बीमारी सर्दी-खांसी, जुकाम से भी एक से दो दिनों में मर जा रहे हैं. अभी तो सच सामने आना बाकी है. मगर, कोविड वैक्सीन को लेकर सच सामने आने लगा है. इन लोगों ने चंदा के चक्कर में दुनिया से रिजेक्टेड कोविड वैक्सीन को देशवासियों को लगवा दिया.

नामकुम के खोजाटोली ग्राउंड में हाथ उठा कर अभिवादन करते सीएम हेमंत सोरेन.

जब असम ही घुसपैठिए का द्वार, तो बंद क्यों नहीं करते : हेमंत सोरेन ने असम के सीएम और भाजपा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा पर भी जोरदार हमला किया. कहा कि यहां पर कभी मध्य प्रदेश के, कभी गुजरात के, तो कभी असम के नेता आते रहते हैं. हर सप्ताह एक नेता आते हैं और राज्य में सांप्रदायिकता का जहर घोल कर चले जाते हैं. कहते हैं घुसपैठ हो रहा है, जबकि वो खुद स्वीकार कर चुके हैं कि असम, घुसपैठ का द्वार है. जब आपका राज्य ही द्वार है, तो उसे बंद क्यों नहीं करते हैं?

भाजपा के लोग टीना का चश्मा लगाए हुए हैं : सीएम ने कहा कि भाजपावालों को हमारी सरकार का काम नहीं दिखता है. ये लोग टीना का चश्मा लगाए हुए हैं. हमने केवल दो-ढाई साल में इतना काम कर दिया कि उसमें भाजपा समा जाएगी. झारखंड में जब डबल इंजन की सरकार थी, तो लोग हाथ में राशन कार्ड लेकर भात-भात कहते हुए मर गए. जबकि, हमने कोरोना में भी लोगों को भूख से मरने नहीं दिया. डबल इंजन की सरकार ने सात लाख राशन कार्ड डिलिट कर दिया, हमने 18 लाख नए कार्ड बना कर राशन दिया. हमने अपने दम पर अबुआ आवास योजना शुरू की.

हर हाल में सत्ता में बने रहना चाहती है भाजपा : मुख्यमंत्री ने भाजपा का नाम लेकर कहा कि इन लोगों का काम केवल इतना बच गया है कि जहां वे हार गए हैं, वहां भी विधायकों की खरीद-फरोख्त करके सरकार बना लो. ये लोग हर हाल में सत्ता में बने रहना चाहते हैं. अगर सरकार बनाने में सफल नहीं हुए, तो गैर भाजपाई सरकार के नेताओं के पीछे ईडी और सीबीआई लगा कर झूठे आरोप में जेल भेज देते हैं.

मणिपुर: मोर्टार, एके 47 सहित 50 से अधिक घातक हथियार बरामद

नई दिल्ली। मणिपुर के विभिन्न जिलों से बंदूकें, गोला-बारूद के अलावा अन्य युद्ध जैसे हथियारों और उपकरणों के भंडार की बरामदगी हुई है. सेना के मुताबिक, बीते एक सप्ताह से अधिक समय से चल रहे सघन अभियानों में मोर्टार, एके-47, पिस्तौलें, हैंड ग्रेनेड, विस्फोटक समेत 50 से अधिक हथियार बरामद किए गए हैं. इनमें बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य युद्धक हथियारों के भंडार भी शामिल हैं. रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, काकचिंग जिले में एक संभावित ठिकाने से असम राइफल्स ने नौ हथगोले, एक स्टेन मार्क-वी राइफल, दो 12 बोर सिंगल-बैरल राइफल, दो 9 एमएम पिस्तौल और युद्धक सामग्री बरामद की. वहीं, कांगपोकपी जिले के चांगसांग से एक सोवियत राइफल, एक स्थानीय निर्मित राइफल, एक बोल्ट एक्शन राइफल, एक 0.22 पिस्तौल, एक इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार और अन्य उपकरण बरामद किए हैं. एक अन्य तलाशी अभियान में मणिपुर हिल्स और अन्य इलाकों से एक 51 मिमी मोर्टार, एक एमए-3 एमके-2 राइफल, एक एके-47, दो लोडेड बंदूक, एक 303 राइफल, छह 9 मिमी पिस्तौल, सात सिंगल बैरल 12 बोर की बंदूकें, दो 0.22 राइफल, 11 पोम्पी बंदूकें, 49 विस्फोटक उपकरण, हथगोले, आंसू गैस के गोले, गोला-बारूद बरामद किए गए.

- मणिपुर के अलग-अलग जिलों से हथियारों का जखीरा मिला
- विगत एक सप्ताह से सेना चला रही थी सघन तालाशी अभियान

सिंगापुर में पीएम मोदी का जोरदार स्वागत

सिंगापुर में बुधवार को ढोल पर हाथ आजमाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी.

सिंगापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन दिवसीय दौरे के क्रम में बुधवार को ब्रुनेई से सिंगापुर पहुंचे. मोदी जैसे ही सिंगापुर में अपने होटल पहुंचे, वहां मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया. पीएम ने लोगों को ऑटोग्राफ भी दिए. वहीं, भारतीय मूल की महिलाओं ने पीएम मोदी को राखी भी बांधी. इस दौरान लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला. भारतीय समुदाय के जोश को देखते हुए मोदी ने महाराष्ट्रियन धुन पर खुद भी ढोल बजाया. इस दौरान 'गणपति बप्पा मोरया' के जमकर जयकारे भी लगे.

राहुल गांधी से मिले विनेश और बजरंग

कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की अटकलें तेज

एजेंसी। नई दिल्ली

हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं. कुछ दिनों से अटकलें लगाई जा रही हैं कि पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं. इस बीच बुधवार को विनेश और बजरंग ने लोकसभा में नता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की. इसके बाद कयास लगने शुरू हो गए हैं कि दोनों पहलवानों की टिकट पक्की हो सकती है.

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली में पहलवानों ने लंबे समय तक प्रदर्शन किया था. इस दौरान पहलवानों की भाजपा के प्रति नाराजगी भी साफ तौर पर दिखाई दी थी. वहीं, बीते शनिवार को विनेश किसानों के समर्थन में शंभू और खनौरी बॉर्डर पहुंची थीं. अब एक-दो दिन में कांग्रेस हरियाणा में अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने वाली है. लिहाजा, दोनों पहलवानों की राहुल से मुलाकात ने इनके कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने की अटकलों को तेज कर दिया है.

राहुल गांधी से मुलाकात करते विनेश फोगाट व बजरंग पुनिया.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,200
चांदी (किलो)	84,000

ब्रीफ खबरें

रास के नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को संसद भवन में नवनिर्वाचित सदस्यों को राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ दिलाई. शपथ लेने वालों में कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और भाजपा की किरण चौधरी, रामेश्वर तेली, जॉर्ज कुरियन व धैर्यशील पाटिल शामिल रहे.

कश्मीर: उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल से पर्चा भरा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को गांदरबल विधानसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया. अब्दुल्ला नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए गांदरबल विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे थे.

16 हजार टन अनाज की कालाबाजारी के आरोपी रामजी पांडेय के घर पर सीबीआई की छापेमारी

संवाददता। गिरडीह/रांची

गिरिडीह जिले में एफसीआई के अनाज घोटाले की जांच कर रही सीबीआई ने बुधवार की सुबह कांट्रेक्टर एवं गोदाम संचालक रामजी पांडेय और संजय शर्मा के घरों में छापेमारी की. इस दौरान नकदी और कई दस्तावेजों की बरामदगी की सूचना है. एजेंसी के अफसरों को बरामद नकदी गिनने के लिए नोट गिनने वाली मशीन मंगवानी पड़ी. टीम ने बाहर से जेरोक्स मशीन मंगवाई और रामजी के घर में मिले कागजातों की छाया प्रति भी निकाली.

सीबीआई की टीम द्वारा रामजी पांडेय के घर से गोदाम, अनाज से जुड़े कागजातों के अलावा उनके निवेश से संबंधित कागजातों को जांचा गया है. बता दें कि गिरिडीह जिले के सरिया में एफसीआई के गोदाम संचालन का ठेका लंबे समय से रामजी पांडेय के पास था. पांडेय पर आरोप है कि उन्होंने गोदाम से 16 हजार टन से भी ज्यादा अनाज की फर्जी कागजात के आधार पर निकासी कर उसकी कालाबाजारी की. इससे निगम को करोड़ों रुपये का घाटा हुआ. इससे पहले सीबीआई की तीन सदस्यीय टीम सुबह करीब साढ़े छह बजे गिरिडीह के शास्त्रीनगर स्थित रामजी पांडेय के घर पर पहुंची और तलाशी शुरू की. एक अन्य गोदाम संचालक संजय शर्मा के आवास पर भी इसी तरह की गड़बड़ी की आशंका के मद्देनजर छापेमारी की गई.

हजारों टन अनाज की फर्जी तरीके से निकासी की : उल्लेखनीय है कि अनाज की हेराफेरी और कालाबाजारी का यह मामला एफसीआई की एक टीम द्वारा गोदामों के निरीक्षण के दौरान पकड़ में आया था. मार्च 2024 में एफसीआई की टीम को सरिया गोदाम में पहली दफा 90 लाख से अधिक कीमत का 2900 क्विंटल से अधिक अनाज गायब गायब मिला. जांच आगे बढ़ी, तो पता चला कि हजारों टन अनाज फर्जी तरीके से निकाले गये. इसके बाद एफसीआई ने इसकी जांच सीबीआई से कराने का निवेदन किया था.

सीबीआई की टीम के हाथ लगे कई अहम दस्तावेज

शास्त्रीनगर में रामजी पांडेय के घर पर पहुंची सीबीआई की टीम.

एफसीआई के गोदामों से अनाज बंगाल पहुंचाया गया

शुरुआती जांच में पता चला था कि एफसीआई के गोदामों से निकाला गया अनाज बंगाल की राइस मिलों में पहुंचाया गया और फिर पॉलिश कर उसे बाजार में बेच दिया गया. इसमें जेएसएफसी (झारखंड स्टेट फूड कॉरपोरेशन) के कुछ अफसरों की भी मिलीभगत की आशंका जताई गई. एफसीआई ने सरिया में 10 हजार टन क्षमता का गोदाम शास्त्रीनगर, गिरिडीह में रहने वाले रामजी पांडे से किराये पर लिया था और संचालन की जिम्मेदारी भी उन्हें ही दी थी.

परिवहन विकास | गडकरी बोले- और मजबूत होगा देश का हाईवे नेटवर्क

एक लाख करोड़ से बनेंगी 74 नई सुरंगें

एजेंसी। नई दिल्ली

- 35 नई सुरंगों का निर्माण पूरा, 49 किलोमीटर है लंबाई
- अब 273 किमी की नई सुरंगें बनाने की है तैयारी

देश में हाईवे नेटवर्क को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने आने वाले वर्षों में 74 नई सुरंगें बनाने का फैसला किया है. इन प्रोजेक्ट्स की अनुमानित लागत करीब एक लाख करोड़ रुपये है. सरकार की ओर से 15,000 करोड़ रुपये की लागत से 49 किलोमीटर लंबी 35 सुरंगें पहले ही बनाई जा चुकी हैं. अब सरकार 273 किलोमीटर की नई सुरंगें बनाने की तैयारी कर रही है.

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बीते कुछ वर्षों में देश में सुरंगों का नेटवर्क काफी मजबूत हुआ है. मौजूदा समय में 40,000 करोड़ रुपये की लागत से 134 किलोमीटर लंबी 69 के करीब सुरंगें बन रही हैं. राष्ट्रीय राजधानी में फिक्की के टनलिंग इंडिया कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में काम कर रही है. सड़कों पर नागरिकों की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है. गडकरी ने कहा कि हमें ऐसे समाधान तलाशने होंगे, जिसमें गुणवत्ता के साथ समझौता किए बिना अच्छी तकनीक और प्रभावी लागत भी हो.

सरकार का फोकस हाईवे नेटवर्क को मजबूत करना : सरकार का फोकस लगातार हाईवे नेटवर्क को मजबूत करना है. मार्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग का उद्घाटन किया था. इस प्रोजेक्ट की लागत 825 करोड़ रुपये थी. यह 13,000 फीट की ऊंचाई पर बनी दुनिया की सबसे लंबी दो लेन की टनल है.

सीएम आवास में बैठे हैं कई अपराधी : तेजस्वी

पटना। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव राज्य में बढ़ते अपराध के मुद्दे पर एक बार फिर मुखर नजर आ रहे हैं. सोशल मीडिया पर उन्होंने अपराधों के आंकड़े जारी कर सरकार को घेरा है. तेजस्वी ने कहा है कि बिहार में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और इसके लिए सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पीड़ित परिवारों से मिलने की जहमत नहीं उठाती है. तेजस्वी ने दावा किया कि सरकार से कानून-व्यवस्था नहीं संभल रहा है. उन्होंने कहा कि हमने तो कई अपराधियों का फोटो शेयर किया है, जो सीएम आवास में बैठे हैं. कई अपराधी बीजेपी नेताओं के साथ बैठे रहे, उसका भी फोटो शेयर किया है.

A PIONEER GROUP OF NORTHERN INDIA, STREAMING IN JHARKHAND
SAI NATH UNIVERSITY
Established in 2012
Established under Jharkhand Govt. Act No. 15 of 2012 & Recognized as per Section 2 (f) of UGC Act, 1956

APPROVALS: Established under Jharkhand Govt. Act. No. 15 of 2012 | Recognized under section 2 (f) of UGC Act. | Member of AIU | NCTE App. by NCTE for Education Programme | App. by PCI for D.Pharma | App. by BCI for Law Programme | Approved by INC

Admission 2024-25

पॉलिटेक्निक
Diploma Engineering : Approved by AICTE

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	Diploma in Engg.	3 Yrs.	10th
2.	Diploma Engg. (Lateral)	2 Yrs.	10+2 with Math / ITI

• MINING ENGG • ELEC. ENGG. • MECH. ENGG. • CIVIL ENGG.

EDUCATION PROGRAMME (Approved by NCTE)

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	D.El.Ed./PTT	2 Yrs.	10+2
2.	M.Ed.	2 Yrs.	B.Ed.
3.	B.Ed.-M.Ed.	3 Yrs.	Post Graduation
4.	B.Ed.*	2 Yrs.	Graduation

* (Entrance: Jharkhand Combined)

MANAGEMENT/COMPUTER

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	MBA	2 Yrs.	Graduation
2.	BBA	3 Yrs.	10+2
3.	BCA	3 Yrs.	10+2

PHYSICAL EDUCATION (Approved by NCTE)

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	B.P.Ed.	2 Yrs.	Bachelor Degree
2.	D.P.Ed.	2 Yrs.	10+2

PHARMACY/ NURSING/ PARAMEDICAL

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	B.Sc Nursing	4 Yrs.	10+2 (PCB)
2.	B-Pharmacy*	4 Yrs.	10+2 with Science.
3.	D-Pharmacy	2 Yrs.	10+2 with Science.
4.	B.Sc. MLT	3 Yrs.	10+2 (In Any Stream)
5.	ANM	2 Yrs.	10+2 (In Any Stream)
6.	GNM	3 Yrs.	10+2 (In Any Stream)

LAW PROGRAMME (Approved by BCI)

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	LL.M.	2 Yrs.	LL.B
2.	LL.B. (Hons.)	3 Yrs.	Graduation
3.	B.A. - LL.B. (Hons.)	5 Yrs	10+2

AGRICULTURE

SN.	Courses	Duration	Eligibility
1.	B.Sc. Agriculture (Hons.)	4 Yrs.	10+2 with Science
2.	M.Sc. Agriculture	2 Yrs.	B.Sc. Agriculture

CONDUCTED IN COLLABORATION WITH SHUBHAM UNIVERSITY, BHOPAL
Courses : PGDCA,B.Lib

*CONDUCTED IN COLLABORATION WITH SHUBHAM UNIVERSITY, BHOPAL
Sai Nath University having NCC Unit. In Campus Separate Boys & Girls Hostel
Campus : Jirawar, Chandway-Kuchu Road, Ormanjhi, Ranchi (Jharkhand)
7970408015, 6204313818, 7461073942, 7903145542, 9050565535
E-mail: sainathuniversity@ymail.com , Website: www.sainathuniversity.com
gurugracia.com

झारखंड भाजपा : उम्मीदवारों का आकलन और कार्यकर्ता व जनता की राय के बाद ही टिकट पर मुहर

सर्वे के चार मानकों पर खरा उतरनेवाले को ही मिलेगा टिकट

रवि भारती। रांची

झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी राजनीतिक दल रेस हो गए हैं. रणनीति पर रणनीति बनाई जा रही है. हर दल में उम्मीदवारी को लेकर दावे पर दावे किए जा रहे हैं. प्रदेश भाजपा में भी उम्मीदवारी को लेकर दावे पर दावे हो रहे हैं. लेकिन टिकट की डगर काफी कठिन है. जानकारी के अनुसार, उम्मीदवारी का दावा करने वाले को

सर्वे के चार मानकों पर खरा उतरना होगा. भाजपा इस बार उम्मीदवारों की स्थिति का आकलन करेगी. फिर कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के लोगों की इच्छा को जानने और समझने के लिए अलग-अलग सर्वे कराया जाएगा. इसी सर्वे रिर्पोट के आधार पर केंद्रीय नेतृत्व उम्मीदवारों के नाम पर अंतिम फैसला लेगा.

इसी महीने उम्मीदवारों की हो सकती है घोषणा: जानकारी के अनुसार भाजपा इसी महीने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर सकती है. सोमवार को हुई बैठक में इस इस बात की भी चर्चा हुई थी कि हर विधानसभा सीट से पांच उम्मीदवारों के नाम केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा जाएगा.

28 आरक्षित सीटों पर फोकस कर रही है भाजपा: भाजपा इस बार विधानसभा की 28 आरक्षित सीटों पर फोकस कर रही है. इसकी वजह यह भी है कि 2019 के चुनाव में इन आरक्षित सीटों में से सिर्फ दो पर ही भाजपा को जीत मिली थी. बाकी 26 सीटों पर हार के कारण भाजपा को सत्ता से बाहर होना पड़ा था. इस बार भाजपा ने संताल और कोल्हान पर सबसे ज्यादा फोकस किया है. झामुमो के कद्दावर नेता रहे चंपाई सोरेन के भाजपा में आने के बाद भाजपा थोड़ी राहत जरूर महसूस कर रही है.

आदिवासी नेताओं को मोरचे पर तैनाती की तैयारी

प्रदेश भाजपा आदिवासी नेताओं को मोरचे पर तैनाती की तैयारी कर रही है. इसमें कई बड़े नाम हैं, जिसमें पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, बाबूलाल मरांडी और चंपाई सोरेन मुख्य रूप से शामिल हैं. इन नेताओं के चुनाव लड़ने के साथ-साथ अन्य आदिवासी नेताओं के भी चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है. इनमें सुदर्शन भगत, गीता कोड़ा, समीर उरांव, अरूण उरांव, सुनील सोरेन और ताला मरांडी का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है.

ई हैं डॉग्डर बाबू, कंघी कईलें, झाड़ू ले झड़ुवाइलें, अब फिरो पंजा लड़ाईले बाड़ें

संजय सिंह

ई अपना झारखंड भी है न, गजबे है. ईहां ढेरे कांग्रेसी नेताजी लोग एनआरजे (नॉन रेसीडेंट झारखंडी) है. कुछ तो यही जन्मे, पढ़े-लिखे, लेकिन दिल्ली में सेट कर गए. वही से ऊपरे-उपरे गेटिंग सेटिंग कर राजनीति चमकाइले रहते हैं. कुछ उधरे से आए, यहां कर्मक्षेत्र बनाए, कुछ दिन सक्रिय रहे, फिर दिल्लीए में गेटिंग-सेटिंग में लग गए. अब विधानसभा चुनाव आया, तो ढेरे एनआरजे नेताजी लोग कुएं से बहरी निकल आए हैं. टरटरावे लगे हैं. अइसने एगो नेताजी हैं. ई डॉग्ऱ साहिब हैं... होम्योपैथीवाले नहीं भाई असली एलोपैथीवाले डॉग्डर साहिब हैं. पुलिस के अफसर रहे हैं. देश भर में चर्चित रहे. खूबे एनकाउंटर किये कराये थे. स्मार्ट भी वइसने हैं. चश्मा लगाइले फिल्मी हीरो जइसा दिखते हैं. ज्यादा दिल्ली में रहते हैं. वहीं राष्ट्रीय नेताजी लोगन के आगे-पीछे पैडल मारले रहते हैं. ई पहिले कंघी खूब

चुनावी चकल्लस

करते थे. लाल बाबू जी कमल फूल से खिसियाए, तो कंघी छाप वाली पार्टी बना लिए. डॉग्डर साहिब की किस्मत लही, कंघी करते-करते सांसद बन गए. लेकिन बाद में पंजा लड़ाने लगी चले आए... लेकिन फेंका गए. ईहां न सके. पंजा ने टिकट दिया, लेकिन डॉग्डर साहिब हबकुनिए गिरे, सो उठिए न पाए. देखिन की पंजा लड़ावे के चक्कर में पंजवा मुरुक जाएगा, तो किनारा धर लिए. पंजा को मरोड़ कर फेंके और दिल्ली में झाड़ू लगावे चल दिए. झड़ुवा वाली पार्टी के नेताजी इनको खेबी सब्जबाग दिखाए. डॉग्डर बाबू भी तेजी से झाड़ू लगावे लगे, लेकिन झाड़ू लगाईते -लगाईते हांफे लगे, तो साहिब को बुझाए लगा कि फंस गए हैं. ईहो बुझाए लगा कि ई झाड़ू छाप नेताजी पक्का झाड़ीबाज है. तो डॉग्डर बाबू छटपटाए लगे. झाड़ू लगावे से धूल उठे लगा, तो हंफनी होवे लगा. जब झाड़ू लगाईते लगाईते ज्यादा हंफनी होवे लगा तो डॉग्डर बाबू को पंजा चापवाले शहजादा की याद आई. सोचे तनिका झूठ-सांच अंग्रेजी में दिस-दैट झाड़ेंगे, तो शहजादा साहिब को मोहित करिए लेंगे. पूरा जोर लगाइले रहे. गोटी फिट हो गई. पंजवा पार्टी ने बड़का जिम्मेवारी दी... डॉग्डर साहिब देश की राजधानी में ज्यादा बिजी रहे लगे. लेकिन लोह नगरी जमशेदपुर में एगो टाटा कृपावाला ठिकाने धइले रहे. जब-जब चुनावी मौसम आता है, डॉग्डर साहिब टरटरावे लगते हैं. लोकसभा चुनाव के समय भी अवतरित हुए, लेकिन सीट शेयरिंग में दाल न गली, तो बेचारे मन मसोस कर रह गए. तनि-मनी टरटराए फिर दिल्ली देने चले गए. अब विधानसभा चुनाव का समय आया, तो डॉग्डर साहिब फिरो टरटराए लगे हैं. इससे पहिले प्रदेश अध्यक्ष के लिए भी हाथ-पैर मारले ते, लेकिन डॉग्डर साहिब की चली नहीं. अब विधानसभा चुनाव लड़े ला टरटरा रहे हैं. कभी अपनी ही पार्टीवाले गुप्ता जी को बन्ना बनावे में जुट जाते हैं, तो कभी सरयू चाचा वाली सीट पर नजर दौड़ावे लगते हैं. पिछला विधानसभा चुनाव (2019) में भी डॉग्डर साहिब खूबे उछल-कूद मचाइले थे, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने हंफा-हंफा कर छोड़ दिया. बुझाए लगा कि डॉग्डर साहिब को हंफनी रोग (दमा) हो गया है. फिर संसदीय चुनाव में हांफे, न सके, तो अबकी विधानसभा चुनाव का टिकट लगी फिर से हांफे लगे हैं. अइसे एनआरजे डॉग्डर साहिब हैं बहुते यंग-एनरजेटिक. स्मार्ट तो अइसन की पूछिए मत. बोले-बतियावे में मुंह से शहदे टपकाइले रहते हैं. एक बार प्रदेश अध्यक्ष का भी जिम्मेवारी संभाल चुके हैं. साहिब को चस्का लगले है, सो मीठी-मीठी बोल के, शहद टपकाइके साहिब जी टिकट जोगाड़े में लगे हैं. लेकिन केतना सफल होंगे, ई तो समय बताएगा... लेकिन ई तो तय है कि पंजा पार्टिया में जो लोग पंजा मरोड़-चरोड़ कर, पंजा को लात मारकर भागते रहा है, ओकरे ज्यादा चलता रहा है. ई हो साहिब पंजा मरोड़ कर, पार्टीको लात मारकर दिल्ली गए थे झाड़ू से झड़ुवावे... लेकिन हंफनी के बेमारी साथे लौट आए फिर पंजा लड़ावे लगी... अब देखना है कि डॉग्डर साहिब पंजा लडाव़े में सकते हैं कि पंजवा मुरका के दिल्ली के एगो मैक्स में बईठ कर फिरो से फैक्स करे लगते हैं.

ब्रीफ खबरें

झारखंड कैबिनेट की बैठक छह सितंबर को

रांची। राज्य सरकार ने छह सितंबर को केबिनेट की बैठक बुलाई है. बैठक प्रोजेक्ट बिल्डिंग में शाम के चार बजे होगी. मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दी है. बैठक में सरकार कई योजनाओं पर फैसला लेगी.

जिला स्कूल में छह से 16 तक पुस्तक मेला

रांची। राजधानी के जिला स्कूल मैदान में छह सितंबर से राष्ट्रीय पुस्तक मेला का आयोजन होगा. पुस्तक मेला 16 सितंबर तक चलेगा. इस दौरान पुस्तक मेला में हर शाम कार्यक्रम का भी आयोजन किया जायेगा. दिन के 11 बजे से रात के 9.00 बजे तक पुस्तक मेला में लोग आ सकते हैं. पुस्तक मेला में देश भर के प्रकाशकों का स्टॉल लगता है. रांची व इसके आसपास के जिलों के पुस्तक प्रेमियों को इस मेला का इंतजार रहता है.

दिल्ली के झारखंड भवन के उदघाटन में हड़बड़ी: भानू

रांची। पूर्व मंत्री व विधायक भानू प्रताप शाही ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करके कहा है कि झारखंड भवन का उदघाटन आनन-फानन में किया गया है. यहां तक कि अभी तक झारखंड भवन में बिजली का कनेक्शन नहीं लगा है. शाही ने मुख्यमंत्री से सवाल किया है कि क्या बिजली कनेक्शन में अभी दो महीना लगेगा ? इतनी हड़बड़ी क्यों है ? क्या सिर्फ इसलिए कि शिलापट्ट पर व अखबार में नाम के लिए.

सेना के कौशल का प्रदर्शन छह सितंबर से

रांची। राजधानी रांची में पहली बार भारतीय सेना के अद्भुत कौशल, शौर्य और सेवा भाव का अनूठा प्रदर्शन होगा. मोराबादी मैदान में छह से 8 सितंबर तक यह कार्यक्रम चलेगा. तीनों दिन सुबह 9:00 बजे से रात 9:00 तक चलने वाला यह कार्यक्रम भारतीय सेना से हमें और भी जुड़ाव महसूस कराएगा. यह जानकारी रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर दी है.

5.31 लाख रु लूटनेवाले की सजा बरकरार रही

रांची। सिविल कोर्ट, रांची के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने प्रज्ञा केंद्र संचालक से 5.31 लाख रुपये लूटनेवाले सजायाफ्ता पंकज कुमार पासवान की सजा बरकरार रखी है. एसडीजेएम रूपम स्मृति टोपनो ने लूट व आर्म्स एक्ट में दोषी पाकर पंकज कुमार पासवान को 29 जुलाई को तीन साल कैद की सजा सुनाई थी. साथ ही 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था. सजा को चुनौती देते हुए सजायाफ्ता ने न्यायायुक्त की अदालत में क्रिमिनल अपील दाखिल की थी. अभियुक्त मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद जिले के महिप बिगहा गांव का रहनेवाला है. ज्ञात हो कि लूट की घटना को लेकर आशीष कुमार ने 11 नवंबर 2022 को मैक्लुस्कीगंज थाने में आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर एनडीए में झिकझिक

आजसू 12 सीटों पर अड़ी, आठ देने को तैयार है भाजपा,जयराम से भी संपर्क

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे पर अभी तक कोई फैसला नहीं आया है. सूचना है कि बारह-आठ का पेंच फंस गया है. आजसू 12 सीटों पर अड़ी हुई, जबकि भाजपा आठ से आगे नहीं बढ़ रही है. बीच का रास्ता 10 सीट पर निकल सकता है. ले-देकर हालात पिछली विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे से बहुत ज्यादा जुदा नहीं नजर आ रहा है. चंदनकियारी, जुगसलाई, ईचागढ़, लोहरदगा सीट को लेकर जहां पेंच फंसा हुआ है, वहीं डुमरी और टुंडी में आजसू की सफलता को लेकर भी भाजपा सशंकित है. इस बीच खबर यह है कि भाजपा के नेता जयराम महतो के भी संपर्क में हैं. लोकसभा चुनाव में जयराम महतो की पार्टी के प्रदर्शन ने सभी को चौंकाया है. चाहे वह भाजपा हो, कांग्रेस हो, झामुमो हो या दूसरा कोई दल. जयराम महतो सबके लिए हॉट केक बन चुके हैं.

सूत्रों ने जो जानकारी दी है कि उसके मुताबिक आजसू और भाजपा के बीच सीट शेयरिंग को लेकर कई बार बात हो चुकी है. लेकिन बात बन नहीं पा रही है और भाजपा के कुछ नेताओं का कहना है कि अगर आजसू की जगह जयराम महतो को एनडीए में शामिल कर लिया जाये, तो इसका ज्यादा फायदा हो सकता है. आजसू पार्टी लोगों के लिए देखा हुई, जानी हुई और उम्मीदों पर तौली हुई पार्टी है, जबकि जयराम महतो की पार्टी के साथ ऐसा कुछ भी नहीं है. नया चेहरा है, नई पार्टी है और उनसे जुड़े लोगों की उम्मीद को भी अभी तक तौला नहीं गया है. भाजपा को एक फायदा यह भी दिख रहा है कि संभव है जयराम महतो कम सीटों पर भी राजी हो जायें और लोकसभा चुनाव के परिणाम से उसकी पार्टी से गठबंधन करने में ज्यादा लाभ मिलने के संकेत मिल रहे हैं.

सिल्ली में खुद ही पसीना बहाना पड़ रहा सुदेश को : भाजपा के कुछ नेता इस बात को लेकर भी आजसू से दिक्कत महसूस करते हैं कि कोई भी बात दिल्ली दरबार में ही हो पाती है. राज्य स्तर पर किसी तरह की संयुक्त रणनीति बनाने में भाजपा के लोकल नेताओं को परेशानी होती है. कई नेता उस घटना को बार-बार दुहराते हैं, जिसमें भाजपा के शिवराज सिंह चौहान, कर्मवीर सिंह, बाबूलाल मरांडी जैसे नेताओं को आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो का इंतजार करना पड़ा था. इस बीच यह रिपोर्ट भी चर्चा में है कि आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो खुद अपने क्षेत्र सिल्ली में घिरते नजर आ रहे हैं. खुद को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें अभी से ही सिल्ली में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है. गोमिया में जयराम महतो की ज्यादा धमक महसूस की जा रही है. रामगढ़ में भी स्थिति बहुत ठीक नहीं है. पारिवारिक पार्टी होने का तमगा लग गया है सो अलग. कुल मिलाकर भाजपा खेमा यह देख रहा है कि आजसू के साथ सीट शेयरिंग से आजसू को ज्यादा और भाजपा को कम फायदा होगा, जबकि जयराम से अगर बात बनती है, तो भाजपा को अधिक फायदा मिलेगा.

आजसू को लेकर भाजपा सतर्क

आजसू को लेकर इस बार भाजपा पूरी तरह सतर्क और अलर्ट है. आजसू की पुराने फैसलों को ध्यान में रख कर भाजपा रिश्तों को तौल रही है. भाजपा नेताओं का मानना है कि अगर वह आजसू पर पूरी तरह निर्भर रहें, तो झटका भी लग सकता है. ऐसी सोंच की वजहें भी हैं. वर्ष 2014 में स्थानीय नीति के मामले में आजसू ने दोहरी चाल चली थी. कैबिनेट में मंत्री चंद्रप्रकाश की सहमति और बाहर पार्टी का सरकार से विरोध. भाजपा कभी नहीं चाहेगी कि ऐसी परिस्थितियां दुबारा पैदा हों. हाल ही में गांडेय उपचुनाव में भी, जो भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल था, आजसू पहले तो असमंजस की स्थिति में रही, फिर आजसू के उम्मीदवार निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव में उतर गए. गांडेय उप चुनाव में आजसू की तरफ से प्रचार करने के लिए कोई नेता नहीं गया. इन वजहों से भाजपा चाहती है कि उसकी पूर्ण बहुमत की सरकार हो और आजसू भी सहयोगी हो. आजसू को वही सीट मिले, जहां वह मजबूत स्थिति में है.

10 से 12 सितंबर तक सचिवालय और निदेशालय में कामकाज रहेगा ठप

- सचिवालय सेवा संघ का सामुहिक अवकाश में जाने का फैसला
- सचिवालय सेवा के 1000 पदाधिकारी और कर्मी करेंगे आंदोलन

प्रमुख संवाददाता। रांची

सचिवालय सेवा संघ ने 10 से 12 सितंबर तक सामुहिक अवकाश में जाने का निर्णय लिया है. संघ के महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव और सभी विभागाध्यक्षों को पत्र लिख कर इसकी जानकारी दी है. सचिवालय और निदेशालय में इस संवर्ग के करीब 1000 पदाधिकारी और कर्मचारी कार्यरत हैं. सभी पिछले तीन महीने से अपनी मांगों को लेकर आनंदोलन कर रहे हैं.

संघ के महासचिव ने पत्र में लिखा है कि उनकी मांगे कई सालों से सरकार के पास लंबित है. इस उपेक्षापूर्ण रवैया की वजह से संघ के पास चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ा है. संघ की कार्यकारिणी ने निर्णय लिया है कि आंदोलन के अगले चरण में 10 से 12 सितंबर तक सभी पदाधिकारी व कर्मचारी सामुहिक अवकाश पर रहेंगे.

संघ की छह मांगे

- सचिवालय सेवा के पदाधिकारी व कर्मचारी की लंबित प्रोन्नति दी जाये.
- प्रशाखा पदाधिकारी के पदों पर भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति का लाभ दें.
- प्रशाखा पदाधिकारियों को अकार्यात्मक वेतनमान की स्वीकृति दें.
- सचिवालय सेवा के उप सचिव एवं संयुक्त सचिव स्तर के पदों का सृजन हो.
- संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव व प्रशाखा पदाधिकारी के रिक्त पदों पर प्रोन्नति मिले.
- शिशु शिक्षण भत्ता दें और सचिवालय सेवा के मूल कोटि के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती हो.

सुरेंद्र बंगाली मामले में महाधिवक्ता ने जवाब देने का मांगा समय

संवाददाता। रांची

तीन दशक पहले रांची में आतंक का पर्याय माना जाने वाला अपराधी सुरेंद्र सिंह रौतेला उर्फ सुरेंद्र बंगाली की क्रीमिनल याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुरेंद्र बंगाली को प्रीमेच्योर (25 साल की सजा के बाद) रिहाई को लेकर सरकार का पक्ष रखने के लिए महाधिवक्ता ने समय की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है. सुरेंद्र बंगाली ने हाईकोर्ट में क्रीमिनल याचिका दाखिल कर कहा है कि हत्या के मामले में अदालत ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनायी थी. वह 25 साल से अधिक समय से जेल में बंद हैं. वर्ष 2003 में राज्य स्तर पर गठित पुनरीक्षण बोर्ड ने उनकी रिहाई के आवेदन को खारिज कर दिया था. सुरेंद्र बंगाली ने इसी साल सुप्रीम कोर्ट के (जोसेफ बनाम स्टेट ऑफ केरला) फैसले का हवाला देते हुए प्रीमेच्योर रिलीज का आग्रह किया है.

खबर हाईकोर्ट की

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1996 में लालपुर थाना क्षेत्र में हुई एक हत्या मामले में अदालत ने सुरेंद्र बंगाली को फांसी की सजा सुनायी थी. वर्ष 2000 में हाई कोर्ट ने भी फांसी की सजा को कायम रखा था. इसके बाद सुरेंद्र बंगाली ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी. वर्ष 2001 में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी फांसी की सजा को आजीवन कारावास की सजा में तब्दील कर दी थी.

पहले 14 साल की सजा काटने के बाद कर दिया जाता था रिहा : गौरतलब है कि पहले आजीवन कारावास की सजा पाने वाले व्यक्ति को 14 साल की सजा काटने के बाद रिहा कर दिया जाता था. बाद में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर यह व्यवस्था बनी कि आजीवन कारवास का मतलब पूरी जिंदगी जेल में रहना पड़ेगा. साथ ही यह भी व्यवस्था बनी कि आजीवन कारावास की सजा प्राप्त व्यक्ति 20 साल की सजा काटने के बाद राज्य स्तर पर गठित पुनरीक्षण बोर्ड में अपील कर प्रीमेच्योर रिहाई का लाभ ले सकता है.

पुलिस मुख्यालय ने थानों में महिला मुंशी पद के लिए आवेदन मांगा

रांची। राज्य के थानों में महिला मुंशी का पदस्थापन होगा. इसके लिए महिला सिपाहियों से आवेदन मांगे गए हैं. थानों में मुंशी के रुप में पदस्थापित होने के लिए कई शर्तें रखी गई हैं. उन शर्तों को पूरा करने के बाद ही महिला सिपाहियों को थाना में मुंशी के पद पर पदस्थापित किया जायेगा. उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन के दौरान डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा था कि शहरी थानों में महिला मुंशी की नियुक्ति होगी. कोशिश होगी कि अगले तीन महीने में इनकी नियुक्ति कर ली जाये. शुरुआत में रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, बोकारो और धनबाद जिला के थानों में महिला मुंशी की नियुक्ति की जायेगी. इसके अलावा थानों में महिला प्रभारी देने की भी कोशिश की जायेगी. शर्तों में कहा गया है कि महिला मुंशी को थाना में आवश्यकता अनुसार 12 से 14 घंटा काम करना पड़ सकता है. उन्हें राज्य की स्थानीय भाषा की जानकारी भी रखनी होगी. साथ ही उन्हें अपने अपने गृह जिला, वर्तमान पदस्थापना और इकाई के बारे में जानकारी देनी होगी.

सरकार की युवा विरोधी नीतियों के कारण उत्पाद सिपाही बहाली में हो रहीं मौतें: बाउरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

उत्पाद सिपाही भर्ती प्रक्रिया को लेकर नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना

साधा है. उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि आज झारखंड में भाजपा की सरकार होती तो पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बनाये गये नियम के मुताबिक 13 से अधिक परिवारों का चिराग नहीं बुझता. हेमंत सरकार ने जो नियम बनाया, उसकी वजह से आज राज्य के युवाओं की मौत हो रही है. जब सरकार के पास ना नीति हो, ना नियत हो और ना सक्षम नेतृत्वकर्ता हो, तो ऐसी ही घटनाएं होती हैं. झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार के युवा विरोधी नीति के कारण उत्पाद सिपाही दौड़ मौत का दौड़ बन गया है.

जनता पूछ रही पुराने आवेदनों का क्या हुआः बाउरी ने सरकार द्वारा चलाये जा रहे आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम पर बाउरी ने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का जबरदस्त विरोध हो रहा है. जनता पूछ रही है कि पुराने आवेदनों का क्या हुआ. झूठ की रोपनी करने झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार आपके द्वार पहुंची है.

एसबीएम और जेजेएम कर्मचारी संघ का अल्टीमेटम

संवाददाता। रांची

स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और जल जीवन मिशन (जेजेएम) के कर्मियों ने सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो 10 सितंबर से हड़ताल पर चले जाएंगे. एसबीएम और जेजेएम के कर्मी अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं. पिछले छह महीने से उनका कांट्रैक्ट रिन्यूअल नहीं किया गया है, जिस कारण उन्हें मानदेय भी नहीं मिल रहा है. बिना मानदेय के ही उनसे काम भी कराया जा रहा है. कर्मियों ने कहा है कि नौ सितंबर तक असहयोग आंदोलन कर विरोध जताया जाएगा. इसके बाद बेमियादी हड़ताल पर चले जाएंगे.

- मांगें नहीं मानी गईं तो 10 सितंबर से हड़ताल पर चले जाएंगे कर्मचारी
- पांच सूत्री मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं एसबीएम और जेजेएमकर्मी

क्या हैं मांगें

- समान काम के बदले समान वेतन
- बिहार व अन्य राज्यों की तर्ज पर सेवा नियमितिकरण
- ग्रेड पे, ईफीएफ के साथ मेडिकल सुविधा
- एक-एक प्रखंड में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर की बहाली
- कांट्रैक्ट का रिन्यूअल शीघ्र किया जाए

होल्डिंग टैक्स से 514.21 करोड़ राजस्व वसूली का लक्ष्य

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में होल्डिंग टैक्स से 514 करोड़ 21 लाख 65 हजार 927 रुपये राजस्व वसूली का लक्ष्य रखा है. इसके एवज में अब तक राज्य सरकार के खाते में 73 करोड़, छह लाख 61 हजार 918 रुपये ही आए हैं. होल्डिंग टैक्स धारकों ने एडवांस के रूप में 29 लाख 82 हजार 451 रुपए जमा कराए हैं, जबकि राज्य सरकार की ओर से होल्डिंग टैक्स में अब तक चार करोड़ 21 लाख 29 हजार 112 रुपए का रिबेट भी दिया जा चुका है.

चार करोड़ रुपये पेनाल्टी से आए : होल्डिंग टैक्स देने में देरी करने वालों से राज्य सरकार अब तक पेनाल्टी के रूप में चार करोड़ 57 लाख 20 हजार 577 रुपये की वसूली कर चुकी है, जबकि पुराना बकाया 1010 करोड़ 79 लाख 51 हजार 931 रुपये है. आदित्यपुर नगर निगम, चास नगर निगम, हजारीबाग नगर निगम में सबसे अधिक होल्डिंग टैक्स धारकों का बकाया है. धनबाद नगर निगम, आदित्यपुर नगर निगम, चास नगर निगम और देवघर नगर निगम से सबसे अधिक पेनाल्टी की वसूली की गई है.

किस नगर निगम, नगर पंचायत से कितने राजस्व उगाही का लक्ष्य

नगर निगम, पंचायत व परिषद	राशि		
सरायकेला नगर पंचायत	1,01,44,864.49	महगामा नगर पंचायत	26,73,401.20
सिमडेगा नगर परिषद	91,39,403.84	धनबाद नगर निगम	3,70,36,73,369.71
नगर उंटारी नगर परिषद	1,09,71,132.33	लोहरदगा नगर परिषद	1,89,77,622.67
चाकुलिया नगर पंचायत	66,88,731.27	मधुपुर नगर निगम	1,05,85,654.98
कपाली नगर परिषद	1,37,24,563.75	मानगो नगर निगम	20,32,29,693.98
डोमचांच नगर पंचायत	2,06,86,141.00	मझिआंव नगर पंचायत	57,20,856.25
बड़हरवा नगर पंचायत	45,40,658.10	मेदिनीनगर नगर निगम	8,13,84,306.95
छत्तरपुर नगर पंचायत	64,29,843.58	मिहिजाम नगर परिषद	1,28,92,828.45
धनवार नगर पंचायत	34,66,666.59	पाकुड़ नगर परिषद	1,44,69,742.30
हरिहरगंज नगर पंचायत	1,32,31,927.45	फुसरो नगर परिषद	2,37,92,316.29
बरकीसराय नगर पंचायत	41,37,294.53	राजमहल नगर पंचायत	20,26,902.72
		रामगढ़ नगर परिषद	4,81,75,237.52
		साहेबगंज नगर परिषद	1,87,11,667.40

क्लासिफाइड

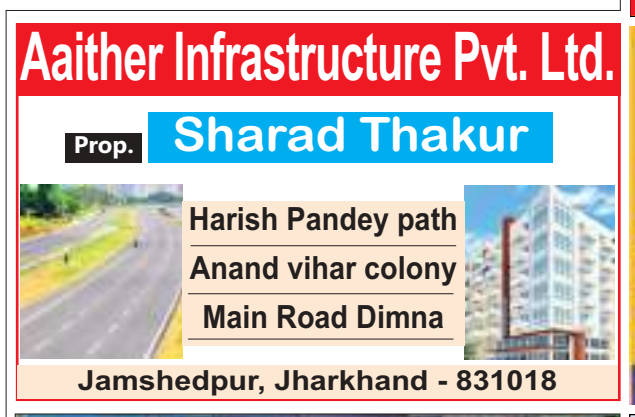

तापमान
32.2° अधिकतम | 23.2° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 05 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुल्क पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 148 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

छोटू खलखो की जमानत अर्जी खारिज

रांची। सीपीआईएम नेता सुभाष मुंडा हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपी छोटू खलखो की जमानत अर्जी अदालत ने खारिज कर दी है. अपर न्यायायुक्त सचिंद्र बिरूआ की अदालत में बुधवार को इस मामले की सुनवाई हुई. बताते चलें कि सीपीआईएम नेता सुभाष मुंडा हत्याकांड मामले में पुलिस में छोटू खलखो, सहित विनोद कुमार, बबलू पासवान को गिरफ्तार किया था. इस हत्याकांड के बाद एसआइटी का गठन किया गया था. 26 जुलाई 2023 को दलादली चौक स्थित सुभाष मुंडा के कार्यालय में उनकी गोली मार कर हत्या कर दी गई थी.

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा 21 व 22 को

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 का आयोजन 21 व 22 सितंबर को होगा. इसे लेकर परीक्षा नियंत्रक ने कहा है कि परीक्षा के प्रवेश पत्र 17 सितंबर से आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड किये जा सकते हैं.

राज्य के युवाओं को ऋण उपलब्ध कराया जाएगा

रांची। राज्य युवा आयोग ने झारखंड के युवाओं को उद्योग के लिए बैंकों से ऋण उपलब्ध कराने की वकालत की है. बुधवार को राज्य युवा आयोग की बैठक में इस मसले पर प्रस्ताव पारित किया है. बैठक में आधा दर्जन प्रस्तावों पर सहमति जताई गई. बैठक की अध्यक्ष आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव ने की. बैठक में आदिवासी हॉस्टल की मरम्मत के प्रस्ताव पर सहमति बनी. गुरुजी क्रेडिट कार्ट की अधिकतम सीमा 50 लाख करने पर सहमति जताई गई. इसके अलावा सरकारी संस्थानों से निःशुल्क खेल का मैदान उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर भी सहमति जतायी गयी.

अमित अग्रवाल की बेल याचिका खारिज

रांची। कोलकाता के व्यवसायी अमित अग्रवाल की जमानत याचिका पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट ने खारिज कर दी है. अमित अग्रवाल ने 19 अगस्त को जमानत याचिका दाखिल कर जमानत की गुहार लगाई थी. बताते चलें कि आठ जून 2023 को जमीन घोटाला मामले में ईडी ने अमित अग्रवाल को गिरफ्तार किया था. अमित अग्रवाल पर कोलकाता कैश कांड के अलावा जमीन फर्जीवाड़ा का भी आरोप है.

चंपाई का हाउस गार्ड वापस लिया गया

रांची। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के भाजपा का दामन थामने और विधायकी से इस्तीफा देने के बाद राज्य सरकार ने चंपाई सोरेन का हाउस गार्ड वापस ले लिया है. वहीं उनके बेटे बाबूलाल सोरेन का बॉडीगार्ड भी वापस ले लिया गया है. बुधवार को चंपाई सोरेन सरायकेला पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश की जनता परिवर्तन चाहती है. इस बार लहर हेमंत सरकार के खिलाफ है.

दो सूत्री मांगों को लेकर अनिश्तिकालीन हड़ताल पर गये मनरेगा कर्मी

मंत्री इरफान का आवास घेरा

संवाददाता। रांची

मनरेगा कर्मियों ने बुधवार को ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी के सरकारी आवास का घेराव किया और मांगों को लेकर बेमियादी हड़ताल पर चले गये. मनरेगा कर्मी दो सूत्री मांगों को लेकर पिछले 45 दिनों से चरणबद्ध आंदोलन चला रहे हैं. जब कहीं से किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हुई, तो अब थक हार कर मंत्री के आवास को घेर कर धरना पर बैठ गये. झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के बैनर तले स्थायीकरण और सरकारी कर्मियों की तरह वेतनमान की मांग लेकर मनरेगा कर्मी आंदोलनरत हैं.

संघ के अध्यक्ष जॉन पीटर बागे ने कहा कि सचिवालय से लेकर पंचायत सचिवालय तक मनरेगा कर्मी काम कर रहे हैं. कर्मियों को दो भाग में बांटा गया है. एक मनरेगा कोषांग, जो जिला से ऊपर सचिवालय में कार्यरत हैं, वहीं दूसरा प्रखंडों से लेकर पंचायत तक क्षेत्रीय मनरेगा कर्मी हैं. सभी को मनरेगा योजना मद की छह प्रतिशत प्रशासनिक मद से मानदेय भुगतान किया जाता है. मनरेगा कोषांग के सभी कर्मियों को ग्रेड पे दिया जाता है, लेकिन क्षेत्र के कर्मियों को काफी कम मानदेय दिया जा रहा है, जिसका सभी विरोध कर रहे हैं.

मौके पर संजय प्रमाणिक, जितेंद्र झा, विकास पांडेय, देवेंद्र उपाध्याय, सुमंत गांगुली, उदय पांडेय, सत्यम सिंह, अभय खलखो, बसंत टुडू, जयदेव मुर्मू, नरेश सिंह, विनोद विश्वकर्मा, बसंत सिंह, शिवदेव लोहरा, नन्हे परवेज आदि मौजूद थे.

कर्मी बोले- हमें विगत 17 साल से लगातार ठगा ही जा रहा है

रांची में बुधवार को ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी के सरकारी आवास के बाहर हाथों में तख्ती लेकर प्रदर्शन करते मनरेगा कर्मी.

मनरेगा कर्मियों को नहीं दिया जा रहा हक : बागे

बागे ने कहा मनरेगा कर्मियों की नियुक्ति 2007 में और मनरेगा कोषांग कर्मियों की नियुक्ति 2010 में हुई थी. दोनों की नियुक्ति नियमावली बिल्कुल ही एक है. अंतर सिर्फ मानदेय और ग्रेड पे को लेकर हैं. उन्होंने कहा कि ग्रेड पे के लिए वित्त विभाग का संकल्प भी है. इसमें किसी भी तरह की कोई तकनीकी दिक्कत नहीं है. इसके बावजूद उन्हें उनका हक नहीं दिया जा रहा है.

आमरण अनशन के साथ इच्छा मृत्यु मांगेंगे : लतीफ

संगठन मंत्री लतीफ अंसारी ने कहा कि मनरेगा कर्मियों की सब्र का बांध टूट गया है. यदि जल्द ही हमारी मांगों पर पहल नहीं की गयी, तो राज्य भर के मनरेगाकर्मी आमरण अनशन के साथ इच्छा मृत्यु की मांग करेंगे. उन्होंने मुख्यमंत्री और ग्रामीण विकास मंत्री से आग्रह किया कि मनरेगा कर्मियों से वार्ता कर मांगों को पूरा करें, नहीं तो बाध्य होकर हड़ताल पर डटे रहेंगे.

वनरक्षियों ने नेपाल हाउस का घेराव किया

रांची। वन विभाग में तैनात वनरक्षियों ने बुधवार को नेपाल हाउस का घेराव किया. झारखंड राज्य अवर वन सेवा संघ के बैनर तले सैकड़ों वनकर्मी नेपाल हाउस पहुंचे थे. ये पिछले 20 दिनों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं. इनकी प्रमुख मांगों में वनरक्षी नियुक्ति नियमावली संशोधन वापस लेने, प्रोन्नति देने, वनपाल के पदों पर शत-प्रतिशत प्रोन्नति, वनरक्षियों के स्वीकृत पदों को यथावत रखना आदि शामिल हैं. इसके अलावा पुलिसकर्मियों की तरह राशन व वर्दी, जोखिम भत्ता और यात्रा भत्ता देने, वनरक्षी का पदनाम उप वन परिसर पदाधिकारी करने और गश्ती के लिए वाहन और इंधन का प्रावधान करने की मांगें शामिल भी हैं.

- पिछले 20 दिन से आंदोलनरत हैं वन कर्मी

राजधानी वासियों को कौन देगा सफाई का आश्वासन

आकर्ष अनिकेत। रांची

शहर में जिधर देखो उधर कूड़े-कचरे का अंबार लगा है. घरों से कचरे का उठाव नहीं हो रहा है, लोग परेशान हैं. शहर में गंदगी पसरी है. बीते सोमवार को नगर निगम के सफाईकर्मी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए थे. मंगलवार को नगर निगम के अधिकारियों की ओर से उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन मिला, तो सफाईकर्मी काम पर वापस लौट गए.

कई इलाकों में घरों के कचरा उठाने का भी शुरू हो गया. हालांकि शहर के बड़े इलाके की सड़कों पर पसरे कचरे पर किसी की नजर नहीं पड़ी. बुधवार को शहर के गली-मुहल्लों के साथ-साथ कुछ मुख्य मार्गों पर भी कचरे का अंबार लगा रहा. न तो किसी सफाई कर्मी की नजर उस पर पड़ी और न ही वार्ड के सुपरवाईजर की. वहीं शहरवासियों ने बातचीत के दौरान बताया कि सभी की मांगें सुनी जा रही हैं, मांगें पूरी भी हो रही हैं या उन्हें आश्वासन दिया जा रहा, पर हमें शहर में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन कौन देगा?

कई इलाकों में नहीं हुई डोर टू डोर क्लीनिंग : शहर के कई इलाकों में बुधवार को भी डोर टू डोर क्लीनिंग नहीं हुई. वार्ड नंबर आठ और 10 में रहनेवाले लोगों ने बताया कि बीते चार से पांच दिनों से उनके घरों से कचरा नहीं उठाया गया है. लोगों ने बताया कि मजबूरन कचरा बाहर फेंकना पड़ रहा है, जिससे सड़क किनारे भी कचरे का अंबार लग रहा और वहां से भी कचरा उठाने का काम नहीं किया जा रहा है.

मांग पूरी होने के आश्वासन के साथ काम पर लौटे सफाईकर्मी, पर शहर में हर तरफ कचरा ही कचरा

पीएम के दौरे को लेकर जीएम ने किया स्टेशन का निरीक्षण

संवाददाता। रांची/जमशेदपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 सितंबर को प्रस्तावित जमशेदपुर दौरे को लेकर रेलवे ने तैयारियां शुरू कर दी हैं. इसी क्रम में तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने टाटानगर स्टेशन का दौरा किया. उन्होंने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के साथ-साथ स्टेशन पोर्टिको जोन को भी देखा. उन्होंने जहां-जहां खामियां दिखी, उसे तत्काल दूर करने का निर्देश चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम को दिया. रेल अधिकारियों ने बताया कि टाटा-पटना वंदे भारत ट्रेन की घोषणा पहले ही हो चुकी है. अब टाटानगर से ब्रह्मपुर के बीच भी वंदे भारत ट्रेन को चलाने की योजना है.

दिव्यांगता को बौना साबित कर शिक्षा की अलख जगा रहे इरशाद

फोटो : रमीज

बच्चों को स्कूटी पर बैठा कर स्कूल लेकर जाते (ऊपर) और पढ़ाते (नीचे) दिव्यांग शिक्षक इरशाद आलम.

रांची। दिव्यांग शिक्षक इरशाद आलम कांके के उत्क्रमित मध्य विद्यालय के शिक्षक हैं. उन्होंने अपनी दिव्यांगता को अपनी कमजोरी नहीं बनाया. इरशाद ने बताया कि वे समाज में जरूर पीछे रह गए, लेकिन शिक्षक के रूप में किसी भी विद्यार्थी को पढ़ाई में पीछे नहीं रहने देना चाहते. स्कूल में पढ़ने वाले दर्जनों बच्चे गाड़ी और आने जाने के साधन की वजह से स्कूल नहीं आ पाते थे, लेकिन इरशाद जो खुद दिव्यांग हैं, बैसाखी के सहारे चलते हैं, लेकिन अपने चार चक्के वाली स्कूटी से दूर दराज के बच्चों को जो पुल नदी पार नहीं कर सकते, हर दिन स्कूटी से लेकर स्कूल आते हैं और उन्हें पढ़ाते हैं. कई किलोमीटर की दूरी से स्कूल आनेवाले बच्चों में पिठौरिया के सोमरी से पायल कुमारी, अलका कुमारी, शाबू महली, प्रीति कुमारी, प्रेमल कुमारी और नवाडीह से रौनक, आफिया, अबुरहान, सुफियान शामिल हैं, जिन्हें शिक्षक इरशाद आलम हर दिन अपनी गाड़ी से स्कूल लेकर आते हैं और उन्हें पढ़ाते हैं.

शिक्षक दिवस विशेष

विद्यालय व अस्पतालों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएं: बिरूआ

रांची। आदिवासी कल्याण मंत्री मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि विद्यालयों और अस्पतालों की बुनियादी सुविधाएं तुरंत और यथाशीघ्र बहाल किए जाए. उक्त बातें कल्याण विभाग के अस्पतालों और विद्यालयों के संचालक संस्थाओं के साथ कल्याण कॉम्प्लेक्स में एक संवाद बैठक के दौरान मंत्री ने कही. इस दौरान उन्होंने प्रत्येक संचालक से उनकी समस्याओं को सुना. कल्याण विद्यालयों और ग्रामीण कल्याण अस्पतालों के लंबित भुगतान हेतु भी यथाशीघ्र पहल कर आवंटन उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया.

दीपक बिरुआ ने कहा कि इन विद्यालयों में छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक परिणाम राज्य एवं राष्ट्र स्तर पर उत्साहवर्धक रहा है. मंत्री ने यह भी कहा कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के संख्या बल में वृद्धि की गई है. राज्य के आदिवासी, दलित और पिछड़ा वर्ग के लिए समेकित और समर्पित प्रयास में सभी की भागीदारी की आवश्यकता है. कल्याण विभाग के अधिकारी चाहे विभाग में हों या फिर क्षेत्र में, पूरे समर्पित भाव से कार्य निष्पादित करें. संवाद बैठक में आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

एक हजार करोड़ की धोखाधड़ी करने वाली कंपनियों की ईडी ने की शिकायत

रांची एक्सप्रेस-वे और मधुकॉन प्रोजेक्ट्स के खिलाफ पीसी दायर

संवाददाता। रांची

बैंकों से एक हजार करोड़ की धोखाधड़ी करने वाले रांची एक्सप्रेसवे और मधुकॉन प्रोजेक्ट्स के खिलाफ ईडी ने अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की है. ईडी ने हैदराबाद में ईडी की विशेष अदालत में पीसी दायर की है, जिसपर अदालत ने संज्ञान लिया है. ईडी की ओर से बताया गया कि सीबीआई व एसीबी रांची द्वारा मेसर्स रांची एक्सप्रेसवेज लिमिटेड (आरईएल) और उसके निदेशकों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की गई.

इसके बाद सीबीआई ने मेसर्स रांची एक्सप्रेसवेज लिमिटेड और अन्य के खिलाफ सीबीआई मामलों के विशेष अदालत, रांची के समक्ष आरोप पत्र दायर किया. इस परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए मधुकॉन समूह ने एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) मेसर्स रांची एक्सप्रेसवे लिमिटेड का गठन किया था. मधुकॉन प्रोजेक्ट लिमिटेड इस परियोजना का इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) ठेकेदार था.

365.78 करोड़ के लोन कोष के डायवर्जन की पहचान

ईडी की जांच में यह भी पता चला है कि मधुकॉन समूह के प्रमोटरों ने अपने एसपीवी से पूरा ईपीसी अनुबंध लेकर लोन को निकाल लिया और फिर अपनी अन्य परियोजनाओं के लिए भारी मात्रा में मोबिलाइजेशन और सामग्री अग्रिमों को डायवर्ट कर दिया. लोन को उनके द्वारा नियंत्रित उप-ठेकेदारों, फर्जी संस्थाओं को भी डायवर्ट किया गया और उनसे 75.50 करोड़ रुपये की नकदी वापस प्राप्त की गई. इन उप-ठेकेदारों ने कोई काम नहीं किया. जांच के दौरान अब तक 365.78 करोड़ रुपये के लोन कोष के डायवर्जन की पहचान की गई है. ईडी ने पहले मामले में तलाशी ली थी और आपत्तिजनक सबूत और 34 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की थी. ईडी ने मधुकॉन ग्रुप ऑफ कंपनीज और उनके निदेशकों से संबंधित 96.21 करोड़ रुपये की 105 अचल संपत्तियों और अन्य परिसंपत्तियों को भी कुर्क किया था.

पूरी लोन राशि लेने के बाद भी परियोजना पूरा नहीं की : ईडी ने बताया कि मधुकॉन समूह ने पूरी लोन राशि प्राप्त करने के बावजूद परियोजना को पूरा नहीं किया और बाद में उनका अनुबंध समाप्त कर दिया गया. झारखंड हाईकोर्ट के निर्देशों के आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की गई. ईडी की जांच से पता चला है कि मेसर्स आरईएल ने केनरा बैंक के नेतृत्व में बैंकों के एक संघ से 1030 करोड़ रुपये का लोन प्राप्त किया था. हालांकि मधुकॉन समूह ने पूरे लोन राशि का उपयोग बताए गए उद्देश्य के लिए नहीं किया और इसे अन्य कार्यों में उपयोग के लिए अपनी संबद्ध संस्थाओं को दे दिया और अपने संबंधित शेल संस्थाओं को फर्जी काम देकर लोन की हेराफेरी भी की. कई वर्षों से समूह की वित्तीय स्थिति ठीक नहीं थी.

रांची-जमशेदपुर परियोजना के लिए टेंडर लेने के बाद, मधुकॉन समूह ने मेसर्स आरईएल नाम का एक एसपीवी बनाया और प्रमोटरों द्वारा फर्जी निवेश दिखाने के लिए लोन निधियों की राउंड ट्रिपिंग की. आखिरकार मधुकॉन समूह लोन नहीं चुका सका और लोन खाता एनपीए में बदल गया.

व्यवहार में बदलाव | क्या माता-पिता का अनादर और आंख दिखा रहे हैं नई पीढ़ी के बच्चे?

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से चिड़चिड़ा हो रहा बच्चों का व्यवहार

एजेंसी। नई दिल्ली

'जेन अल्फा' यानी नई पीढ़ी. यह वह जनरेशन है, जो 2010 के बाद पैदा हुई है. अगले कुछ सालों में उनकी संख्या बेबी बूमर्स (1946 से 1964 के बीच पैदा हुए लोग) से भी ज्यादा हो जाएगी. अनुमान के मुताबिक, 2025 तक इनकी संख्या लगभग दो बिलियन तक पहुंच जाएगी. इन बच्चों को उनके बचपन में ही स्मार्टफोन, टैबलेट और अन्य डिजिटल उपकरणों के साथ खेलने का मौका मिला. ये उपकरण उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं. इसकी वजह से बच्चों का ध्यान आम गतिविधियों और पढ़ाई से हट कर गेमिंग, वीडियो देखना और कई तरह की डिजिटल गतिविधि में लग गया.

इन बच्चों में एक चीज कॉमन है कि डिजिटल उपकरणों पर सक्रियता की वजह से इनका व्यवहार चिड़चिड़ा हो रहा है. ये बच्चे समय से पहले शारीरिक और मानसिक रूप से परिपक्व तो हो जा रहे हैं. लेकिन, सामाजिक संरचना में रचने-बसने के मामले में ये बेहद कमजोर होते जा रहे हैं. एक फ्लैट या घर के आंगन में कैद ये बच्चे और इनके माता-पिता उनकी सुरक्षा को लेकर इतने परेशान रहते हैं कि इनके लिए ये डिजिटल उपकरण ही उनके विकास का जरिया बन जाता है और वह समाज और रिश्तों से इतर इसी को अपना भविष्य मान बैठते हैं. 'जेन अल्फा' को लेकर हर माता-पिता को यह चिंता रहती है कि इस जेनरेशन के बच्चों को इलेक्ट्रॉनिक गैजेट देना सही होगा या गलत? अगर यह सही है, तो कितनी देर के लिए उन्हें इन गैजेट्स के साथ रखना चाहिए?

कई बार बड़े ही उग्र हो जाते हैं बच्चे : बच्चों के बदले व्यवहार पर डॉ. विशाल कहते हैं कि अक्सर देखा जाता है कि बच्चे जब इलेक्ट्रॉनिक गैजेट पर सक्रिय होते हैं, इस दौरान उन्हें किसी और काम के लिए कुछ कहा जाए, तो कई बार वह बड़े ही उग्र हो जाते हैं. बच्चों के द्वारा इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से उनके मस्तिष्क में संचार संवहन करने वाली प्रक्रिया शिथिल हो जाती है. इससे बच्चों में चिड़चिड़ापन भी बढ़ता जाता है.

लंबी स्क्रीन टाइमिंग खतरे की घंटी

उत्तर प्रदेश के मशहूर बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विशाल मिश्रा कहते हैं कि आजकल यह चलन देखा गया है कि माता-पिता अपने लिए समय निकालने के लिए अपने बच्चों के हाथ में मोबाइल दे देते हैं. बच्चे काफी लंबे समय तक वीडियो देखते रहते हैं या गेम खेलते रहते हैं. यह उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों के लिए बहुत ही खतरनाक है. इससे बच्चों का दिमाग न सिर्फ समय से पहले परिपक्व होने लगता है, बल्कि बच्चों द्वारा स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने से उनके दिमाग का चरणबद्ध विकास रूक जाता है. माता-पिता को चाहिए कि बच्चों को आउटडोर गेम खेलने के लिए प्रेरित करें.

खनिज भूमि पर सेस लगाने की तैयारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने खनिज भूमि पर सेस लगाने की नियमावली तैयार कर ली है. इस प्रस्ताव को कैबिनेट की होने वाली बैठक में रखा जाएगा. खनिज भूमि पर सेस लगाने से राज्य सरकार को सालाना दो हजार करोड़ रुपये अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी. बताते चलें कि विधानसभा के मॉनसून सत्र में झारखंड खनिज धारित भूमि उपकर विधेयक पारित हो चुका है. इसे भी राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा. इसकी नियमावली भी तैयार कर ली गई है, जिसे कैबिनेट में मंजूरी के लिए रखा जाएगा.

सेस से मिलने वाली राशि कहां होगी खर्च : खनिज भूमि से मिलने सेस की राशि स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, ग्रामीण आधारभूत संरचना, पेयजल, सामाजिक सुरक्षा सहित अन्य सेवाओं पर खर्च की जाएगी. सेस से मिलने वाली राशि की वसूली खान विभाग करेगा.वहीं सीसीएल, बीसीसीएल और ईसीएल पर राज्य सरकार का विभिन्न मदों में एक लाख 36 हजार 42 करोड़ रुपये बकाया है. इस राशि की प्राप्ति के लिए माडा, भू-राजस्व व खान विभाग जल्द ही केंद्र सरकार को पत्र लिखेगा.

किस खनिज पर कितना लगेगा सेस : कोयला धारित भूमि पर 100 रुपये प्रति मीट्रिक टन,लौह अयस्क धारित भूमि पर 100 रुपये प्रति मीट्रिक टन,बॉक्साइट धारित भूमि पर 70 रुपये प्रति मीट्रिक टन, चूनापत्थर धारित भूमि पर 50 रुपये प्रति मीट्रिक टन, मैंगनीज अयस्क धारित भूमि पर 50 रुपये प्रति मीट्रिक टन और अन्य खनिज धारित भूमि पर प्रति टन खनिज के प्रेषण पर दी गयी रॉयल्टी का 50 प्रतिशत सेस लगेगा.

कैबिनेट में रखा जाएगा प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने दे दी है मंजूरी सालाना दो हजार करोड़ रुपये राजस्व की होगी प्राप्ति

बाजार समितियों को सुव्यवस्थित करने को लेकर कृषि मंत्री दीपिका पांडेय ने चैंबर और बाजार समिति के पदाधिकारियों के साथ की बैठक, बोलीं

व्यवस्था सुधरेगी, कोई समस्या होने पर व्यवसासी सीधे संपर्क करें

संवाददाता। रांची

बाजार समितियों को सुव्यवस्थित करने के मुद्दे पर बुधवार को कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की पहल पर पशुपालन निदेशालय में बैठक हुई. चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने सुझाव दिया कि टमाटर, फूलगोभी समेत अन्य सब्जियां, जिसे कई बार कृषक बंधु उचित मूल्य नहीं मिलने पर सड़कों पर फेंकने को विवश होते हैं, उन्हें भी एमएसपी के दायरे में लाएं. मंत्री ने इस पर सार्थक पहल करने का लिए आश्वस्त किया. साथ ही कहा कि केंद्र से तय होने पर राज्य सरकार बोनस भी देगी. उन्होंने कहा कि विभाग से जुड़ी कोई भी भ्रांति होने पर व्यापारी सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं. मौके पर फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के साथ जमशेदपुर, देवघर, दुमका, धनबाद, केंदुआ,

चैंबर और बाजार समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक करतीं कृषि मंत्री.

सरायकेला, जामताड़ा चैंबर ऑफ कॉमर्स, बाजार समिति के व्यापारी और कृषक प्रतिनिधि, मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन रविंद्र सिंह, बोर्ड के एमडी फैज अहमद, कृषि सचिव अबु बकर सिद्दीकी, चैंबर महासचिव परेश गट्टानी, सह सचिव अमित शर्मा, रामगढ़ के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित साहू, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, रांची चैंबर ऑफ कामर्स, पंडरा के संजय महुरी, दीपक अग्रवाल, हरि कनोडिया, आनंद जालान, आलोक मल्लिक, संजय अग्रवाल, सुरेश सोंथालिया, भरत वसानी, दीपक भालोटिया, मनोज घोष, मदन साहू, रोहित कुमार, विकास कांदवे, प्रियांक भगत, रामगढ़ चैंबर के अध्यक्ष विनय अग्रवाल, सत्यनारायण अग्रवाल के अलावा हर जिले के चैंबर और बाजार समिति के व्यापारी शामिल थे. बैठक का संचालन रोहित पोद्दार ने किया.

किसानों का एक व्हाट्स ऐप ग्रुप बनाने का सुझाव

कांग्रेस नेता आदित्य विक्रम जायसवाल ने पंडरा मंडी की दयनीय स्थिति पर चिंता जताते हुए बाजार समितियों के विकास के लिए व्यापारी, किसान और मंत्रालय के अधिकारियों की एक को-ऑर्डिनेशन कमेटी का गठन करने और किसानों का एक व्हाट्स ऐप ग्रुप बनाने का सुझाव दिया. राज्य की कृषि मंडियां कैसे सशक्त हों, ट्रेडर्स और कृषकों के आपसी समन्वय से राज्य में मंडियों का विकास हो, कृषकों का उत्थान हो और मंडी में व्याप्त असुविधाओं की जानकारी मंत्री ने व्यापारियों से ली. राज्य में पुनः कृषि शुल्क प्रभावी होने की बाजार में फैली भ्रांति का उन्होंने खंडन करते हुए कहा कि किसी भी तरह का शुल्क प्रभावी करने की हमारी मंशा नहीं है, सरकार कोई भी निर्णय व्यापारियों और कृषकों के बिना परामर्श के नहीं लेगी. दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि बाजार समिति में सुधार लाकर उसे सशक्त बनाना हमारा उद्देश्य है, जिसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है.

व्यापारियों ने कृषि मंत्री की पहल का स्वागत किया

बैठक के दौरान व्यापारियों ने कृषि मंत्री की पहल का स्वागत करते हुए उनके प्रयास की प्रशंसा की. राज्य की बाजार समितियों में सड़क, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी दूर करने, मरम्मत के अभाव में जर्जर हो चुकी दुकानों पर चिंता जताते हुए व्यापारियों ने मार्केटिंग बोर्ड की उदासीनता से मंत्री को अवगत कराया. बताया गया कि जिस उद्देश्य के साथ बाजार समिति का गठन किया गया था, वह आज पूर्णतः विफल है. राज्य की किसी भी मंडी में आज तक कृषकों का उपज नहीं आता है, न ही मार्केटिंग बोर्ड के पदाधिकारियों द्वारा इस दिशा में प्रयास किया गया. बताया गया कि पिछले पांच-सात वर्षों से बाजार समिति में विकास का काम बंद है, जिसकी समीक्षा होनी चाहिए.

इसी माह किसानों के ऋण माफी का काम पूरा होगा

- कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने की कृषि विभाग की समीक्षा
- दो लाख तक ऋण बकाया वाले किसान चिह्नित किये जा चुके हैं

रांची । मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को नेपाल हाउस में कृषि विभाग की समीक्षा की. इसमें कृषि निदेशक डॉ ताराचंद ने बताया कि दो लाख तक कर्ज में डूबे किसानों के ऋण माफी की प्रक्रिया सितंबर के अंत तक पूरी कर ली जाएगी. दो लाख तक के कर्जदार किसानों को चिह्नित कर लिया गया है. वहीं बिरसा फसल बीमा के तहत 10 लाख किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है.

किसान समृद्धि योजना के मिले हैं 4960 आवेदन : बैठक में जानकारी दी गई कि किसान समृद्धि योजना के तहत 4960 आवेदन मिले हैं. राज्यभर में 6738 सौर ऊर्जा पर आधारित पंप सेट का वितरण किया जाएगा. वहीं चालू वित्तीय वर्ष में 3.50 लाख मिट्रिक टन मछली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है. अब तक 1.1 मिट्रिक टन मछली का उत्पादन किया जा चुका है. झारखंड राज्य मिलेट मिशन के तहत 9722 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है.

शहर में आज

1. चाणक्य आईएएस एकेडमी का कार्यक्रम, सुविधा बैंक्वेट हॉल मोरहाबादी में दिन के 11.30 बजे
2. विभिन्न स्कूलों में शिक्षक दिवस पर समारोह का आयोजन, दिन के 10 बजे से
3. प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक, कांग्रेस भवन में दिन के 11 बजे

ब्रीफ खबरें

झाममो नेताओं पर मामला दर्ज कराया

रांची। झामुमो नेताओं के खिलाफ चतराभाजपा के कार्यकर्ता संतोष कुमार राम ने बुधवार को अरगोड़ा थाने में मामला दर्ज कराया है. आवेदन में कहा है कि 23 अगस्त को मोरहाबादी मैदान में हुई युवा आक्रोश रैली के दौरान झामुमो के आधिकारिक एक्स हैंडल से दूसरे राज्य के पुलिस वाले की कई साल पुरानी फोटो वायरल कर लोगों को भ्रमित किया गया. भाजपा को बदनाम करने का काम किया गया है. जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए.

ऑक्सीजन के अभाव से हुई विकास की मौत

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री सह सांसद आदित्य साहू बुधवार को नामकुम प्रखंड के रामपुर गांव स्थित स्वर्गीय विकास लिंडा के घर पहुंचे. परिजनों से मुलाकात कर शोक जताया तथा पार्टी की ओर से सहानुभूति प्रकट की. पिछले दिनों उत्पाद सिपाही दौड़ में घायल विकास लिंडा की मौत इलाज के दौरान हो गई थी. साहू ने पार्टी की ओर से एक लाख रुपए की सहायता राशि भी प्रदान की. कहा कि पूरा भाजपा परिवार शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ी है.

श्वेतांबर जैन मंदिर में हुए विविध कार्यक्रम

रांची। श्वेतांबर जैन मंदिर, डोरंडा में बुधवार को पर्वराज पयुर्षण के पांचवें दिन सुबह से देर शाम तक भक्ति के विविध कार्यक्रमों का सिलसिला चला. सुबह साढ़े छह बजे नमिनाथ जिनालय में सामूहिक अभिषेक, स्नान और पूजा की गयी. इसके बाद कल्पसूत्र वाचन हुआ, जिसमें भगवान महावीर के जन्म के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया. मौके पर अनुयायियों ने श्रद्धा पूर्वक भगवान का जन्मोत्सव मनाया. लयस्मिता श्रीजी की शिष्या जिनवर्षा जी ने भगवान पार्श्वनाथजी का जीवन परिचय दिया.

सीएस कार्यालय में सम्मान समारोह

रांची। सिविल सर्जन कार्यालय में बुधवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कार्यालय के लिपिक प्रदीप कुमार साहु को भावभीनी विदाई दी गयी, जिन्होंने कार्यालय में अपनी 29 साल सेवा दी और बुधवार को सेवानिवृत्त हो गये. उन्हें कार्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं अन्य सदस्यों की ओर से विदाई दी गई. उन्हें फूल के गुलदस्ते भेंट स्वरूप दिये गये. शामिल पदाधिकारियों ने उनके द्वारा 29 वर्षों में उनके द्वारा किये गये सेवा कार्यों की सराहना की गयी. बताया गया सेवानिवृत्ति के बाद मिलनेवाली सुविधाएं सब अपडेट हैं. एक से दो दिनों में उन्हें मिल जायेंगी. मौके पर कार्यालय के लिपिक रिजवान अहमद, अभिमन्यु, लोकेश और सुरेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रदीप जी से गहरा जुड़ाव है.

राज्य के दिव्यांग 160 दिन से पेंशन के लिए बैठे हैं धरने पर

ग्रामसभा का अधिकार छीन रही हेमंत सरकार: बाबूलाल

खास बातें

- प्रदेश भाजपा अध्यक्ष धरना दे रहे संघों के लोगों से मिले
- सरकार बनने पर समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया

संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को राजभवन के पास धरने पर बैठे झारखंड प्रदेश मुखिया संघ, झारखंड राज्य पंचायत सचिव संघ, झारखंड राज्य जल सहिया कर्मचारी संघ, झारखंड व्यावसायिक प्रशिक्षक संघ के प्रतिनिधियों से मुलाकात की. उनकी समस्याओं को सुना, जाना और समझा. साथ ही उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया. कहा कि हेमंत सरकार को जनता की समस्याओं के समाधान से कुछ भी लेना देना नहीं है. यह सरकार केवल

राजभवन पर धरना दे रहे विभिन्न संघों के लोगों से मिले बाबूलाल मरांडी.

लूटने,लुटवाने केलिए बनी है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की बुनियाद ग्राम सभा पर टिका है. हेमंत सरकार ग्राम सभा को कमजोर कर सारे अधिकार को अपने अधिकार में रखना चाहती है. धरना की स्थिति तब पैदा होती है, जब सरकार समस्याओं को सुनना नहीं चाहती. भाजपा मुखिया संघ के धरना के साथ खड़ी है. राज्य सरकार को कहेंगे कि जन प्रतिनिधियों से बात कर समस्या का समाधान करे. उन्होंने कहा कि चारों तरफ अराजकता का माहौल है. राज्य के 15 होनहार युवा सरकार के गलत निर्णय के कारण दौड़ते दौड़ते अपनी जान गंवा बैठे. ऐसे में आश्चर्य होता है कि राज्य के मुख्यमंत्री दिल्ली में पत्नी संग खुशी मनाते हैं. हेमंत सरकार अबुवा आवास की स्वीकृति बिना ग्राम सभा से पारित कराए जिला में स्वीकृत कराना चाहती है. ग्राम विकास की योजनाओं को सबसे पहले ग्राम सभा, पंचायत समिति से पारित होना चाहिए. गांव के जन प्रतिनिधि जानते हैं कि कौन योजना का ज्यादा हकदार है और कौन ज्यादा गरीब है, लेकिन राज्य सरकार ऐसा नहीं चाहती.

उन्होंने कहा कि लघु खनिज, बालू, हाट, बाजार जैसे संसाधनों पर ग्राम सभा का अधिकार होना चाहिए. उनके नेतृत्व की पहली राज्य सरकार ने ऐसे ही निर्णय लिए थे. बालू घाट ग्राम सभा के जिम्मे था. हाट बाजार सब गांव के लोग हो देखते थे. पारा शिक्षकों की नियुक्ति भी ग्राम सभा के माध्यम से हुआ था, लेकिन हेमंत सरकार जब से बनी इसने बालू घाटों को मुंबई, दिल्ली के दलाल, बिचौलियों को सौंप दिया. यह सरकार आज पेंशन देने की बात करती है, लेकिन आज 160दिनो से दिव्यांग राजभवन के पास 2500रुपए पेंशन के लिए धरने पर बैठे हैं, कोई सुध लेने वाला नही. उन्होंने आश्वस्त किया कि भाजपा सरकार आएगी तो सभी समस्याओं का समाधान होगा. ग्राम सभा को संवैधानिक अधिकार दिए जायेंगे.

विस स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह में बोले सुदेश

सरकार योजना के बजट से अधिक पैसे इसके प्रचार पर खर्च कर रही

संवाददाता। रांची

गुमला स्थित गुमला बाईपास रोड, स्वर्ण भूमि बैंक्वेट हॉल में गुमला विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन बुधवार को किया गया.

मौके पर आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने कहा कि अपने कार्यक्रम में भीड़ लाने के लिए सरकार द्वारा विद्यालयों से बसें मांगी गई हैं. जिस वजह से बुधवार को राजधानी के कई स्कूल बंद रहे. सरकार बच्चों की पढ़ाई को बाधित कर रही है, सरकार योजना के बजट से अधिक पैसे इसके प्रचार पर खर्च कर रही है, महिलाओं के विचारों को सम्मान देना हमारी प्राथमिकता है. राज्य के स्वाभिमान की रक्षा और लोगों की भावना के अनुरूप विकास करने वाला लीडर चुनने का समय है, तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले नेताओं से विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती है. देश की आजादी से लेकर अलग राज्य आंदोलन तक हर लड़ाई में गुमला के माटी पुत्रों ने अपना योगदान दिया है. इतिहास के पन्नों में उन्हें जितना हिस्सा मिलना

चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह के दौरान सुदेश महतो.

चाहिए था, वह नहीं मिला लेकिन वह किस्सा अभी भी जिंदा है, गांव और साधारण ग्रामीण परिवेश से निकलकर एक लीडर कैसे हर संघर्ष की लड़ाई को नेतृत्व दे सकता है इसका जीता जागता उदाहरण हमारा गुमला जिला और यहां के वासी हैं. उन्होंने चूल्हा प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी केवल वोटर नहीं हमारे लीडर हैं. हर दस परिवार में एक नेतृत्वकर्ता तैयार करना हमारा उद्देश्य है. आपकी जिम्मेदारी बड़ी है, आप अपनी मेहनत जारी रखिए, आपकी मेहनत ही बदलाव लाने का काम करेगी, वर्तमान राजनीतिक वातावरण को बुनियादी रूप से बदलने की जरूरत है. इसके लिए हमें सिर्फ सुनने की आदत को बदलकर बोलने की आदत को अपनाना होगा. केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि आजसू पार्टी के सभी कार्यकर्ता अपनी एकजुटता के साथ राज्य में आवश्यक राजनीतिक बदलाव की पटकथा लिखेंगे. मौके पर उपस्थित सभी चूल्हा प्रमुखों ने अपने पद की शपथ ग्रहण की. मौके पर संगठन सचिव एस अली, केंद्रीय सचिव गोपीनाथ सिंह, जिला अध्यक्ष दिलीप नाथ साहू, गुमला विधानसभा प्रभारी बोनीफास कुजूर, डॉ पार्थ पारितोष, ज्योत्सना केरकेट्टा आदि उपस्थित थे.

पुण्य स्मृति दिवस के रूप में मनायी गयी हरींद्रानंद की द्वितीय पुण्य तिथि

हरींद्रानंद की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते वक्ता.

संवाददाता। रांची

शिव शिष्य समाज के प्रणेता एवं इस कालखंड के प्रथम शिव शिष्य हरींद्रानंद की दूसरी पुण्य तिथि बुधवार को पुराने विधानसभा परिसर में पुण्य स्मृति दिवस के रूप में मनायी गयी. इस कार्यक्रम में हजारो श्रद्धालुओं ने भाग लिया. हरींद्रानंद ने सामान्य जनमानस को शिव के गुरू स्वरूप से जोड़ने के लिए लगभग आधी सदी से लोगों को प्रेरित किया. समाज को आइना दिखाते हुए उन्होंने बताया कि शिव घर-घर के बाबा है, जैसे चंदा मामा सबके मामा हैं. हृदय संबंधी रोग के कारण 4 सितम्बर 2022 को वे शिवलीन हो गये.

श्रद्धांजलि सभा का शुभारंभ पूर्वाह्न नौ बजे शिव नाम संकीर्तन एवं जागरण भजन से हुआ. इसके बाद शिव गुरुभ्राता हरींद्रानन्द की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ पुष्पांजलि अर्पित की गयी. श्रद्धांजलि सभा में महिलाओं की संख्या अधिक थी. इस अवसर पर मुख्यालाहकार अर्चित आनंद ने बताया कि देश विदेश में शिव-शिष्यों ने अपने स्तर पर पुण्यस्मृति दिवस का आयोजन किया, जिसमें वृद्धाश्रम, अनाथालय में सहयोग सहित वृक्षारोपण भी कर रहे हैं. इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गुरुभ्राता हरींद्रानंद की चाहत थी कि समस्त चराचर जगत शिव की शिष्यता ग्रहण करे और उनकी दया के आश्रय में चले. उन्होंने अपना यह संदेश देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों तक भी पहुंचाया और बड़ी संख्या में लोगों को शिव शिष्यता की दीक्षा दी. श्रद्धाजलि सभा को प्रो. रामेश्वर मंडल, अर्चित आनंद, बरखा आनंद, डॉ. अमित कुमार, अनुनीता आनंद, अभिनव आनंद एवं निहारीका आनंद ने अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त की.

अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई राज्य आवास बोर्ड की समीक्षा बैठक

अपने खाली पड़े भूखंडों के लिए कॉमर्शियल प्लान तैयार करेगा आवास बोर्ड: संजय लाल

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य आवास बोर्ड की बुधवार को समीक्षा बैठक बोर्ड अध्यक्ष संजय लाल पासवान की अध्यक्षता में हुई. मौके पर कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया. बैठक में बोर्ड के सभी प्रमंडल के खाली भूखंडों की विवरणी तैयार करने का निर्णय लिया गया. बोर्ड खाली पड़े भूखंडों का व्यावसायिक उपयोग करेगा. समय समय पर शिविर लगा कर स्थानीय समस्याएं हल करने व उसमें मुख्यालय स्तर से पदाधिकारियों की उपस्थिति भी तय करने पर सहमति बनी. अतिक्रमित फ्लैटों एवं रेंट आधार पर आवंटित फ्लैटों का वर्ष 2017 की अधिसूचना के अनुसार नियमितीकरण की कार्रवाई शुरू की जाएगी.

बोर्ड के आवासों पर से अवैध कब्जा हटाने पर विचार-विमर्श किया गया. अवैध कब्वाजा खाली करने के वाद की सूचनाओं, नोटिस के तामिले पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. लाभुक द्वारा नोटिस प्राप्त करने से इनकार करने पर उनकी संपदा पर नोटिस चिपकाया जाएगा और उसकी तस्वीर

आवास बोर्ड की समीक्षा बैठक के दौरान अध्यक्ष संजय लाल पासवान व अन्य.

भी ली जाएगी. सभी प्रमंडल से आगे की समीक्षा बैठक में अब तक लीज होल्ड से फ्री होल्ड किये गए भू- संपदाओं की विवरणी प्राप्त की जाएगी. 2011 लॉटरी के आवंटियों को वैकल्पिक भूखंड उपलब्ध कराने के लिए पत्र जारी किया जाएगा. ऐसे भूखंड, जिनका रकबा 900 वर्गफीट से अधिक है, स्वतंत्र रूप से आवंटित किया जा सकता है, उसे ई- लॉटरी द्वारा आवंटन के लिए सुनिश्चित किया जाएगा.

आवास बोर्ड के अतिक्रमित छिटपुट भूखंडों पर निष्कासन वाद की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. हजारीबाग बोर्ड के रिक्त भूखंडों पर लगने वाले मेला की अस्थाई बंदोबस्ती कर स्थानीय म्युनिसिपल द्वारा तय दर से रेंट वसूले जाने पर भी बात हुई. हजारीबाग प्रमंडल कार्यालय नए परिसर में स्थानांतरित करने एवं प्रमंडलीय कार्यालय का उद्घघाटन सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई. धनबाद प्रमंडल के हीरापुर, बालीडीह व गोमिया के अनावंटित फ्लैटों, मकानों, भूखंडों को चिह्नित कर ई- लॉटरी द्वारा आवंटन नियमानुसार उपलब्ध कराना सुनिश्चित होगी. मौके पर मुख्य अभियंता प्रवीण भेंगरा, सचिव विनय लकड़ा, कार्यपालक अभियंता रांची सुबोध तिर्की, कार्यपालक अभियंता हजारीबाग, सहायक अभियंता धनबाद, विधि पदाधिकारी मनोज चौबे आदि शामिल थे.

देवनिका अस्पताल में पेट की फटी हुई नस का उपचार, मरीज स्वस्थ

संवाददाता। रांची

रांची के प्रसिद्ध देवनिका अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर में एक अत्यंत जटिल चिकित्सा प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया. इस प्रक्रिया का नेतृत्व वरीय कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रवि प्रेमचंद काछेला ने किया. उन्होंने पेट की फटी हुई नस को बैलून द्वारा बंद करके मरीज की जान बचाई. मरीज रांची के एक अस्पताल में पेट दर्द के कारण भर्ती हुआ था, जहां उसे प्रेनक्राइटाइटिस नामक बीमारी से ग्रसित पाया गया. उपचार के दौरान, मरीज के मलद्वार से खून आने लगा और स्थिति गंभीर हो गयी. एक ही दिन में उसे 6 बोतल खून चढ़ाने के बावजूद उसका हीमोग्लोबिन 5 से ऊपर नहीं आया.

आखिरकार, मरीज को उसी रात देवनिका अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर में लाया गया, जहां डॉ. काछेला और उनकी टीम ने तुरंत उसकी स्थिति का आकलन किया. पेट की खून की नालियों की जांच करने पर उन्होंने देखा कि पेट की एक नली से रक्त का रिसाव हो रहा था. इस स्थिति को गंभीर मानते हुए, डॉ. काछेला ने माइक्रो कैथेटर एवं पतले तार और बैलून की सहायता से बिना किसी

डॉ. काछेला.

सर्जिकल कट के उस नली को सफलतापूर्वक बंद कर दिया. यह प्रक्रिया इतनी जटिल और संवेदनशील थी कि इसमें अत्यंत कौशल की आवश्यकता थी, जिसे देवनिका अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की टीम ने बखूबी निभाया. इस जटिल चिकित्सा प्रक्रिया के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद मरीज की हालत में तेजी से सुधार हुआ. देवनिका अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर में प्राप्त इस उत्कृष्ट उपचार के कारण अब मरीज पूर्ण रूप से स्वस्थ हो चुका है और उसे घर भेज दिया गया है. यह पूरी घटना देवनिका अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं का एक और उदाहरण प्रस्तुत करती है.

शिक्षक दिवस शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, आधुनिक युग के बच्चों में शिक्षकों के प्रति घटते सम्मान पर क्या कहते हैं शिक्षक

शिक्षक ही नहीं, बड़ों के सम्मान में भी दिखने लगी हैं कमियां

रेहान अहमद । रांची

शिक्षक दिवस एक ऐसा अवसर है, जब हम अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, वर्तमान परिवेश में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है. ऑनलाइन शिक्षा, नई तकनीकें और बदलती जीवन शैली ने हमें नई चुनौतियों के साथ-साथ नए अवसर भी दिए हैं. आइये जानते हैं, इस संबंध में शिक्षकों का क्या कहना है. प्रस्तुत हैं कई स्कूलों के शिक्षकों से की गयी बात चीत के अंश.

सामाजिक नैतिकता से जुड़ाव दूर होता दिख रहा है : एंथोनी

संत आलोइस स्कूल के सोशल साइंस, अंग्रेजी व अनुशासन शिक्षक एंथोनी तिग्गा

ने कहा कि पहले जो भावना थी, संस्कार थे, उनमें कमी देखी जा रही है. केवल शिक्षक ही नहीं आप कह सकते हैं, बड़ों के सम्मान के प्रति भी कमी हुई है. घर में माता-पिता के भी सम्मान में कमी हुई है. इसका मुख्य कारण है समाज और सोशल मीडिया. पहले सामाजिक नैतिकता और प्रेम आपस में जुड़े रहते थे. आज यह जुड़ाव गांव में ही नजर आता है, शहरों में नहीं.

बच्चे सम्मान तो करते हैं, पर पहले वाली बात नहीं : नाग

संत जॉन स्कूल की शिक्षिका पट्रिशिया एन नाग ने कहा कि पिछले 30 वर्षों से इस

पेशे में हूं. शिक्षकों के सम्मान के प्रति पहले से काफी बदलाव हुए हैं. मॉडर्न युग में सभ्यता, संस्कृति दूर होती दिख रही है. बच्चे सम्मान तो करते हैं, लेकिन पहले वाली बात अब नहीं है. आज के बच्चों में एक अलग सी तेजी उत्पन्न हुई है. हम लोग अपने दौर में शिक्षकों से बात करने में हिचकते थे, पर आज के बच्चे अपनी बातें भी करते हैं, यह मेरी समझ से अच्छा बदलाव है.

पहले से कुछ बदलाव तो दिख रहे हैं : अंजुम तिड़ू

उर्सलाईन कान्वेंट स्कूल एंड इंटरमीडिएट कॉलेज की शिक्षिका अंजुम

तिड़ू ने कहा कि पहले से कुछ बदलाव तो हुए हैं, लेकिन बच्चे सम्मान करते हैं. बच्चे शिक्षकों की बातें भी मानते हैं. उसी का तो यह परिणाम है कि बच्चे अपना रिजल्ट शत प्रतिशत कर रहे हैं. हम शिक्षकों को और क्या चाहिये, हमारे पढ़ाये बच्चे सफलता की सीढ़ियों पर जैसे जैसे चढ़ते हैं, मानो उन सीढ़ियों पर हम चढ़ रहे हैं, यह सम्मान नहीं तो और क्या है.

बच्चों की सफलता ही है शिक्षकों का सम्मान : अमृता

उर्सलाईन कानवेंट स्कूल एंड इंटर मेडिएट कॉलेज की शिक्षिका अमृता

एक्का ने कहा कि हम शिक्षकों को मिलने वाला सम्मान बच्चों से बखूबी मिलता है. बच्चे अच्छी तरह पढ़ाई पूरी करें, अपनी परीक्षा की अच्छी तैयारी करें और फिर रिजल्ट शत प्रतिशत करें तो इससे बड़ा सम्मान हम शिक्षकों के लिये और क्या होगा. हम चाहते हैं कि हमारे पढ़ाये बच्चे जीवन में सफल हो.

आधुनिक जमाने की वजह से बच्चों में आ रहे बदलाव : वालेट

संतअन्ना बालिका मध्य विद्यालय की शिक्षिका वालेट खलखो ने कहा कि बच्चों से

शिक्षकों को मिलने वाले सम्मान में पहले के बनिसबत कुछ हद तक गिरावट हुई है. आधुनिक जमाने की वजह से ये बदलाव आये हैं. आज के बच्चे खुले विचार के हो गये हैं. बच्चे अपने शिक्षकों से डरते व झिझकते नहीं हैं, वे अपनी बात महफिल में भी पहुंच कर बोल जाते हैं. जबकि जब हम बच्चे थे, हम लोग शिक्षक को देख सहम जाते थे. उन्हें देख सम्मान से सिर झुका कर खड़े हो जाते थे.

आज के मॉडर्न बच्चों में कुछ बदलाव हुए हैं : ललिता

उर्सलाईन कानवेंट स्कूल एंड इंटरमीडिएट कॉलेज की शिक्षिका किरण ललिता किडो ने कहा कि आज के मॉडर्न बच्चों में कुछ बदलाव हुए हैं, लेकिन वे अपने शिक्षकों का सम्मान करते हैं. बच्चों की बढ़ती सफलता ही हमारे लिए सबसे बड़ा सम्मान है.

हरितालिका तीज कल, सजधज कर तैयार हैं राजधानी के बाजार

संवाददाता। रांची

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि छह सितंबर को अखंड सौभाग्य का व्रत हरतालिका तीज नेम-निष्ठा से मनायी जाएगी. गुरुवार को स्नान-ध्यान कर व्रत का संकल्प लेंगी. आधी रात के बाद शुद्ध और सात्विक भोजन-पानी ग्रहण करेंगी. साथ ही निर्जला उपवास प्रारंभ हो जाएगा. विवाहिताएं भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना में दिनभर लीन रहेंगी. माना जाता है कि इस व्रत को धारण करने वाली महिलाओं का सौभाग्य सदा बना रहता है. पति के ऊपर आने वाले सभी संकट दूर हो जाते हैं. कुंवारी कन्याओं को मनचाहा जीवनसाथी मिलता है. महादेव और मां गौरी के आशीर्वाद से दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहती है. इसी भाव से बड़ी संख्या में विवाहिताएं 16 श्रृंगार कर इस व्रत को धारण करती हैं. घरो में खास पाकवान बनाए जाते हैं. ठेकुआं और पेड़किया इसमें मुख्य है. आचार्य अजय मिश्र ने बताया कि पांच सितंबर को तृतीया तिथि 12:21 बजे से शुरू होगी, जो शुक्रवार को दिन के 03:01 बजे तक रहेगी. उदीयमान तिथि में तृतीया मिलने से दिनभर इसका मान रहेगा.शनिवार को पति के हाथो जल पी कर व्रतधारी महिलाएं पारण करेंगी.

अपर बाजार में महिलाओं को मेहंदी लगाते राजस्थान से आये युवक.

तीज और गणेशोत्सव को लेकर राजधानी के बाजार पूरी तरह से सज चुके हैं. रांची के अपर बाजार, मेनरोड, पिस्कामोड़, मोरहाबादी समेत अन्य स्थानों पर बाजार सज धज के कर तैयार है. खास कर पूजा सामग्री की दुकान, चूड़ी की दुकान, साड़ी की दुकान और मेहंदी की दुकानों में महिलाओ की भीड़ उमड़ रही है.बुधवार को तीज पर्व को लेकर रांची के अपर बाजार के रंगरेज गली मे भीड़ ज्यादा दिखी. जगह जगह पर युवतियों की मंडली मेहंदी लगाने के लिए बैठी थी, जहां महिलाएं मेहंदी की डिजाइनें चुन रही थीं. उन डिजाइनों में लोटस, फ्लावर, द्वेवे डिजाइन, जयपुरी, मारवाड़ी और अरबियन डिजाइन शामिल थे. पर्व त्योहार के मौके पर दिल्ली, गुजरात, जयपुर और राजस्थान के सैकड़ो युवा रोजगार के लिए रांची पहुचते हैं. जहां रांची के अपर बाजार के रंगरेज गली में महिलाओं के हाथो में उनकी मनपसंद डिजाइनों में मेहंदी लगाते हैं. कृष्णा और देव मेहंदी आर्ट के लोगो ने बताया कि 2004 से रंगरेज गली मे मेहंदी लगाते आ रहे हैं. इस बार महिलाएं थ्री डी मेहंदी लगवाना काफी पसंद कर रही हैं. सबसे अधिक इंडियन मेहंदी, लोटस और फ्लावर मेहंदी को ज्यादा लगवा रहे हैं, क्योकि ये दिखने में काफी आकर्षक है और सबसे कम 500 रुपये में लगाते है, जो चूड़ी तक रहती है.

खूब बिक रही पूजन सामग्री

पूजन सामग्री की दुकान मे महिलाओ की भीड़ उमड़ रही है. लाल रंग और सफेद प्लास्टिक से चमचमाती छोटा डलिया मे दुकानो को सजाया गया है .जिसका मूल्य 30 रूपये से लेकर 80 रूपये है .जिसमे कंघी, चुड़ी, आईना, आलता, कपड़ा, मेहंदी, टिकली, सिंदूर, तेल, माचिस शामिल है.

560 रुपये में बिक रही लाह चूड़ी

बाबा लाह चूड़ी सेंटर के वसीम मनिहार ने बताया कि 560 रूपये में 24 पीस लाह की चूड़ी बिक रहा है, जो तीज में पहनी जाती है. यह लाल, बादामी और हरे रंग की होती है. चूड़ी की खरीददार महिला सरिता ने बताया कि लाह की चूड़ी को तीज पर्व में सुहाग का प्रतीक माना जाता है, जो मेटल, कांच और नग डिजाइन से बना होता है. चूड़ियां एक महिला की वैवाहिक स्थिति का प्रतीक हैं और भारतीय दुल्हनों द्वारा अपनी शादी के दिन के सोलह श्रृंगार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. विवाहित महिलाएं पारंपरिक रूप से कांच की चूड़ियां पहनती हैं, जिसके बारे में माना जाता है कि यह परिवार में सौभाग्य और समृद्धि लाती है.

ज्योति संगम के पूजा पंडाल में लुभाएगा समुद्री जीवन

संवाददाता। रांची

ज्योति संगम श्रीदुर्गा पूजा समिति अपर बाजार के मारवाड़ी हाई स्कूल में आकर्षक पंडाल की साज-सज्जा करा रही है. यहां दर्शनार्थी मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओं के दर्शन के साथ समुद्री जीवन का भी अवलोकन करेंगे. समिति इस बार अपनी 65वीं वर्षगांठ मनाएगी. इस मौके को खास बनाने के उद्देश्य से वृहत रूप में तैयारी की जा रही है. तय थीम को मूर्त रूप देने में पश्चिम बंगाल के कारीगर एक माह से जुटे हैं. पूजा पंडाल में कई समुद्री जीव-जंतु भी देखने को मिलेंगे.कार्यकारी अध्यक्ष अंकित गुप्ता ने बताया कि 18 फीट उंचा मुख्य तोरण द्वार भी खास होगा. इसे जलपरी का रूप दिया जा रहा है. सौ फीट लंबी, 80 फीट चौड़ी और 40 फीट उंची पंडाल में नेट, हाई डेंसिटी फोम, लोहा, मछली पकड़ने की जाली, बेंत आदि का इस्तेमाल किया जा रहा है. मूर्तिकार रामपाल 17 फीट उंची और 24 फीट चौड़ी ध्यान मुद्रा में मां की प्रतिमा गढ़ने में लगे हैं. उन्होंने बताया कि पूजा स्थल के आस-पास दूर तक आकर्षक विद्युत सज्जा भी की जाएगी. पूजा पंडाल का पट षष्ठी को आम भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा. विजयदशमी के दिन महाभंडारा चलाया जाएगा. पूजा का बजट 18 लाख रुपये रखा गया है. अंकित ने बताया कि 13 अक्तूबर को शोभायात्रा के साथ मां की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा.

गठित की गयी समिति : दुर्गोत्सव के सफल आयोजन को लेकर कमेटी गठित की गयी है, जिसमें विधायक सीपी सिंह मुख्य संरक्षक, प्रमोद लोहिया, श्याम नारायण दयाल, शिव कुमार गुप्ता संरक्षक,चंद्रभान खत्री अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष अंकित गुप्ता, संयोजक दीपक कुमार, पंकज, अजय बथवाल, हेमंत पोद्दार, अशोक गुप्ता, अमित व्यास, रवींद्र सैनी उपाध्यक्ष, राजकुमार गुप्ता महासचिव, प्रखर लोहिया सचिव, अविनाश कुमार कोषाध्यक्ष, राजेश मक्कड़ सहकोषाध्यक्ष, मनोज बक्सरिया मंत्री, गौतम वर्मा सह मंत्री,अमर मोदी, वेद प्रकाश सिंह, रंजीत जायसवाल, प्रमोद जायसवाल, महाबीर शर्मा, आशीष, संदीप, सिखिल, विक्रांत, आदर्श, विशाल, विनय, आशीष, मनीष, सोनू, मुकेश आदि कार्यकारिणी समिति में शामिल हैं.

ब्रीफ खबरें

मारवाड़ी युवा मंच का कैंसर जांच शिविर कल

रांची। मारवाड़ी युवा मंच की रांची शाखा के तत्वावधान में छह एवं सात सितंबर को निःशुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा. मंच के प्रवक्ता राघव जालान ने बताया कि 6 सितंबर को कचहरी रोड स्थित वेंडर मार्केट के पास एवं 7 सितंबर को मेन रोड स्थित चर्च कॉम्प्लेक्स के सामने प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक निःशुल्क कैंसर जांच शिविर लगाया जाएगा. इस कार्यक्रम के संयोजक रांची शाखा के स्वास्थ्य प्रभारी युवा अखिल टीकमानी एवं युवा राहुल मित्तल हैं, सह संयोजक नीरज अग्रवाल, रोहित सरावगी, अमित जांगिड़ व अन्य एवं परियोजना प्रमुख युवा नीरज अग्रवाल हैं.

आरआर स्पोर्टिंग क्लब की कमेटी का गठन

रांची। आरआर आरआर स्पोर्टिंग क्लब में नए पदाधिकारियों का चुनाव हुआ, जिसमें सभी को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं. क्लब के विक्की यादव की देखरेख में क्लब का नेतृत्व किया जाएगा. अध्यक्ष के रूप में राहुल यादव ने पदभार संभाला. कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी रोहित यादव को दी गई है. क्लब के कार्यकारिणी अध्यक्ष के रूप में अभिमन्यु सिंह यादव नियुक्त हुए हैं, और धार्मिक गतिविधियों का प्रभार मुख्य पुजारी संतोष पाठक को सौंपा गया है.

दिव्यांग क्रिकेट टीम का ट्रायल आठ को

रांची। झारखण्ड दिव्यांग क्रिकेट टीम के चयन के लिए ओपन ट्रायल का आयोजन आठ सितंबर को धुर्वा में पुराने विधानसभा के पास स्थित अरुणोदय क्रिकेट अकादमी में होगा. बता दें कि फिजिकल डिसेबिलिटी टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप के क्वालीफायर मैच के लिए ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है. यह ओपन ट्रायल झारखंड रणजी प्लेयर अरुण विद्यार्थी की देखरेख में होगा. ट्रायल सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा. सभी दिव्यांग खिलाड़ियों को यूआईडी कार्ड और अपना किट खुद लेकर आना होगा. इसमें झारखंड प्रदेश के सभी जिलों से दिव्यांग खिलाड़ी भाग ले सकते हैं.

कल निकलेगी मां तारा की भव्य कलश यात्रा

रांची। शिव तारा आश्रम यमुनानगर से छह सितंबर को मां तारा की भव्य कलश शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा. समाज के सुनील विश्वकर्मा ने बताया कि इस अवसर पर 7 सितंबर को महा भंडारा तथा रात्रि में भव्य जागरण तथा 8 सितंबर को विशेष हवन का कार्यक्रम किया जा रहा है.उन्होंने इस धार्मिक कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं को सादर आमंत्रित किया है.

श्रीगुरु नानक सत्संग सभा में निशान साहिब को पहनाया नया चोला

श्रीगुरु ग्रंथ साहिब के पहले प्रकाश पर्व पर सजा दीवान

गुरुद्वारा श्रीगुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी में सजाया गया दीवान और शबद गायन करते श्रद्धालु.

संवाददाता। रांची

गुरुद्वारा श्रीगुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी में बुधवार को श्रीगुरु ग्रंथ साहिब जी के पहले प्रकाश पर्व पर निशान साहब जी को नया चोला पहनाया गया. साथ ही विशेष दीवान सजाया गया. तड़के पौने चार बजे गुलाब फूल की पंखुड़ियों की वर्षा के बीच श्रीगुरुग्रंथ साहिब जी का प्रकाश किया गया. इसके बाद दीवान की शुरुआ श्रीनितनेम साहिब जी के पाठ से हुई.

साध संगत ने सुखमनी साहिब जी का सामूहिक पाठ किया. फिर पहले हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी ने रंग रता मेरा साहिब रब रहया भरपूर... जैसे शबद गायन कर संगत को गुरवाणी से जोड़ा.इनके बाद प्रकाश पर्व में शिरकत करने पहुंची बीबी जागीर कौर जी खालसा ने वाहो वाहो बाणी निरंकार है तिस जेवड अवर ना कोए... शबद गायन कर भक्ति की अविरल धारा बहायी. भाई गुरविंदर सिंह जी,जम्मू वाले ने श्रीगुरुग्रंथ साहिब जी की महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला. कहा कि हम सबको श्रीगुरुग्रंथ साहिब जी की वाणी से प्रेरणा लेनी चाहिए. सत्संग सभा के अध्यक्ष द्वारका दास मुंजाल ने बीबी जागीर कौर जी खालसा और भाई गुरविंदर सिंह जी को सचिव अर्जुन देव मिढ़ा ने गुरु घर का सरोपा भेंट कर सम्मानित किया. संगत को प्रकाश पर्व की बधाई दी. संचालन मनीष मिढ़ा कर रहे थे. हेड ग्रंथी ज्ञानी जीवेंदर सिंह के श्रीआनंद साहिब जी के पाठ, अरदास और हुकुमनामा से दीवान की समाप्ति हुई. कढ़ाह प्रसाद बांटा गया. मौके पर श्रद्धालुओं के लिए चाय-नाश्ते का लंगर भी चलाया गया.

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में शतरंज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

विजेता प्रतिभागी को सम्मानित करते रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा.

संवाददाता। रांची

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल काठीटांड में 23वीं झारखंड स्टेट जूनियर फीडे रेटिंग चेस चैंपियनशिप 2024 का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में झारखंड के अलावा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, बंगाल, गुजरात सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष परमा सिंह, प्रधानाध्यापक वीरेंद्र कुमार ने मेडल, ट्रॉफी एवं प्रशस्तिपत्र देकर विजेता छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाया. इससे पूर्व विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष परमा सिंह व प्रधानाध्यापक वीरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया. धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के प्रधानाध्यापक वीरेंद्र कुमार ने किया. प्रतियोगिता में सफल छात्र- छात्राओं में नविका जयसवाल,अवनी कुमारी,कीर्ति कुमारी,निहारीका चक्रवर्ती तथा छात्रों में क्रमशः अंश कुमार,अर्जित घोष,अभिराज डे और राजदीप परमाणिक प्रमुख है

गणपति बप्पा की प्रतिमा को अंतिम रूप दे रहे शिल्पकार

रांची में श्री गणेश की प्रतिमाओं को अंतिम रूप दे रहा मूर्तिकार.

संवाददाता। रांची

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि सात सितंबर से गणेश उत्सव प्रारंभ हो जाएगा. जगह-जगह बड़े-छोटे पंडालो की साज-सज्जा की जा रही है. शिल्पकार भी प्रथम पूज्य गणपति बप्पा की प्रतिमा को अंतिम रूप देने में लगे हैं. शनिवार से चंहुओर गणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ती मोरया के उद्घोष से वातावरण गुंजायमान रहेगा. पूजा पंडालों में विघ्नहर्ता गणेश के दर्शन-पूजन को दर्शनार्थियों का सुबह से देर शाम तक तांता लगा रहेगा. पिस्का मोड़ के विश्वनाथ शिव मंदिर प्रांगण में इस बार भी धूमधाम से गणेश उत्सव मनाया जाएगा. गणेश भक्त मंडल इसकी तैयारी जोर-शोर से कर रहा है. मंडल अध्यक्ष शैलेश्वर दयाल सिंह ने बताया कि भव्य दरबार में मन्नत पूरी करने वाले भगवान गणपति विराजेंगे. पूजा स्थल पर आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी. नित्य पूजन-आरती के साथ लड्डू और विशेष भोग बांटा जाएगा. उन्होंने बताया कि तीन दिनी उत्सव की शुरुआत सात सितंबर से होगी. विजय साहू, राकेश साहू, खूबलाल कुमार, रवि भगत, विजय सिंह, राकेश कुमार, अजय गुप्ता, पंकज वर्मा, संतोष सहाय गुड्डू, नवनीत नंदन, नमित लाल, विक्की तिवारी, विमलेश्वर दयाल सिंह, शंभू षड़ंगी आदि इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं.

शृंगार-पूजन के साथ आज शुरू होगा श्रीश्याम महोत्सव

संवाददाता। रांची

श्रीश्याम मंडल का चार दिनी 57वां श्रीश्याम महोत्सव पांच सितंबर से प्रारंभ होगा. पहले दिन सेवा प्रकल्प के कार्य किए जाएंगे.

श्रीश्याम मंदिर, अग्रसेन पथ में श्रृंगार-पूजन कर श्रद्धालु सुबह आठ बजे सुकुरहुटू गोशाला प्रस्थान करेंगे. वहां पूजन कर भक्तगण गो माता को समुचित आहार ग्रहण कराएंगे. इसके बाद दिन के तीन बजे मारवाड़ी कन्या पाठशाला, गांधी चौक के शिक्षकों को मंडल की ओर से सम्मानित किया जाएगा. मौके पर स्कूली बच्चियों को पाठ-पठान सामग्री दी जाएगी. मीडिया प्रभारी सुमित पोद्दार ने बताया कि दूसरे दिन शुक्रवार को मंदिर परिसर से शाम चार बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी. गाजे-बाजे और मनोहारी झांकी के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न मार्गों का भ्रमण कर भक्ति रंग बिखेरते हुए वापस लौटेंगे. चंद्रप्रकाश बागला ने बताया कि तीसरे दिन शनिवार को खाटू नरेश की नयनाभिराम झांकी सजायी जाएगी. रात नौ बजे अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी. इसके बाद भजन-संकीर्तन का कार्यक्रम शुरू होगा, जो देर रात तक चलेगा. साथ ही जयपुर के चैतन्य दाधीच और मनासा की कनिका ग्रोवर भी दरबार में हाजिरी लगा कर भजन रस धारा प्रवाहित करेंगी. उन्होंने बताया कि अंतिम दिन रविवार को रात दस बजे महाआरती के साथ महोत्सव संपन्न होगा. धीरज बंका, बालकिशन परसरामपुरिया, मनोज ढांढनिया, राजेश सारस्वत, नितेश लाखोटिया, अजय शंकर साबू आदि इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं.

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में मनाया गया शिक्षक दिवस

शिक्षक दिवस समारोह में नृत्य प्रस्तुत करते सरला बिरला स्कूल के बच्चे.

संवाददाता। रांची

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में बुधवार को शिक्षक दिवस मनाया गया. इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त करने के लिए स्कूल परिसर में भव्य समारोह का आयोजन किया. समारोह हर्ष, सराहना और कृतज्ञता से भरा हुआ था. इस वर्ष का विषय था रेट्रो मेट्रो. लाइव बैंड ने 90 के दशक की बॉलीवुड धुनों को प्रस्तुत किया, जिससे पुरानी यादें ताजा हो गयी. इसके बाद शिक्षकों को समर्पित एक रैंप की प्रस्तुति भी दी गयी.

इस अवसर पर एक नाटक का मंचन किया गया, जिसमें आधुनिक कक्षा का दृश्य जीवंत किया गया. दिन का समापन कुछ मजेदार खेलों, जैसे रिवर्स चेराड्स, के साथ हुआ. प्राचार्या परमजीत कौर ने शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे अपने सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों से लगातार सीखते रहें. उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपनी पुरानी गलतियों से सीखते हुए, अपने व्यक्तिगत और व्यावहारिक जीवन में बेहतर इंसान बनने का प्रयास करना चाहिए.

चेहल्लुम पर याद किये गये कर्बला के शहीद

रांची। बुढ़मू चांदसी मुहर्रम कमेटी गेशवे के तत्वावधान में बुधवार को चेहल्लुम का अयोजन हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अंजुमन के सदर शमीम बड़ेहार ने किया. कहा कि चेहल्लुम हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने कुर्बानियां देकर लोगों को बचाया और जुल्म का जवाब सब्र से दिया. कार्यक्रम में दस गांवों के लोगों ने अखाड़ों के रूप मे हिस्सा लिया, जबकि संचालन अमन राज ने किया.

अक्टूबर में रिलीज होगी नागपुरी फिल्म आई लव यू

रांची । गिरिराज फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले नागपुरी फिल्म 'आई लव यू' का ट्रेलर मेन रोड स्थित हाई स्ट्रीट मॉल के जेडी सिनेमा में बुधवार को लॉन्च किया गया. फिल्म निर्देशक विशाल वर्मा ,प्रोड्यूसर मुकेश गिरी ने झारखंड में फिल्म बनाने वाले सैंकड़ो लोगों के बीच ट्रेलर रीलिज किया. फिल्म में विवेक नायक और अमृता पाल मुख्य भूमिका में दिखेंगे. सहायक कलाकारों में नितेश कच्छप, राजू मिंज, बेलाल, भास्कर भी रहेंगे.

हॉकी इंडिया जूनियर महिला व सब-जूनियर पुरुष इंटर जोन चैंपियनशिप

ईस्ट जोन, अकादमी व वेस्ट जोन ने मुकाबले जीते

संवाददाता। रांची

हॉकी इंडिया व हॉकी झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में मोरहाबादी के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित हॉकी इंडिया जूनियर महिला व सब जूनियर पुरुष इंटर जोन चैंपियनशिप में बुधवार को पांच मुकाबले हुए. प्रतियोगिता के चौथे दिन महिला वर्ग के तीन व पुरुष वर्ग के दो मुकाबले हुए. जूनियर महिला वर्ग में ईस्ट जोन, अकादमी, वेस्ट जोन ने अपने-अपने मुकाबले जीते. पहला मुकाबला ईस्ट जोन और साईं शक्ति के बीच खेला गया, जिसमें ईस्ट जोन ने 3-2 से जीत दर्ज की. इस मुकाबले में रोपनी आईंद प्लेयर ऑफ द मैच रहीं. दूसरे मैच में अकादमी ने साउथ जोन को 3-2 से हराया. इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए शीतल यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. वहीं तीसरे मैच में वेस्ट जोन ने साई बल को 3-1 से हराया. इस मैच में स्नेहा पटेल प्लेयर ऑफ द मैच रहीं.

हॉकी इंडिया चैंपियनशिप में चौथे दिन भाग ले रहे खिलाड़ी.

सब-जूनियर पुरुष वर्ग में साई अकादमी व वेस्ट जोन की टीम जीती : सब जूनियर पुरुष वर्ग में साई अकादमी व वेस्ट जोन की टीम ने अपने-अपने मुकाबले जीते. पहले मुकाबले में साई अकादमी ने साउथ जोन को 2-1 से. इस मैच में जीवन एक्का को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. दूसरे मुकाबले में वेस्ट जोन ने अकादमी की टीम को 2-0 से हराया. इस मैच में आतिफ खान प्लेयर ऑफ द मैच रहे.

ब्रीफ खबरें

प्रखंडस्तरीय खेलो प्रतियोगिता प्रारंभ

सोनाहातू। प्रखंड के थाना मैदान में बुधवार को प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता प्रारंभ हुआ. पहले दिन अंडर 17 वर्ष के स्कूली छात्रों के बीच फुटबॉल और बॉलीबॉल मैच संपन्न हुआ. फुटबॉल मुकाबला में प्लस टू विद्यालय लांदूपडीह ने एस एस उच्च विद्यालय सोनाहातू को एक गोल से हराया. वॉलीबॉल मैच में प्लस टू विद्यालय लांदूपडीह ने हाई स्कूल जामुदाग को हराया. खेल प्रतियोगिता को संपन्न कराने में खेल शिक्षक बिंदेश्वर महतो, झरिया महतो, उमाकांत स्वांसी , इंद्रजीत बैठा, सुधीर प्रमाणिक, शंभू सिंह मुंडा ,रंजीत मिंज, अनिल कुमार ,प्रतिभा कुमारी, हिकिम कुमार का योगदान रहा.

गूंज परिवार का शिक्षक सम्मान समारोह आज

सिल्ली/मुरी। आगामी 6 सितंबर को अंबेडकर पार्क के समीप दोपहर एक बजे से गूंज परिवार की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा.आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो उपस्थित रहेंगे. सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सभी शिक्षक एवं पूर्व शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। उक्त जानकारी गूंज परिवार की ओर से दी गई.

शिव टहल नायक ने चलाया जनसंपर्क अभियान

ओरमांझी। कांग्रेस एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिव टहल नायक ने कांके विधान सभा क्षेत्र के चिरौंदी, टाइगर हिल, मोराबादी, एदलहातु, खेल गांव में जन संवाद व जनसंपर्क अभियान चलाया. शिव टहल नायक ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में महागठबंधन की सरकार में कई दुरगामी फैसले लिए गए जो मील का पत्थर साबित हो रहा है और कई राज्यों में उदाहरण के तौर पर इसे पेश किया जा रहा है.जैसे कि मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना जिसका पैसा खटा खट आपके बैंक खाता मे आ चुका है.200 यूनिट फ्री बिजली जिसका लाभ आपको मिलने लगा है.

तारासपुर से 90 हजार सीएफटी बालू गायब

डुमरिया। गुड़ाबांदा थाना क्षेत्र के तारासपुर में स्वर्णरेखा नदी से अवैध रूप से उठाव कर स्टॉक किये गये बालू को विगत दिनों एसडीओ सच्चिदानंद महतो ने जब्त कर एक ग्रामीण को देखरेख के जिम्मेवारी में सौंपा था. एक लाख सीएफटी बालू जब्त किया गया था. बुधवार को एसडीओ सच्चिदानंद महतो व डीएसपी संदीप भगत ने तारासपुर में जब्त बालू के स्टॉक की जांच की. लगभग 90 हजार सीएफटी बालू गायब हो गया है.

सुंदरनगर व बिरसानगर से शव बरामद, शिनाख्त में नहीं

जमशेदपुर। जमशेदपुर पुलिस ने बिरसानगर व सुंदरनगर थाना क्षेत्र से बुधवार को दो शव बरामद किया. जिसमें बिरसानगर से बरामद शव की पहचान कर ली गई. जबकि सुंदरनगर से बरामद शव सड़ गल जाने के कारण उसकी शिनाख्त नहीं हो पायी. बिरसानगर थाना अंतर्गत जोन नंबर पांच के एक नाले से पुलिस ने शव बरामद किया गया. मृतक की पहचान बिरसानगर के ही रहने वाले राहुल खालको के रूप में की गयी है. लोगों ने बताया कि राहुल खालको मानसिक रूप से विक्षिप्त था. वह धूम-धूमकर कचरा चुनने का काम करता था. इसकी जानकारी उसके परिजनों को दे दी गई. वहीं दूसरा शव सुंदरनगर के खुखड़ाडीह में झाड़ी से बरामद किया गया.

लापरवाही : सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कट पर उठे थे सवाल, डीसी दे चुकी हैं बंद करने का निर्देश

11 किलोमीटर की सड़क, डिवाइडर में जानलेवा 45 कट

खास बातें

- बाइक चालकों को अवैध कट से सबसे अधिक खतरा
- जानवरों के अचानक आने से गिरते हैं बाइक सवार

रनजीत कुमार सिंह । धनबाद

धनबाद शहर की सड़कों में बने कट के कारण अक्सर लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं. जल्दबाजी के कारण हो रही दुर्घटनाओं में लोग जख्मी हो रहे हें और मौतें भी हो रही हैं. सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में भी दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने पर चर्चा हुई. इसमें सड़क के बीच बने कट को खतरनाक माना गया. शुभम संदेश ने झरिया कतरास मोड़ से लेकर मेमको मोड़ तक कुल 10.7 किलोमीटर की दूरी पर 45 कट बने हुए हैं. धनबाद के बैंक मोड़ से झरिया दुःख हरनी धाम तक मुख्य मार्ग पर बने डिवाइडर में 23 अवैध कट है. वहीं सिटी सेंटर से मेमको मोड़ तक बने डिवाइडर में कुल 22 कट हैं. जिससे वाहन चालकों में हादसे का भय बना रहता है. जिले में बने डिवाइडर में दर्जनों अवैध कट को लेकर धनबाद उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सम्बंधित अधिकारियों को एक महीना पूर्व अवैध कट को बंद करने का सख्त निर्देश दिया था. उपायुक्त ने बैठक में अधिकारियों से कहा था कि डिवाइडर में अवैध कट होने के कारण गंभीर सड़क दुर्घटनाएं होती हैं. इसे देखते हुए सम्बंधित विभाग इसके प्रति गंभीरता बरतते हुए इस पर सख्त कार्रवाई करें .उपायुक्त के इस आदेश के बाद भी आज तक सम्बंधित अधिकारियों ने अवैध कट को बंद करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है. अधिकारियों की इस लापरवाही के कारण वाहन चालक जानलेवा खतरे से प्रतिदिन गुजरते हैं. सामाजिक कार्यकर्ता अखलाक अहमद ने कहा कि मुख्य सड़क पर बने डिवाडर में अवैध कट पथ निर्माण विभाग की लापरवाही है. अवैध कट से हमेशा हादसे का डर बना रहता है. क्योंकि अवैध कट से राहगीर के साथ-साथ जानवर भी अचानक सड़क पार करने की कोशिश करते है. वाहन चालक का विशेष ध्यान सिर्फ मुख्य कट पर होता है. ऐसे हालात में सड़क हादसा हो जाते हैं. संबंधित विभाग को इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध कट बंद करने चाहिए. धनबाद से झरिया तक बने डिवाइडर के बीच मे पौधारोपण की जगह भी होनी चाहिए. जैसे शहर के बाकी स्थानों पर बने डिवाइडर में है.

मृतक के परिजनों ने मिले भाजपा नेता

नामकुम। भाजपा राज्यसभा सांसद आदित्य साहू खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पहान व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर बुधवार को मृतक विकास लिंडा के परिजनों से मिले . सहयोग राशि भी प्रदान किया. साथ ही साथ परिजनों को ढांढस बंधाया व परिवार को आश्वासन दिया कि राज्य में अगर बीजेपी की सरकार बनी तो उचित सहायता एवं आवास दिलाने का प्रयास करेंगे. बता दें कि झारखंड सरकार द्वारा किए जा रहे उत्पाद विभाग के सिपाही पद बहाली के लिए दोड़ में शामिल हुए विकास लिंडा रामपुर निवासी की मौत हो गया था. मौके पर खिजरी मण्डल अध्यक्ष अशोक मुंडा राकेश भास्कर , अंजलि लकड़ा, मंकी राजेंद्र साइन मुंडा सुजीत कुमार सिन्हा , रवि सागर, संदीप मंडल, मनीष धान, गुलशन टोप्पो ,रमेश लकड़ा, प्रफुल्ल, अंजलि लकड़ा, बिहारी, अनमोल लकड़ा सुनील केरकेट्टा, परिवार के परिजन एवं गांव के लोग उपस्थित थे .

सहारा इंडिया समेत अन्य ननबैंकिंग कंपनियों में जमा पैसों का भुगतान कराने के लिए सीएम को भेजा पत्र

जमा पैसे नहीं मिले, तो गांव से लेकर दिल्ली तक करेंगे आंदोलन : पीड़ित मंच

संवाददाता। रांची

नगड़ी में ननबैंकिंग कंपनियों में जमा पैसे की मांग करते पीड़ित लोग.

झारखंड नवनिर्माण दल और ननबैंकिंग कंपनी पीड़ित मंच, नगड़ी की ओर से बुधवार को बाजारटांड़ से सैंकड़ो जमाकर्ताओं ने बांदे उरांव व आनंद साहू के संयुक्त नेतृत्व में जुलूस निकाला और नारेबाजी करते हुए प्रखंड मुख्यालय पहुंचे. पैसे जमा करनेवालों का कहना था कि केंद्र व राज्य सरकार को खून पसीने की कमाई से जमा पैसे सूद समेत जल्द भुगतान कराना होगा. मेहनत की कमाई के पैसा भुगतान नहीं करने वाली सरकार की खैर नहीं. पैसे जल्द भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने की बातच भी कही गयी. सहारा इंडिया समेत दर्जनों ननबैंकिंग कंपनियों में लोगों के जमा पैसों का जल्द भुगतान कराने की मांग को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक सूत्री मांग-पत्र भेजा गया.

झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने कहा कि सरकार को गरीबों की चिंता नहीं है, यही कारण है कि लोगों के खून पसीने की कमाई के जो पैसे सहारा इंडिया समेत दर्जनों ननबैंकिंग कंपनियों में जमा हैं, उसका भुगतान कराने में सरकार की ओर से किसी तरह की कोई पहल नहीं की जा रही है. उन्होंने कहा कि गरीब, मजदूर, किसान, महिलाओं और दुकानदारों के पैसों के भुगतान के लिए जोरदार आंदोलन गांव से लेकर रांची होते हुए दिल्ली तक किया जाएगा. उन्होंने लंबित मांगों को लेकर 11 सितंबर को मुख्यमंत्री का घेराव करने की बात कही. नगड़ी प्रखंड क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोगों को रांची ले जाने की तैयारी करने की अपील की.

झारखंड आंदोलनकारी सह थर्ड फ्रंट के कोषाध्यक्ष अब्दुल खालिक ने कहा कि मेहनत के जमा पैसा दिलाने के लिए झारखंड नवनिर्माण दल द्वारा जो आंदोलन चलाया जा रहा है, उसे और मजबूत किया जाएगा. मौके पर दल के वरिष्ठ नेता प्रकाश उरांव, मांगा उरांव, बसंत बडाईक, रामलखन साहू, बिगु खालखो, नीरज सिंह, मनोज तिर्की, सुरेंद्र नायक, कयूम अंसारी, पुष्पा उरांव, गीता पांडे, किरण उरांव, मंजू देवी, गीता कुजूर सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल थे.

सांसद से तड़ित चालक लगवाने की मांग

अनगड़ा। राजयसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार, अमरनाथ चौधरी बुधवार को सिकिदिरी के नगड़ गांव निवासी मृतक सत्येंद्र महतो के परिजनों से मिले. सत्येंद्र की मौत पिछले दिनों ठनका की चपेट में आने से हो गई थी. ग्रामीणों ने राज्यसभा सांसद से गांव में तड़ित चालक लगाने की मांग की. राज्यसभा सदस्य ने एक उच्च कोटि का तड़ित चालक लगाने का आश्वासन दिया. वहीं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार ने ग्रामीणों को तत्काल दो तड़ित चालक देने की घोषणा की. मौके पर जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा, सुनील महतो, शिबू महतो, मनीष महतो, शंकर महतो, रामसाय मुंडा, अमृत महतो और संजय नायक आदि आदि मौजूद थे.

दुष्कर्म के फरार आरोपी के घर इश्तेहार चस्पा

लोहरदगा। व्यवहार न्यायलय के आदेश पर सेन्हा थाना की पुलिस ने दुष्कर्म मामले में फरार चल रहे आरोपी के घर पी इश्तेहार चस्पा किया है. जानकारी के मुताबिक, सेन्हा थाना क्षेत्र के बदला गांव निवासी इतेश उरांव के विरुद्ध युवती के साथ दुष्कर्म और गर्भपात कराने के आरोप में 2014 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. इसके बाद से ही आरोपी फरार चल रहा है. न्यायालय द्वारा बार बार नोटिस भेजने के बाद भी आरोपी ने आत्मसमर्पण नहीं किया. इसके बाद न्यायालय ने आदेश पर बुधवार को सेन्हा थाना के दारोगा मनोज कुमार ने ग्रामीण व चौकीदार के मौजूदगी में आरोपी के घर पर इश्तेहार चस्पा किया.

हेसालोंग दुर्गा पूजा समिति का गठन

खलारी। खलारी कोयलांचल क्षेत्र के हेसालोंग बाजारटाड़ में दुर्गा पूजा मनाने को लेकर बैठक किया गया. जिसका अध्यक्षता राजन प्रसाद और संचालन आरपी साहू ने किया. इस बैठक में सर्वसम्मति से प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया. बैठक में पुरानी दुर्गा पूजा समिति को भंग करके नई दुर्गा पूजा समिति का गठन किया गया. जिसमें कुलदीप प्रसाद साहू को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष विकास कुमार,मनीष भगत,सचिव अजय प्रसाद साहू, सह सचिव राजेश प्रसाद,संदीप कुमार,भोला प्रसाद, कोषाध्यक्ष जगत कुमार,उप कोषाध्यक्ष शिवपूजन प्रसाद,रविंद्र कुमार,चंदन कुमार, संरक्षक पंकज प्रसाद, जयप्रकाश प्रसाद,रविंद्र प्रसाद, पवन प्रसाद, कृष्णा प्रसाद, फणीश्वर प्रसाद, कालीचरण प्रसाद, राजन प्रसाद, डब्लू प्रसाद, विकास प्रसाद, सूरज कुमार को बनाया गया.

न्यूज अपडेट

मंईयां सम्मान योजना के लाभुक को मिला लाभ

खलारी। मंईयां सम्मान योजना के तहत खलारी प्रखंड से करीब 1500 लाभुक महिलाओं को मुख्यमंत्री के महत्वकांक्षी कार्यक्रम में नामकुम मिलिट्री हॉस्पिटल ग्राउंड के लिए रवाना किया गया. ख़लारी प्रखंड से 30 बसों को खलारी सीओ प्रणव अम्बष्ठ, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान आदि शामिल थे.

दो सत्र में रिनपास का स्थापना दिवस मनाया गया

रांची। रिनपास ने बुधवार को स्थापना दिवस मनाया. कार्यक्रम दो सत्र में आयोजित किया गया. पहले सत्र के मुख्य अतिथि प्रधान स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि पूर्व विकास आयुक्त अरुण कुमार सिंह थे. रिनपास की निदेशक डॉ जयंती सिमलाई ने स्वागत किया.प्रधान स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि रिनपास अगले वर्ष शतकीय स्थापना दिवस मनाएगा. उन्होंने कहा कि विशिष्ट विजन के साथ मनोरोगियों का इलाज किया जाए. आरंभिक अवस्था में ही बीमारी की पहचान की जाए तो इसका उपचार संभव हो सकेगा.विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार सिंह ने ने ऑनलाइन परचेजिंग, विंडो शॉपिंग, मोबाइल एडिक्शन, डिजॉडर्ड ईटिंग आदि से संबंधित समस्याओं पर गंभीरता से विचार करने पर बल दिया.

भाजपाइयों ने तीसरी बार मंडल अध्यक्ष बनाए जाने से नाराज

ओरमांझी। भाजपा मंडल संयोजक बालक पाहन के साथ ओरमांझी मंडल के कई कार्यकर्ता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से मिले. कार्यकर्ता ने प्रदेश अध्यक्ष से मिलकर लगातार लगभग 10 वर्ष से मंडल अध्यक्ष रहे दिलीप मेहता को तीसरी बार मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर नाराजगी से अवगत कराया.मंडल संयोजक बालक पाहन ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के लगभग एक सौ नाराज कार्यकर्ताओं की बैठक 21 अगस्त को हुई थी वहीं 22 अगस्त को प्रदेष महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू से 10 दिनों के अंदर मंडल अध्यक्ष बदलने की मांग किया गया था जिसपर पहल नही होने पर प्रदेश अध्यक्ष व संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह को लिखित आवेदन देकर मंडल अध्यक्ष बदलने की मांग किया गया है .

सांसद ने सड़क निर्माण कार्य शिलान्याय किया

अनगड़ा। राज्यसभा सदस्य आदित्य प्रसाद साहू ने बुधवार को हरातू पंचायत के थड़पखना महतो टोली में पीसीसी सड़क का शिलान्यास किया. 1350 फीट लंबी सड़क जिला योजना अनाबद्ध निधि से 24 लाख रुपये की लागत से बनाया जाएगा. कार्यक्रम की अध्यक्षता सिकिदिरी भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील महतो ने की. उन्होंने ठेकेदार सुमित कुमार को सड़क की गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की बात कही. मौके पर अमरनाथ चौधरी, जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा, मुखिया राजेंद्र बेदिया, मानकी राजेंद्र शाही, सोहराई बेदिया, नंदलाल राम, बुधराम बेदिया, शिवधर रजवार, श्रवण मुंडा, मनमोहन भोगता और बिहारी साहू आदि मौजूद थे.

दूध का उचित मूल्य न मिलने से गौ पालक परेशान

बुंडू। बुंडू में गौ पालकों को दूध का उचित मूल्य बीएमसी से न मिलने से वे परेशान हैं. आज के परिवेश में गौ पालना आसान काम नहीं है. किसी ने कहा है पशु के साथ पशु बनना पड़ता है. पशुओं को छोड़कर आप एक दिन के लिए भी कहीं बाहर जा नहीं सकते हैं .यदि आप कहीं चले गये तो पशुओं को चारा कौन देगा? कौन खिलायेगा? पशु तो बोल सकते नहीं जो मांग कर खा लेते. खैर पशु पालकों का दर्द वही जानते हैं. पशु चारा मंहगा हो गया है. ऐसे में यदि किसानों को दूध का उचित मूल्य न मिले तो यह एक गंभीर विषय है. बाजार में दूध 50 रुपये किलो बिक रहा है.

ऑटो चालक की पत्नी ने फांसी लगाकर दी जान

चान्हो। थाना क्षेत्र के चोड़ा गांव निवासी 27 वर्षीय काजल देवी ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. बताया जाता हैकि ऑटो चालक संतोष सिंह की पत्नी काजल बुधवार को घर में अकेली थी. संतोष ऑटो लेकर कहीं गया था, शाम में सात बजे जब वह लौटा तो देखा कि दरवाजा अंदर से बंद था. काफी देर तक आवाज देने पर भी अंदर से कोई आहट नहीं मिलने पर जब उसने दरवाजा खोला तो देखा कि कमरे में काजल साड़ी के फंदे सेझूल रही है. परिजनों के अनुसार काजल की दो वर्ष पहले संतोष से शादी हुई थी. देर शाम तक आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया था.

ग्रामीणों ने खस्सी चोरों को पकड़ कर पुलिस को सौंपा

बुढ़मू। ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के पतरातू गांव निवासी पनेलाल महतो के घर स्कूटी से खस्सी चोरी करने आये चोरों के प्रयास को विफल करते हुए ग्रामीणों ने खस्सी चोर के स्कूटी को पकड़ कर ठाकुरगांव पुलिस को सौंप दिया. जानकारी के अनुसार रात में एक बजे होंडा कंपनी की स्कूटी पर दो खस्सी चोर पनेलाल महतो के घर पर आये और घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया. दरवाजा बंद करने की आवाज पर पनेलाल महतो जग गया और आस पास के ग्रामीणों को मोबाइल से फोन कर सूचना दी. सूचना पाकर आस पास के ग्रामीण पनेलाल महतो के घर की ओर आने लगे. चोरों ने देखा कि कुछ लोग पनेलाल की घर की ओर आ रहे है .

मयूरहंड :अंतिम संस्कार में गया युवक तालाब में डूबा

संवाददाता। मयूरहंड (चतरा)

थाना क्षेत्र के अम्बातरी गांव में दिल दहला देने वाली एक घटना घटी. यहां गांव के अर्जुन सिंह की बीते मंगलवार को मौत हो गई थी. उनका अंतिम संस्कार करने के लिए बुधवार को परिजन व ग्रामीण अंबातरी श्मशान घाट पहुंचे थे. शव यात्रा के साथ गांव का ही युवक आदर्श कुमार (24) भी घाट पर पहुंचा था. अंतिम संस्कार संपन्न होने के बाद वह तालाब में नहाने लगा और गहरे पानी में डूब गया. उसके साथ तालाब में नहा रहे अन्य युवकों ने जब आदर्श को डूबते देखा, तो शोर मचाया. इसके बाद गांव के अन्य लोग जुटे और डूबे हुए युवक को कड़ी मशक्कम के बाद तालाब से बाहर निकाल कर स्वास्थ्य केंद्र इटखोरी ले गए. लेकिन, चिकित्सक ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया. ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना मिलने के बाद मयूरहंड थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, चतरा भेज दिया. ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक, आदर्श डाक विभाग में नौकरी करता था. वह अपने पिता रंजित सिंह के साथ रांची से अंतिम संस्कार में शामिल होने गांव पहुंचा था. इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है.

40 लाख से बने शौचालय में लटका है ताला

- निरसा प्रखंड कार्यालय परिसर में बना है शौचालय- ग्रामीण से लेकर प्रखंड और अंचल के कर्मी परेशान

संवाददाता। निरसा (धनबाद)

निरसा प्रखंड कार्यालय परिसर में बंद पड़ा शौचालय.

प्रखंड परिसर में वर्ष 2021 में 40 लाख की लागत से तैयार शौचालय दम तोड़ रहा है. शौचालय में तीन वर्षों से ताला लटका हुआ है. इसके बंद रहने से आम लोगों के साथ-साथ प्रखंड व अंचल कार्यालय के कर्मचारी भी खुले में शौच के लिए जाने को मजबूर हैं. प्रखंड कार्यालय में विभिन्न कार्यों को लेकर 27 पंचायतों के ग्रामीण आते हैं. शौचालय बंद रहने से ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है.

ग्रामीणों का कहना है कि प्रखंड में बीडीओ, सीओ समेत अन्य अधिकारी तैनात हैं. शौचालय बंद है, इसकी जानकारी सभी अधिकारियों को है. जब अधिकारी ही प्रखंड की व्यवस्था नहीं सुधारेंगे, तो ग्रामीण आखिर व्यवस्था कैसे सुधारें? बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के जिला अध्यक्ष उमेश गोस्वामी ने जुलाई महीने में धनबाद के उपायुक्त को आवेदन देकर शौचालय को खुलवाने की मांग की थी. आवेदन दिए एक महीने से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन अब तक शौचालय चालू नहीं हो पाया है.

ग्रामीणों की सुनने वाला कोई नहीं है : प्रखंड प्रमुख आशा कुमारी दास ने बताया कि प्रखंड में कैंटीन संचालक को ही शौचालय निर्गत करने का प्रस्ताव पास हुआ था. कैंटीन बंद होने के कारण शौचालय चलाने के लिए अभी तक कोई व्यक्ति नहीं मिला है. वहीं, बीडीओ इंद्रलाल ओहदार ने बताया कि बहुत जल्द शौचालय को आम आदमी के लिए खोल दिया जाएगा.

प्रतियोगिता सेफा में पहुंचीं ओल्ड इज गोल्ड, सुमित ब्रदर्श और तिग्गा परिवार एफसी की टीम

शदीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल आज

संवाददाता। मांडर

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते अतिथि.

शहीद एतवा उरांव स्मारक न्यास और युवा विकास क्लब, बुढ़ाखुखरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रांची जिला अंतर्गत मांडर प्रखंड के बुढ़ाखुखरा स्थित खेल मैदान में चार सितंबर को खेले जा रहे शहीद एतवा उरांव फुटबॉल टूर्नामेंट-2024 के चौथे दिन का उद्घाटन मुख्य अतिथि बंझिला पंचायत की मुखिया सोहंती एक्का, खेल प्रभारी फ्रांसिस जेवियर, मो. साकिब सहित अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया. ग्रुप जी का पहला मैच रोहित ब्रदर्श महुआजाड़ी वनाम पुन्ना हीरा नागपुर संघ तिगड़ा के बीच खेला गया. इसमें ट्राइब्रेकर में रोहित ब्रदर्श ने तिगड़ा को 5-4 गोल से जीत दर्ज कर अगले राउंड में प्रवेश तिया.

वहीं ग्रुप डी के अन्य मैचों में मैसी झारखंड एफसी चचकोपी ने डीजे ब्रांड मुड़मा कंदरी को ट्राइब्रेकर में 4-3, बाइपीएस नवाटांड़ ने ट्राइब्रेकर में राज ब्रदर्श को 4-3 और मेचो सिटी पुंदाग ने युवा विकास क्लब बुढ़ाखुखरा को 1-0 गोल से हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया. बुधवार को ही दूसरे राउंड के पहले मैच में मैसी झारखंड एफसी चचकोपी ने रोहित ब्रदर्श महुआजाड़ी को 1-0 और मेचो सिटी पुंदाग ने बाइपीएस नवाटांड़ को 1-0 गोल से हराकर क्वाटर फाइनल में प्रवेश किया. बुधवार को मैसी झारखंड एफसी चचकोपी और मेचो सिटी पुंदाग ने बाइपीएस नवाटांड़ के बीच खेले जाने वाला टूर्नामेंट का चौथा और अंतिम क्वाटर फाइनल नहीं हो सका. यह मैच पांच सितंबर को दिन के 10 बजे खेला जाएगा. इससे पहले ओल्ड इज गोल्ड, सुमित ब्रदर्श और तिग्गा परिवार एफसी की टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं. पांच सितंबर टूर्नामेंट का एक क्वाटर फाइनल, दोनों सेमीफानल और फाइनल खेला जाएगा. मैच के सफल संचालन में मैच के स्कोरर रंजीत खलखो, विनोद खलखो, लको उरांव सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

गुरुगोष्ठी में उठा शिक्षकों के लिए भोजन व्यवस्था करने की मांग

बैठक में भूखे पेट रहना मुश्किल : संजय

संवाददाता। लापुंग

लापुंग प्रखंड संसाधन केंद्र में बैठक में भाग लेते शिक्षक शिक्षिकाएं.

लापुंग प्रखंड के प्रखंड संसाधन केंद्र में अलग-अलग कैटेगरी के विद्यालयों का दो दिवसीय गुरुगोष्ठी का आयोजन किया गया. गुरुगोष्ठी के दौरान प्रोजेक्ट इंपैक्ट के तहत विद्यालयों में चलने वाली कार्यक्रम का समीक्षा किया गया. समीक्षा के दौरान विद्यालय के प्रधान शिक्षकों से चलने वाले कार्यक्रम और उसके प्रभाव पर चर्चा की गई. विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं खासकर प्रधान शिक्षकों को प्रोजेक्ट इंपैक्ट के तहत प्रयास के कार्यक्रम को बेहतर तरीके से लागू करने, प्रातः कालीन सभा के दौरान अलग-अलग हाउस के द्वारा किए जाने वाले प्रदर्शन एवं बेहतर शैक्षणिक माहौल में उनकी भूमिकाओं की जानकारी ली गई. 10:00 बजे से 4:00 तक चलने वाली गुरु गोष्ठी के दौरान शिक्षक शिक्षिकाओं ने भोजन व्यवस्था करने की मांग की. कहा कि भूखे पेट 10:00 से 4:00 तक चलने वाली गुरुगोष्ठी में भोजन की व्यवस्था होने से शिक्षक शिक्षिकाएं सकारात्मक रूप से बैठक में लंबे समय तक भाग ले सकते हैं. शिक्षक शिक्षिकाओं ने कहा कि महीने में एक दिन बैठक होती है. इसलिए विभाग को इस तरह की व्यवस्था लागू करनी चाहिए ताकि किसी को कोई परेशानी नहीं हो सके. बैठक के दौरान बीपीओ लीलावती तिर्की ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि आप सभी की मांग पर सहानुभूति तरीके से विचार किया जाएगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दिन बहुत ही अच्छा है पर कार्य को लेकर अधिक दौड़धूप रहेगी. बुरी खबर मिल सकती है. वाणी पर नियंत्रण रखें. दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं. समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी. राजकीय सहयोग मिलेगा. संकटमोचन का पाठ करें.

वृष परीक्षा में सफलता का अच्छा योग है. मेहनत से सफलता मिलेगी. कार्य की प्रशंसा होगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे. विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. फल का दान करें.

मिथुन किसी सिद्ध पुरूष का दर्शन प्राप्त होगा. नया कार्य लाभ का मौका देगा. उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. रुका धन मिलेगा. व्यापार में नए अनुबंध होंगे.

कर्क समय बहुत ही अनुकूल है. किसी वरिष्ट से मुलाकात होगी. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. जोखिम न उठाएं. प्रसन्नता रहेगी. धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी. आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है. व्ययों में कमी करनी चाहिए.

सिंह दिन खुशनुमा होगा. शारीरिक कष्ट संभव है. दूसरों पर अतिविश्वास न करें. वस्तुएं संभालकर रखें. आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी. स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

कन्या कार्य होने से मानसिक संतुष्टि होगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता रहेगी. सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी.

तुला दिखावा में खर्च होगा. योजना फलीभूत होगी. नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें. प्रसन्नता रहेगी. उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा. प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे. सूर्य को बल दें.

वृश्चिक पूजा-पाठ में मन लगेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. निवेश शुभ रहेगा. शनि को खुश रखें, जिससे प्रसन्नता रहेगी. अपनी वस्तुएं संभालकर रखें. जीवनसाथी से मतभेद. व्यवहारकुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा. वाहन सावधानी से चलाएं.

धनु किसी वरिष्ठ से मुलाकात होगी. विवाद को बढ़ावा न दें. कुसंगति से हानि होगी. कार्य होगा, पर आय कम होगी. नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है. व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें.

मकर प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. चिंता रहेगी. प्रमाद न करें. परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे. शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी. अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं. काली वस्तु का दान करें.

कुंभ समय अनुकूल है. शत्रु परास्त होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे. व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है.

मीन समय बहुत ही उत्तम है. मेहनत का फल मिलने का दिन है. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता बनी रहेगी. आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है. कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं की समाप्ति होगी. मंदिर में झाड़ू का दान करें.

राज्यपाल से मिले बिनोद बिहारी विवि के कुलपति डॉ आरके सिंह

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के कुलपति डॉ राम कुमार सिंह ने मुलाकात की. इस दौरान डॉ सिंह ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया. इसके बाद बाल कल्याण संघ का एक प्रतिनिधिमंडल ने संजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में राज्यपाल से मुलाकात की. वहीं सैनिक बाजार दुकानदार संघ, रांची के शिष्टमंडल ने भी अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी के नेतृत्व में राज्यपाल से मुलाकात की.

महाराष्ट्र के निर्वाची पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे बीडीओ कुमुद झा

खूंटी। तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमुद कुमार झा महाराष्ट्र के निर्वाची पदाधिकारियों और सहायक निर्वाची पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देंगे. चुनाव आयोग, भारत सरकार के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट ने उन्हें वहां निवाची पदाधिकारियों और सहायक निर्वाची पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए आमंत्रित किया है. प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आठ से 11 सितंबर तक महाराष्ट्र के छत्रपति शंभाजी नगर, (औरंगाबाद) में किया गया है. तोरपा के बीडीओ कुमुद झा चुनाव आयोग भारत सरकार के नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर हैं. इसके पूर्व उन्होंने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों के निर्वाची पदाधिकारी तथा सहायक निर्वाची पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दे चुके हैं.

व्यवसायिक संघ की बैठक संपन्न

गढ़वा। जिला व्यवसायिक संघ की बैठक बाजार समिति परिसर स्थित दुर्गा मंडप में संपन्न हुई. सरकार के द्वारा प्रस्तावित कृषि उपज एवं पशुधन विधायक कृषि बाजार समिति शुल्क 2% लागू किए जाने के विरोध में बैठक की गई. जिसमें सभी व्यापारियों ने एक मत होकर निर्णय लिया गया कि अगर सरकार इस प्रस्ताव को लाती है तो गढ़वा जिला के व्यवसायी अपनी अपनी दुकान को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर देंगे. साथ ही कहा कि चैंबर ऑफ कॉमर्स रांची जो भी व्यापारियों के हित में निर्णय लेगी. मौके पर मनोज बाबू, पिंटू बाबू, प्रदीप बाबू, महेंद्र बाबू, कलू खां, शेखर, देवचरण शाह, सोना, भगवान कुशवाहा, नरसिंह मेहता, सुरेंद्र कुशवाहा, रमेश केशरी, राजेश कश्यप, सुदामा प्रसाद आदि उपस्थित थे.

भूमि पूजन करती महिलाएं

आदित्यपुर : कल्पनापुरी में इस वर्ष महिलाएं ही करेंगी मां दुर्गा की पूजा

कोलकाता से आएंगे पुरोहित, 9 दिनों तक होगी पूजा

- मोहल्ले की लगभग 200 से अधिक महिलाएं सक्रिय रूप से शामिल हैं.
- इस वर्ष 25 महिलाओं की कमेटी बनाई गई है
- कल्पनापुरी में महिलाएं ही रसीद लेकर घर-घर चंदा काट रही हैं

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर के कल्पनापुरी मोहल्ले में इस वर्ष महिलाएं दुर्गा पूजा का आयोजन करेंगी. दुर्गा पूजा के लिए कोलकाता से पुरोहित बुलाए जा रहे हैं और पूरे विधि विधान से 9 दिनों तक मां दुर्गा की पूजा अर्चना की जाएगी. इस आयोजन में मोहल्ले की लगभग 200 से अधिक महिलाएं सक्रिय रूप से शामिल हैं. यहां तक कि इस कमेटी में पूरी जिम्मेदारी महिलाएं ही संभाल रही हैं. बता दें कि कल्पनापुरी का दुर्गा पूजा पहले मंदिर में हुआ करता था, तब पुरुषों द्वारा पूजा का आयोजन किया जाता था. किसी कारणवश महिलाओं ने पूजा को अपने हाथ में लिया और अब मंदिर के बजाय पंडाल बनाकर और मूर्ति स्थापित कर पूजा हो रही है. इस वर्ष 25 महिलाओं की कमेटी बनाई गई है

पंडाल में सुरक्षा गार्ड भी महिलाएं रहेंगी

और कमेटी में करीब 200 महिला सदस्य सक्रिय हैं. कल्पनापुरी में महिलाएं ही रसीद लेकर घर-घर चंदा काट रही हैं. पंडाल में सुरक्षा गार्ड भी महिलाएं रहेंगी. पूजा कमेटी का कहना है कि ढोल बजाने वाली भी सभी महिलाएं ही रहेंगी. इस बार कमेटी में शामिल महिलाओं में मुख्य रूप से शांति सिंह, गीता देवी, रूपा झा, प्रियंका मंडल, रंजना मिश्र, पूनम ठाकुर, बीजू मिश्रा, किरण सिंह, श्वेता सिंह, वेंधाना तिवारी, मधुलिका सुमन, झरना साहू, संगीता तिवारी आदि महिलाएं शामिल हैं.

मंईयां योजना के तहत राशि वितरण के मौके पर सीएम हेमंत बोले-

बेटियों के जन्म से लेकर मृत्यु तक सरकार कुछ न कुछ जरूर देगी

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार बेटियों और महिलाओं के प्रति बहुत सजग है. अब तक कई योजनाएं चलायी गयी हैं. हमारी सरकार बेटियों के जन्म से लेकर मृत्यु तक कुछ न कुछ जरूर देगी. उन्होंने कहा कि हमलोग सरकार में आते ही जेपीएससी का परीक्षा करवाकर राज्य में 300 बीडीओ, सीओ, कलेक्टर हमलोगों ने बनवाएं हैं. अभी वह सेवा दे रहे हैं. आज शिक्षकों की नियुक्ति हमलोगों ने की, पंचायत सचिव की नियुक्ति हुई.

उन्होंने कहा कि पुरानी सरकार में पेंशन के लिए लोग दलालों के चक्कर में फंसे रहते थे. आज कोई भी ऐसा नहीं है जिसे पेंशन नहीं मिल रहा है. हमने बीडीओ ओर सीओ को साफ-साफ कह दिया कि अगर पेंशन कार्ड बनाने में दिक्कतें हुई तो आपकी नौकरी जाएगी. जब हम सरकार में आए तो खजाना को डबल इंजन सरकार ने साफ कर दिया था. हमने सोचा कि कैसे होगा काम. जब हिसाब-किताब लगाना शुरू किए तो पता चला कि हमारे माइनिंग की रॉयल्टी का 1 लाख 36 हजार करोड़ केंद्र के पास बकाया है. जब पैसा मांगना शुरू किया तो मुझे ही फंसाने के काम में ये लोग लग गए. अंतत. झूठे मुकदमे में फंसा कर जेल भेज दिया.

हेमंत का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता : कल्पना सोरेन कार्यक्रम में सीएम हेमंत की पत्नी और विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने कहा कि हेमंत सरकार की कहानी संघर्षों से भरा रहा है. हेमंत की ताकत झारखंडी जनता है और झारखंडी जनता से जुड़ाव है. सरकार गठन होते ही पहले महामारी आया फिर भाजपा वाले लोग साजिशें करना शुरू कर दिया. इतना ही नहीं झूठे केस में जेल तक भेज दिया. इसका जवाब जनता लोकसभा चुनाव में दे चुकी है. अब जो बचा है, उसका जवाब विधानसभा चुनाव में मिल जाएगा. चुनावी रणनीति तैयार हो चुकी है. हम विपक्ष की चुनौतियों का सामना करने को तैयार हैं. हेमंत सोरेन का कोई बाल भी बांका नहीं सकता है, क्योंकि झारखंडी जनता उनके साथ खड़ी है.

हमारी सरकार ने रोटी-कपड़ा व मकान पर फोकस किया : डॉ रामेश्वर उरांव

वहीं, वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि किसी भी मनुष्य के लिए तीन चीज बहुत जरूरी है. रोटी, कपड़ा और मकान. हमारी सरकार ने इसी पर फोकस किया. सामाजिक सुरक्षा पर हमारी सरकार ने ध्यान दिया. देश की पहली सर्वजन पेंशन स्कीम हमारी सरकार ने लाने का काम किया. इसके बाद मां-बहनों और बेटियों के लिए मंईयां योजना, सावित्री फुले बाई योजना जैसी योजनाएं लायीं.

हेमंत के पास सभी तरह की समस्याओं का समाधान है : सत्यानंद भोक्ता

श्रम एवं उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि कोई ऐसी समस्या नहीं जिसका समाधान सीएम के पास नहीं है. समस्या और उसका समाधान का नाम है हेमंत सोरेन. हमारी सरकार के फोकस में गांव और गरीब हैं. इसलिए हमारी सरकार ने इस दिशा में फोकस किया. इस मौके पर सांसद सुखदेव भगत, महुआ माजी, जिग्गा होरो, विकास मुंडा, राजेश कच्छप, नेहा शिल्पी तिर्की, भूषण तिर्की, सुबोधकांत सहाय, केशव महतो कमलेश, डीजीपी आदि मौजूद थे.

राज्य सरकार रोजगार के प्रति गंभीर नहीं है : सुदेश महतो

प्रमुख संवाददाता। रांची

खास बातें

- झारखंड के युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित
- अधिवक्ता आशुतोष वर्मा ने थामा पार्टी का दामन

सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल में कभी भी रोजगार के प्रति गंभीर नहीं रही. नए पदों का सृजन करने की बात तो दूर यह सरकार रिक्त पदों को भी नहीं भर पाई है. आज राज्य के युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं. वर्तमान राजनीतिक हालात ने राज्य की छवि को धूमिल की है, लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की हमारी तैयारी है. उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में कहीं. मौके पर अधिवक्ता सह समाजसेवी आशुतोष वर्मा ने अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

सरकार की गलतियों के कारण युवाओं की जानें गई : उत्पाद सिपाही बहाली में सरकार की बड़ी गलती की वजह से हमने अपने परिवार के 12 नौजवानों को खो दिया है. सरकार अपनी ही बनाई हुई नियमावली का बहाना बना कर अपनी जिम्मेदारियों से मुकर नहीं सकती है. इस बहाली में राज्य के लाखों युवा शामिल हो रहे हैं. यह उनकी मजबूरी है. सरकार ने रोजगार के अवसर न देकर युवाओं को ऐसा करने पर मजबूर कर दिया है. मुख्यमंत्री घटना होने के बाद मूल्यांकन कर रहे हैं, जबकि सरकार का दायित्व था कि ऐसी घटना ही न हो. बिना किसी तैयारी के सरकार ने यह दौड़ आयोजित की थी. अपने कार्यक्रम के लिए सरकार बच्चों की पढ़ाई बाधित कर रही है. यह सही नहीं है.

अधिवक्ता आशुतोष वर्मा ने थामा आजसू का दामन : मौके पर अधिवक्ता आशुतोष वर्मा ने आजसू का दामन थामा. सुदेश महतो ने कहा कि राज्य और राज्यवासियों के विषय में बेहतर सोचने वाले लोगों की इस राज्य की आवश्यकता है. अच्छे विचार और निःस्वार्थ भाव से राज्य की सेवा करने की इच्छाशक्ति से ही बदलाव संभव है.आशुतोष के अनुभवों का लाभ पार्टी को मिलेगा. लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करें. इसके लिए आजसू पार्टी आपको एक सशक्त मंच देगी.पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद आशुतोष वर्मा ने कहा कि आजसू के विचारों, सिद्धांतों के साथ ही सुदेश महतो की ईमानदारी, राज्य के लिए समर्पण और इनकी दूरदर्शिता ने हम सभी को प्रभावित किया है.

अधिवक्ता के साथ इन्होंने ली पार्टी की सदस्यता : विशाल अग्रवाल, खीताराम दास, ललित दास, अतिराज सिंह, शुभम, गौतम, प्रीतम, श्याम, मिथलेश, शुभम यादव, सौरव, अमिश, विक्की समेत अन्य युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

भाजपा कार्यसमिति की बैठक में केंद्रीय मंत्री और सांसद ने भाग लिया

संवाददाता। लातेहार

भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा जिला कार्य समिति की बैठक जिला अध्यक्ष पंकज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री नगर विकास एवं आवास विभाग तोखन साहू व सांसद कालीचरण सिंह ने भाग लिया. मौके पर संबोधित करते हुए तोखन साहू ने कहा कि जिले के लातेहार एवं मनिका विधानसभा चुनाव की तैयारी में हमें अभी से ही जुट जाना है और इन दोनो विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा का परचम लहराना है. उन्होने आगामी 90 दिनों की एक कार्य योजना व रोडमैप बनाने की अपील की. हर धर्म व तबके के हर घर में जा कर संपर्क करने की अपील की. कहा कि गांवों में केंद्र सरकार व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी देना आवश्यक है. उन्होने जनजातीय समाज के हर घर में जनसंपर्क करने की बात कही. भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पलामू प्रमंडल प्रभारी विकास प्रीतम ने कहा हम मंईया सम्मान योजना का सम्मान करते हैं लेकिन भाजपा शासित राज्यों में इससे भी अच्छी अच्छी योजनाएं चलायी जा रही हैं. चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने कार्यकर्ताओं की हौसला अफजाई करते कहा कि जिस प्रकार लोकसभा चुनावों में 50 डिग्री तापमान में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने डट कर काम किया उसी प्रकार विधानसभा चुनावों में भी एकजुट हो कर काम करना है.

पूर्व सांसद ने भाजपा को बताया महिलाओं की आर्थिक सशक्तीकरण का विरोधी

महिलाओं को सम्मान मिलता देख बौखला गयी है भाजपा : डॉ अजय

- मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से बौखला कर भाजपा ने हाई कोर्ट में याचिका दायर करवाई

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

पूर्व सांसद सह कांग्रेस के वरीय नेता डा. अजय कुमार ने कहा कि भाजपा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की विरोधी है. उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को मिल रही प्रति माह एक हजार रुपये की सम्मान राशि से भाजपा बौखला गई है. इसलिए एक साजिश के तहत भाजपा ने इस योजना के खिलाफ रांची हाईकोर्ट में सिमडेगा निवासी विष्णु साहू के माध्यम से एक जनहित याचिका दायर करवाई है.

एक तरफ अर्जुन मुंडा गरीबों के घरों को उजाड़ने के लिए एनजीटी में शिकायत करते हैं, वहीं दूसरी और भाजपा मंईयां सम्मान योजना का विरोध कर रही है. इससे स्पष्ट है कि भाजपा को केवल सत्ता चाहिए उसे जनता के हितों से कोई सरोकार नहीं है.

अब प्रदेश की आधी आबादी (महिलाओं) को आर्थिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से झारखंड सरकार द्वारा शुरू की गई मंईयां सम्मान योजना की सफलता से भाजपा बौखला गई है. इस योजना के विरोध में भाजपा के नेताओं द्वारा मीडिया में दिए गए बयान इस बात के प्रमाण हैं कि भाजपा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की विरोधी है. वह नहीं चाहती कि प्रदेश की आधी आबादी आर्थिक रूप से मजबूत हों. इस योजना की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि महज 15 दिनों में 45 लाख महिलाओं ने अपना निबंधन कराया है और 42 लाख महिलाओं को यह राशि प्राप्त भी हो गई है. झारखंड निर्माण के 24 वर्ष में 13 साल से अधिक समय तक भाजपा ने शासन किया.

उसके बावजूद प्रदेश की महिलाओं की स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ. हेमंत सरकार ने जब महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने का बीड़ा उठाया है तो भाजपा इसको चुनावी मुद्दा बताकर इसका विरोध कर रही है. इतना ही नहीं इस योजना के खिलाफ रांची हाई कोर्ट में जनहित याचिका भी दर्ज करवाई है. यही भाजपा की महिला विरोधी होने के प्रमाण है.

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा गढ़वा

गढ़वा। समाहरणालय के सभागार में बुधवार को जिला पर्यटन संवर्धन परिषद (डीटीपीसी) के कार्यकारिणी निकाय एवं शासी निकाय की बैठक आयोजित की गई. डीसी शेखर जमुआर की अध्यक्षता में जिले के अधिसूचित पर्यटक स्थलों के विकास के लिए विचार विमर्श किया गया. बैठक में जिला स्तरीय पर्यटन संवर्धन परिषद के अन्य सदस्यों ने अपने-अपने प्रस्ताव व सुझाव दिया. बैठक में मुख्य रूप से प्राप्त योजना प्रस्ताव के तहत ब्रह्म स्थान लगमा खजूरी, राजा पहाड़ी शिव मंदिर एवं श्री बंशीधर नगर मंदिर तथा श्री बंशीधर नगर का सौन्दर्यकरण, गुरु सिंधु जलप्रपात, खोनहरनाथ मंदिर, श्री बंशीधर मंदिर के पास छठ घाट, बीरबंधा खजूरी डैम, चटनियां डैम केतार, मथुरा बांध गढ़वा, सतबहिनी जलप्रपात, जिरुआ डैम, सुखलदरी जलप्रपात आदि के सौंदर्यीकरण एवं विकासात्मक कार्य के संबंध में विचार विमर्श किया गया. साथ ही राजा पहाड़ी शिव मंदिर आदि के संबध में प्रस्ताव दिया गया.

शिक्षक के गोद में पलते हैं सृजन और संहार

शिक्षक दिवस पर विशेष

चतरा। भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान दिया गया है. इसमें गुरु को ब्रह्मा ही नहीं परम ब्रह्म बताया गया है. इसका कारण भी स्पष्ट है. गुरुर ब्रह्मा, गुरुर विष्णु, गुरुर देवो महेश्वरा में सिमटे गुरु की महिमा अपरंपार है. गुरु की महत्ता मिट्टी के लोंधे सदृश स्कूल लाए गए बालक को शुभ संस्कार तथा समस्त मानवीय गुणों के सर्जक होने के नाते गुरु ब्रह्मा (सृष्टिकर्ता), जीविकोपार्जन हेतु क्षमता विकसित करने के कारण विष्णु (पालनकर्ता) तथा संस्कारों व अंतर्विकारों का समूल नाश करने के कारण महेश (संहारक) के रूप में व्यक्ति के जीवन में विद्यमान है. इस प्रकार ब्रह्मा, विष्णु और महेश त्रिदेवों की सम्मिलित क्षमता ही श्रेष्ठ ब्रह्म है, और यह तीनों गुणों से संपन्न होने के कारण ही गुरु परम ब्रह्म हैं. गुरु मात्र गुरु ही नहीं वह बालक का माता-पिता मित्र और कुटुंब की भूमिका में भी होते हैं जहां स्नेह, मंगल, ज्ञान व विवेक की सरिता सदा प्रवाहित रहती है. साध्य और साधन के मध्य तालमेल बिठाता कठिन अध्यवसाय संपन्न करता गुरु श्रेष्ठ नागरिक तैयार करता है, तभी आज गुरु को दूसरे रूप में राष्ट्र निर्माता भी कहा जाता है.

अभिमन्यु सिंह

भारत रत्न सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन ने अपना करियर मद्रास रेजीडेंसी कॉलेज में शिक्षक के रूप में शुरू कर ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी तथा आंध्र यूनिवर्सिटी में 40 वर्षों से अधिक समय तक अपने को यशस्वी अध्यापक के रूप में प्रतिष्ठापित किया. इस कृति से इनका चतुर्दिक यश फैला. हजारों छात्रों को योग्य नागरिक बनाया. जिसके फलस्वरूप प्रभावित उनके शिष्य व प्रशंसक उनके जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की स्वीकृति हेतु निवेदन किया. इस प्रस्ताव से अहलादित श्री राधाकृष्णन ने कहा कि मेरे लिए इससे बड़ा कोई सम्मान की बात कुछ और नहीं हो सकती कि मेरा जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए. तब वर्ष 1958 से संपूर्ण भारतवर्ष में उनकी जन्मतिथि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की परंपरा अनवरत जारी है. इस तिथि को कुशल शिक्षण क्षमता, शिक्षण से लगाव तथा प्यार, छात्रों को नैतिक गुणों के निर्माण में पटुता व राष्ट्र सेवा में समर्पण के लिए चयनित शिक्षकों को दिल्ली के विज्ञान भवन में देश के महामहिम राष्ट्रपति के कर कमलों से सम्मानित किए जाने की परंपरा है.

हमारा अतीत अत्यंत उज्जवल था. नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला और ओदंतपुरी जैसे प्रख्यात विश्वविद्यालय में देश देशांतर के छात्र पढ़ने आते थे. शिक्षक कभी साधारण नहीं होते, सृजन और संहार उनकी गोद में पलते हैं. एक योद्धा युद्ध जीत सकता है, लेकिन एक शिक्षक साधारण व्यक्ति को युद्ध जीतने के योग्य बनाने की क्षमता विकसित करता है. सरसों के दाना सदृश बीज में एक विशाल बरगद का वृक्ष की असीम संभावनाओं को पहचानने की कला शिक्षक में सन्निहित है.

पटना साहिब गुरुद्वारा नए महासचिव के चुनाव के लिए जिला जज से मांगा निर्देश

इंद्रजीत की छुट्टी करेंगे जगजोत

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

पटना हाईकोर्ट के आदेश पर 15 सितंबर को तख्त श्री हरमंदिर साहिब पटना साहिब प्रबंधन कमेटी की प्रस्तावित बैठक में नए महासचिव का चुनाव कराने के लिए पटना के जिला प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश सह कस्टोडियन से निर्देश मांगा गया है. तख्त श्री हरमंदिर साहिब प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सरदार जगजोत सिंह सोही ने लिखित रूप से जिला जज से इस आशय का आग्रह किया है. इससे साफ जाहिर हो गया है कि वह इस पद से महासचिव सरदार इंद्रजीत सिंह की छुट्टी करना चाहते हैं. जिला जज को लिखे गए पत्र में प्रधान ने उल्लेख किया है कि उनके निर्देश के बावजूद महासचिव सरदार इंद्रजीत सिंह कार्यकारिणी की बैठक बुलाने में टाल मटोल करते रहे हैं. अंतिम बैठक 8 फरवरी 2024 को हुई है. जबकि संविधान के मुताबिक हर दो महीने के अंतराल पर कार्यकारिणी की बैठक होनी चाहिए. वहीं प्रधान ने पटना जिला जज के पत्र का हवाला देते हुए बताया है कि 4 अगस्त 2023 की बैठक पूर्ण रूप से असंवैधानिक रही है और बैठक के फैसले को लागू नहीं किया जा सकता है. पटना हाई कोर्ट के आदेश के बाद ही महासचिव ने बैठक बुलाई है.

इधर, सरदार इंद्रजीत सिंह ने बताया कि पटना हाई कोर्ट ने एजेंडा पहले ही तय कर दिया है और उससे बाहर जाने का सवाल नहीं पैदा होता है. इधर, राष्ट्रीय संयोजक कुलविंदर सिंह के अनुसार वर्तमान कमेटी का कार्यकाल खत्म हुए एक साल से ज्यादा हो गए हैं और अब चुनाव में किसी भी सूरत में देरी नहीं की जानी चाहिए. प्रधान और महासचिव पटना हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार चुनाव प्रक्रिया शुरू करें.

चेतावनी से उभरते सवाल

भारत की अर्थव्यवस्था के उज्ज्वल भविष्य का दावा करते हुए भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आखिरकार अर्थव्यवस्था के मौजूदा स्वरूप को लेकर वह चेतावनी दी है, जिस पर अर्थ जगत में पहले से चिंता रही है. नागेश्वरन ने अर्थव्यवस्था के वित्तीयकरण में निहित खतरों को लेकर आगाह किया है. उन्होंने देश के वित्तीयकरण के जाल में फंसने की आशंका जताई है. जब शेयर बाजार का सकल पूंजी मूल्य जीडीपी के 140 प्रतिशत तक पहुंच गया हो, तो समझा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था किस मुकाम पर है. नागेश्वरन ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र में हो रहे रिकॉर्ड मुनाफे से एक ऐसी परिघटना सामने आई है, जिस पर कड़ी नजर रखनी होगी. उनकी ये बातें खास गौरतलब हैः 'जब बाजार का आकार अर्थव्यवस्था से बड़ा हो जाता है, तब यह स्वाभाविक है कि बाजार के हित और उसकी प्राथमिकताएं सार्वजनिक विमर्श पर हावी हो जाती हैं, हालांकि ऐसा होना तार्किक रूप से जरूरी नहीं है. यहां मैं उस परिघटना का जिक्र कर रहा हूं, जिसे वित्तीयकरण अथवा नीति एवं सकल अर्थव्यवस्था के लाभों पर वित्तीय बाजार के वर्चस्व के रूप में जाना जाता है.' आर्थिक सलाहकार ने यह भी कहा कि नीति और वृहद आर्थिक परिणामों पर वित्तीय बाजार के प्रभुत्व की बात कर रहा हूं. "ऐसा होने पर क्या होता है, इसकी चर्चा भी मुख्य आर्थिक सलाहकार ने की है. उनके मुताबिक सार्वजनिक एवं निजी ऋण का अभूतपूर्व ऊंचा स्तर, जिसमें से कुछ ऋण विनियामकों को मालूम है और कुछ नहीं, परिसंपत्तियों की मूल्य वृद्धि पर आर्थिक वृद्धि का निर्भर हो जाना और उसके परिणामस्वरूप गैर-बराबरी में भारी बढ़ोतरी, ये वित्तीय वर्चस्व वाली अर्थव्यवस्था के परिणाम हैं. उन्होंने आगाह किया कि भारत को ऐसे परिणामों से बचने का प्रयास करना चाहिए. नागेश्वरन की ये बातें पूरी तरह सच के करीब हैं. अर्थव्यवस्था के यह रूप लेने के दुष्परिणाम आज कभी औद्योगिक शक्ति से दुनिया पर अपना दबदबा बनाने वाले विकसित देश भी झेल रहे हैं. मगर सवाल है कि मुख्य आर्थिक सलाहकार ने जिस प्रवृत्ति को लेकर आगाह किया है, उससे निकलने का रास्ता क्या है? आखिर इस मुकाम तक हम पिछले साढ़े तीन दशक में अपनाई गई नीतियों की वजह से पहुंचे हैं. क्या नागश्वेरन जिस सरकार से जुड़े हैं, उसमें ये दिशा बदलने का बौद्धिक साहस और माद्दा मौजूद है? दरअसल वास्तविक अर्थव्यवस्था की चर्चा कम ही होती है. इसका एक बड़ा कारण अरबपतियों में लगातार वृद्धि है और उसके बरक्श निम्न मध्यवर्ग की जिंदगी दुरूह होती जा रही है. हाल ही में एक आर्थिक एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि तेजी से उभरते अरबपतियों का भारत केंद्र बनता जा रहा है. दुनिया का अनुभव बताता है कि वास्तविक अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर संकेत नहीं है. नागेश्वर राव की बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत है, ताकि उन गलतियों को सुधारा जाए जो आम जन की जिंदगी की प्रगति में सहायक नहीं है. दरअसल भारत की जनता ने 2024 के चुनाव में अपने असंतोष का ही इजहार किया था. यह असंतोष असमान होते सामाजिक आर्थिक हालात को ले कर हैं.

> अर्थव्यवस्था के यह रूप लेने के दुष्परिणाम आज कभी औद्योगिक शक्ति से दुनिया पर अपना दबदबा बनाने वाले विकसित देश भी झेल रहे हैं. मगर सवाल है कि मुख्य आर्थिक सलाहकार ने जिस प्रवृत्ति को लेकर आगाह किया है, उससे निकलने का रास्ता क्या है?

सुभाषित

कलहान्तानि हर्म्याणि कुवाक्यानां च सौहृदम्।
कुराजान्तानि राष्ट्राणि कुकर्मांन्तम् यशो नृणाम्।।

झगड़े से परिवार टूट जाते हैं. गलत शब्द के प्रयोग करने से दोस्ती टूट जाती है. बुरे शासकों के कारण राष्ट्र का नाश होता है. बुरे काम करने से यश दूर भागता है.

ट्रंप या हैरिस : इस बहस में क्यों उलझें?

अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप की परिघटना ऐसे ही ध्रुवीकरण का परिणाम है. ट्रंप ने नव-उदारवादी नीतियों के कारण अवसर गंवाने वाले समूहों तथा धार्मिक मान्यताओं एवं कंजरवेटिव उसूलों से प्रेरित जन समुदायों की व्यापक गोलबंदी करके अस्मिता की जवाबी राजनीति) खड़ी की है. समाज में मौजूद आक्रोश और असंतोष को अपने पक्ष में संगठित करने में वे सफल रहे हैं.

• देश-काल

सत्येंद्र रंजन

यह घटनाक्रम विचित्र है. जबसे अमेरिका में 2024 का चुनाव-चक्र शुरू हुआ, जनमत सर्वेक्षणों में डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी बढ़त बनी हुई थी. सीएनएन टीवी चैनल पर राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ उनकी बहस के बाद तो यह अंतर इतना बढ़ गया कि डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए उसे पाट पाना लगभग नामुमकिन दिखने लगा. इसे देखते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी बीच राह में उम्मीदवार बदलने को मजबूर हुई. पार्टी ऐस्टैबलिशमेंट ने बाइडेन को मैदान से हटने के लिए विवश किया और उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया. उसके बाद जनमत सर्वेक्षणों और मीडिया कवरेज में चमत्कारिक बदलाव आया. अब चुनाव पूर्व अधिकांश सर्वेक्षणों में न सिर्फ हैरिस की बढ़त बनी हुई है, बल्कि यह बढ़ती ही जा रही है. सवाल वही चुनाव-पूर्व जनमत सर्वेक्षणों के सटीक होने का है. वैसे तो ऐसे सर्वेक्षणों के अनुमान पहले भी कभी-कभार गलत साबित हो जाते थे, लेकिन पिछले लगभग डेढ़ दशक में ऐसा होने के मामले तेजी से बढ़ते चले गए हैं. और यह सिर्फ अमेरिका की बात नहीं है. अभी तीन महीने पहले हमने अपने देश में इन सर्वेक्षणों की धज्जियां उड़ते देखीं. ऐसा क्यों हो रहा है, इस बारे में सर्वे के कारोबार से जुड़े लोगों ने कोई ठोस स्पष्टीकरण नहीं दिया है.

फिर भी हम कुछ अनुमान लगा सकते हैं. 1990 के दशक में अपनाई गई आर्थिक नीतियों को सार्वजनिक बहस से दूर रखने के मकसद से विभिन्न देशों में सामाजिक- सांस्कृतिक मुद्दों पर ध्रुवीकरण को सुविचारित रूप से बढ़ावा दिया गया. विकसित देशों में 2007-08 की मंदी के बाद ऐसे ध्रुवीकरण के लिए वस्तुगत परिस्थितियां गहरी होती चली गईं. ऐसे में किसी भी चुनावी लोकतंत्र वाले देश में सियासी समीकरण पहले जैसे (20वीं सदी के उत्तरार्द्ध की तरह) नहीं रह गए हैं. संभवतः सर्वे एजेंसियां अभी तक नए समीकरणों और मतदाताओं के नए मूड को भांपने के तरीके नहीं ढूंढ पाई हैं. अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप की परिघटना ऐसे ही ध्रुवीकरण का परिणाम है. ट्रंप ने नव-उदारवादी नीतियों के कारण अवसर गंवाने वाले समूहों तथा धार्मिक मान्यताओं एवं कंजरवेटिव उसूलों से प्रेरित जन समुदायों की व्यापक गोलबंदी करके अस्मिता की जवाबी राजनीति) खड़ी की है. समाज में मौजूद आक्रोश और असंतोष को अपने पक्ष में संगठित करने में वे सफल रहे हैं.

इस रूप में वे समाज में पारपंरिक राजनीति के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरे हैं. उनके समर्थकों में अक्सर एक तरह का जुनून देखा जाता है. इस जुनून की व्यापकता में कितने लोग समाहित हो चुके हैं, इसका अनुमान लगाना पारंपरिक कौशल के बाहर की चीज हो गई है. इसी तरह उनके विरोधी मतदाताओं में ध्रुवीकरण का स्तर किस रूप में और किस रफ्तार से बढ़ा है, इसका अंदाजा लगाना भी आसान नहीं है. ऐसे ध्रुवीकरण का परिणाम 2022 के संसदीय और राज्य स्तरीय चुनावों में देखने को मिला था, जब डेमोक्रेटिक पार्टी को अनुमान से अधिक कामयाबी मिली. इसीलिए अभी जबकि मतदान में लगभग दो महीने बाकी हैं, ओपिनियन पोल्स के आधार पर चुनाव के बारे में लगाए जा रहे अनुमानों का आधार बहुत मजबूत नहीं है. खासकर यह देखते हुए कि 2022 के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों के बीच एक बड़ी फूट पड़ी है. फिलस्तीन के ग़ज़ा में इजराइल के नरसंहार को बाइडेन-हैरिस प्रशासन ने अंध समर्थन दिया है. इससे नाराज लोग जो बाइडेन को आज जिनोसाइड बाइडन कह कर पुकारना ज्यादा पसंद करते हैं.

युवा, अल्पसंख्यक, ब्लैक समुदाय आदि के लोगों में बाइडेन-हैरिस प्रशासन की नरसंहार समर्थक नीतियों से फैले आक्रोश का नज़ारा सड़कों पर, विश्वविद्यालय परिसरों आदि में खूब देखने को मिला है. पांच नवंबर को आने वाला चुनाव परिणाम काफी कुछ इससे तय होगा कि ये समूह अपनी वर्तमान भावना से प्रेरित बने रहते हैं या फिर ट्रंप को बड़ा खतरा मान कर अनिच्छा से डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट डालने की विवशता दिखाते हैं. हैरिस के लिए एक अन्य चिंताजनक पहलू महंगाई और बढ़ी ब्याज दरों से पिछले तीन साल में लोगों की बढ़ी आर्थिक मुसीबतें हैं. ये सारा विमर्श अमेरिका के लोगों के लिए महत्त्वपूर्ण है. यह अमेरिकी खेमे में शामिल देशों के लोगों के लिए भी अहम है. मुमकिन है कि ग्लोबल साउथ के शासकवर्गीय लिबरल और कंजरवेटिव समूहों को भी यह अहम मालूम पड़े. इसलिए कि पश्चिमी प्रचार तंत्र के प्रभाव में जीने वाले उनमें से बहुत से लोग- जो चुनावी लोकतंत्र को आदर्श मानते हैं- उन्हें हैरिस लिबरल-प्रोग्रेसिव और ट्रंप कंजरवेटिव-प्रतिक्रियावादी नजर आते हो सकते हैं. लेकिन हकीकत यह है कि अमेरिका के सत्ता तंत्र में ऐसा जो भी बंटवारा नज़र आता है, सुविचारित ढंग से तैयार किया गया एक भ्रमजाल है. कम-से-कम आज के दौर में तो यह बात सोलह आने सच है. इसलिए वैसे तो रह जगह कर, लेकिन कम-से-कम ग्लोबल साउथ के मेहनतकश तबकों और आम लोगों को अमेरिकी चुनाव को देखने के लिए अलग पैमाना अपनाने का जरूरत है. किसी खेल की तरह चुनावों में भी एक तरह का रोमांच मौजूद रहता है. चुनावी गणनाओं में अक्सर आम इनसान की दिलचस्पी बन जाती है. इस रूप में अमेरिकी चुनाव में भी दिलचस्पी स्वाभाविक है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

क्रोध के परिणाम

क्रोध ऐसी आग है, जो भड़क जाये तो पूरी दुनिया को अपना ग्रास बना लेता है. उसका एक ही गुणधर्म खुद जलना और दूसरों को जला कर भस्म कर देना. क्रोध को व्यक्त करने का सहज, स्वाभाविक तरीका आक्रामक तरीके से प्रतिक्रिया करना है. क्रोध खतरों के प्रति एक स्वाभाविक, अनुकूल प्रतिक्रिया है. यह शक्तिशाली, अक्सर आक्रामक, भावनाओं और व्यवहारों को प्रेरित करता है, जो हमें लड़ने और हमला होने पर खुद का बचाव करने की अनुमति देता है. इसलिए, हमारे अस्तित्व के लिए एक निश्चित मात्रा में क्रोध आवश्यक है. दूसरी ओर, हम हर उस व्यक्ति या वस्तु पर शारीरिक रूप से भड़क नहीं सकते जो हमें परेशान या गुस्सा दिलाती है; कानून, सामाजिक मानदंड और सामान्य ज्ञान इस बात की सीमाएं तय करते हैं कि हमारा गुस्सा हमें किस हद तक ले जा सकता है. क्रोध केवल और केवल संताप ही पैदा करता है. क्रोध, विनम्रता की लाश लांघ कर आता है. क्रोध सर्वप्रथम विवेक को नष्ट करता है क्योंकि विवेक ही क्रोध की राह का प्रमुख रोडा है. यहां तक कि क्रोधी व्यक्ति स्वयं का हित-अहित भी नहीं सोच पाता. क्रोध परस्पर सौहार्द को समाप्त कर देता है. यह प्रीति को नष्ट करता है और द्वेष भाव को प्रबल बना देता है. क्रोध के लगातार सेवन से स्वभाव ही असहिष्णु बन जाता है. इस प्रकार क्रोध, वैर की अविरत परम्परा का सर्जन करता है. क्रोध उद्वेग का जनक है. आवेश, आक्रोश एवं क्रोध निस्तार से स्वयं की मानसिक शान्ति भंग होती है, जिसके परिणाम स्वरूप तनाव के संग-संग, मानसिक विकृतियां भी पनपती हैं. क्रोध सदैव पश्चाताप पर समाप्त होता है. चाहे क्रोध के पक्ष में कितने भी सुविधाजनक तर्क रखे जाय, अन्ततः क्रोध घोर अविवेक ही साबित होता है. यह अप्रिय छवि का निर्माण करता है और अविश्वसनीय व्यक्तित्व बना देता है. अधिकांश, असंयत व्यक्ति अनभिज्ञ ही रहता है कि उसकी समस्त परेशानियों का कारण उसका अपना क्रोध है. जब मूल समझ में आता है सिवा पश्चाताप के कुछ भी शेष नहीं रहता. क्रोध को दबाया जा सकता है, और फिर परिवर्तित या पुनर्निर्देशित किया जा सकता है. ऐसा तब होता है जब आप अपने क्रोध को दबाते हैं, उसके बारे में सोचना बंद कर देते हैं, और किसी सकारात्मक चीज़ पर ध्यान केंद्रित करते हैं. इसका उद्देश्य आपके क्रोध को रोकना या दबाना और इसे अधिक रचनात्मक व्यवहार में बदलना है.

केसी त्यागी के त्यागपत्र का निहितार्थ

• सियासत

अखिलेश अखिल

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया और झट से जदयू ने उसे स्वीकार भी कर लिया और लगे हाथ राजीव रंजन प्रसाद को केसी त्यागी की जगह बैठा भी दिया. यह सब इतनी जल्दबाजी में हुआ, मानो पहले से यह सब तैयारी कर ली गई थी. केसी त्यागी समाजवादी विचारधारा के अव्वल नेताओं में शुमार रहे हैं. मौजूदा राजनीति में अब बहुत कम लोग ही बचे हैं जो समाज और देश के बारे में सत्ता सरकार से भिन्न राय रखते हैं और समाज के अंतिम आदमी की बात करते हैं. देश की राजनीति में समाजवाद को ज़िंदा रखने वालों में जितने भी नेताओं की आप चर्चा कर लें, लेकिन ऐसे नेताओं की अंतिम कड़ी में आप केसी त्यागी के नाम को भुला नहीं सकते. त्यागी सबके रहे हैं. वे कभी कांग्रेस से भी सहमत रहे तो कभी बीजेपी से भी सहमत रहे. कभी वे कांग्रेस विरोधी भी रहे तो कभी वे बीजेपी के खिलाफ भी रहे, लेकिन समाजवादी राजनीति को कभी नहीं छोड़ा. लेकिन सबसे बड़ी बात तो यह है कि त्यागी चाहे जिसके साथ रहें या नहीं रहे, वे नीतीश कुमार के साथ तो खूब रहे. दिल्ली में रहकर नीतीश कुमार के आंख, कान बने रहे और सबसे बड़ी बात कि नीतीश कुमार केंद्र सरकार से लेकर इंडिया वालों को अगर कोई सन्देश देना चाहते थे तो उसे त्यागी जी अपने बयानों से पूरा करते रहे. त्यागी जी और नीतीश कुमार के इस बॉन्डिंग को बिहार के लोग भी जानते हैं और दिल्ली के राजनीतिक गलियारे के लोग भी जानते हैं. केसी त्यागी यूपी से आते हैं. गाजियाबाद से कई बार चुनाव भी लड़ चुके हैं, लेकिन उनकी राजनीतिक सोच और समझ बिहार के लिए कुछ ज्यादा ही रही है. बिहार ने कई बड़े नेताओं को अपने यहां पनाह दी थी और उनकी राजनीति को आगे बढ़ाया था. नीतीश कुमार कभी जॉर्ज फर्नांडिस को भी बिहार में आगे बढ़ाते रहे और बिहार का बच्चा-बच्चा जॉर्ज की राजनीति का कायल रहा. त्यागी की राजनीति को आप उसी नजरिये से देख सकते हैं. सबसे बड़ी बात तो यह है कि केसी त्यागी जदयू से अलग नहीं हुए हैं. वे केवल प्रवक्ता के पद से बाहर निकले हैं. वे आज भी जदयू में हैं और शायद आगे भी नीतीश के साथ ही रहेंगे. लेकिन मजे की बात है कि अचानक त्यागी ने इस्तीफा का रास्ता क्यों अपनाया? राजनीतिक हलकों में कई तरह की बातें की जा रही हैं. उन बातों में कुछ सच्चाई भी है तो कुछ अनुमान भर है. राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि बीजेपी के दबाव में केसी त्यागी को इस्तीफा देना पड़ा. ऐसा हो भी सकता है. त्यागी ने पिछले दिनों बिहार के चर्चित अखबार में एक लेख लिखा था जिसमें राहुल गांधी की मौजूदा राजनीति को ठीक माना था और उनकी जातीय आरक्षण से लेकर जातीय सर्वे को समय की मांग बताया था. कहने वाले कह रहे हैं कि बीजेपी के शीर्ष नेताओं को त्यागी का यह बयान पच नहीं पाया. सूत्रों की बात की जाए तो मोदी और शाह की तरफ से नीतीश पर यह दवाब डाला गया कि वे त्यागी के बयान से क्षुब्ध हैं और आगे गठबंधन चलने में परेशानी हो सकती है. आरसीपी सिंह, पवन वर्मा, प्रशांत किशोर के साथ क्या हुआ और क्यों हुआ यह पूरा देश जानता है. अब बिहार में भूमिहार समाज को लेकर जो बवाल मचा हुआ है और उसके केंद्र में मंत्री अशोक चौधरी फंसे हुए हैं, आने वाले समय में उनके साथ क्या होगा यह भी देखने की बात होगी. लेकिन ये तमाम बातें सिक्के का एक पहलू हैं. सिक्के का दूसरा पहलू बेहद खतरनाक भी हो सकता है. क्या बीजेपी त्यागी के हटने से खुश है? त्यागी के इस्तीफे के बाद बीजेपी के किसी बड़े नेता ने कोई बयान नहीं दिया है. बीजेपी अब पहले से ज्यादा सतर्क हो गई है. अब बीजेपी जदयू की राजनीति और नीतीश के पैंतरे को गंभीरता से देख रही है. बीजेपी को लग रहा है कि अब नीतीश कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं. संभव है कि वह एनडीए से बाहर निकल सकते हैं. नीतीश कुमार आगे क्या कुछ करते हैं इसको लेकर इंडिया के लोग भी सतर्क हैं. याद रखिये अभी चार राज्यों में चुनाव होने हैं. हरियाणा और जम्मू कश्मीर में चुनाव की घोषणा हो चुकी है. इसी महीने के अंत में यहां चुनाव होने हैं. इसके बाद महाराष्ट्र और झारखंड में भी चुनाव होने हैं. हो सकता है कि इसी साल बिहार और दिल्ली का चुनाव भी हो जाए.

> दिल्ली में रहकर नीतीश कुमार के आंख, कान बने रहे और सबसे बड़ी बात कि नीतीश कुमार केंद्र सरकार से लेकर इंडिया वालों को अगर कोई सन्देश देना चाहते थे तो उसे त्यागी जी अपने बयानों से पूरा करते रहे. त्यागी जी और नीतीश कुमार के इस बॉन्डिंग को बिहार के लोग भी जानते हैं और दिल्ली के राजनीतिक गलियारे के लोग भी जानते हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अस्थिरता के बीच बांग्लादेश की बाढ़-आपदा

• देशांतर

रूना साहा

राजनीतिक अस्थिरता के बीच बंगलादेश बाढ़ की आपदा का शिकार है. प्राकृतिक आपदाएं किसी भी देश या समाज के लिए भयानक एवं हानिकारक होती हैं. यह आपदा लोगों के जीवन और अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचाती है. बांग्लादेश अपनी भौगोलिक स्थिति, भूवैज्ञानिक संरचना और जनसंख्या घनत्व के कारण दुनिया के सबसे अधिक आपदाग्रस्त देशों में से एक है.बांग्लादेश में कमोबेश हर साल प्राकृतिक आपदाएं आती हैं. बाढ़ उनमें से एक है. विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 3.5 प्रतिशत भाग बाढ़ प्रवण क्षेत्र है. दूसरी ओर, दुनिया की कुल आबादी का लगभग 16.5 प्रतिशत हिस्सा बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में रहता है. बांग्लादेश में बाढ़ ने पहले भी खासकर 1966, 1988, 1998, 2004, 2008, 2017 और 2022 में कहर बरपाया है.अगस्त 2024 में, भारी बारिश और ऊपर से पानी आने से देश के पूर्वी हिस्से के बड़े इलाके जलमग्न हो गए. दस लाख परिवार जलमग्न हो गये और पीड़ितों की संख्या 56 लाख से अधिक है. कई विशेषज्ञों ने इसे स्मृति में विनाशकारी बाढ़ कहा है.

ग्रांथम रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑन क्लाइमेट चेंज एंड द एनवायरनमेंट और सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज इकोनॉमिक्स द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में बाढ़ से हर साल बांग्लादेश का लगभग 55-60 प्रतिशत हिस्सा जलमग्न हो जाता है और एक अरब डॉलर के बराबर नुकसान होता है. उदाहरण के लिए, अनुमान है कि 2022 की बाढ़ से एक अरब डॉलर की क्षति हुई और 7.3 मिलियन लोग प्रभावित हुए. वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक में बांग्लादेश की स्थिति पहले से ही संतोषजनक स्तर पर नहीं है. ऊपर से बाढ़ के कारण खाद्य सुरक्षा को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. इस बाढ़ में धान की 2 लाख 91 हजार 33 हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है. 19,680 हेक्टेयर अमन बीज क्यारियां विकसित की गईं, जो पूरी तरह से संक्रमित थीं. पिछले सीज़न के राष्ट्रीय औसत (बीबीएस पिछले सीज़न के उत्पादन औसत) के आधार पर, इस भूमि की मात्रा से कम से कम 841,234 मीट्रिक टन चावल का उत्पादन होने की उम्मीद है. कृषि विभाग का कहना है कि 12 जिलों के प्रभावित धान के खेतों में चावल का उत्पादन पूरी तरह से खराब हो सकता है. अर्थव्यवस्था पहले से ही महंगाई के दबाव में है. बाढ़ दीवार पर झटके की तरह है. व्यवसायियों का एक वर्ग आपदा की आशंका में वस्तुओं की कीमत बढ़ाकर कृत्रिम संकट पैदा करने का प्रयास करता है. बाढ़ नियंत्रण के साथ-साथ बाजार नियमन में कड़ी निगरानी एक बड़ी चुनौती है. 2024 में दो बाढ़ों के कारण सिलहट पर्यटन उद्योग ठप हो गया है. सिलहट होटल मोटल रिज़ॉर्ट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा, नुकसान से निपटने में असमर्थ, कई लोग अब होटल बेचने और कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बारे में सोच रहे हैं. कोरोना के कारण लंबी मंदी के बाद सेक्टर थोड़ा संभलने की कोशिश कर ही रहा था कि बाढ़ आ गई. इसके अलावा बाढ़ से प्रभावित हजारों शैक्षणिक संस्थानों के पुनर्निर्माण और मरम्मत से चालू वित्तीय वर्ष में शिक्षा क्षेत्र के विकास बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा. जैसे-जैसे परिवहन और संचार प्रणालियां बाधित होती हैं, आपूर्ति शृंखलाएं बाधित होती हैं. आपूर्ति में कमी के कारण लगभग हर वस्तु की कीमतें बढ़ रही हैं. चटगांव में एक किलो कच्ची मिर्च की कीमत 1000 टका से भी ज्यादा हो गई है. चिड़ा, मुरी, बिस्कुट या सूखे भोजन की कमी के साथ-साथ कीमतें भी बढ़ गई हैं. अर्थव्यवस्था पहले से ही महंगाई के दबाव में है, बाढ़ दीवार पर झटके की तरह है. बाढ़ से निपटने के अलावा बाजार नियमन में कड़ी निगरानी भी एक बड़ी चुनौती है. बाढ़ के कारण देश की अर्थव्यवस्था पर इतना बुरा असर पड़ने से लोगों की चिंता बढ़ गई है. बाढ़ से डायरिया, निमोनिया, बुखार, सर्दी, खांसी और त्वचा रोग होते हैं. बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में साफ़ पानी की कमी गंभीर हो जाती है और जल-जनित बीमारियां फैलती हैं. पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल वितरण में व्यवधान स्वास्थ्य अर्थव्यवस्था में नए संकट पैदा कर सकता है. हाल ही में आई बाढ़ को सबसे भीषण आपदा माना जाता है.

> वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक में बांग्लादेश की स्थिति पहले से ही संतोषजनक स्तर पर नहीं है. ऊपर से बाढ़ के कारण खाद्य सुरक्षा को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. इस बाढ़ में धान की 2 लाख 91 हजार 33 हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है. 19,680 हेक्टेयर अमन बीज क्यारियां विकसित की गईं, जो पूरी तरह से संक्रमित थीं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

समय पर न्याय के लिए ठोस प्रयास जरूरी

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है. संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिए बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए. लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है. सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है. उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिए बड़ी चुनौती है. इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था, ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके. निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं. लेकिन यहां विचारणीय प्रश्न यह भी कि जिला स्तर पर न्यायालयों में लंबित मामलों का ग्राफ लगातार क्यों बढ़ता जा रहा है. जिला अदालतों में साढ़े चार करोड़ मामलों का लंबित होना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए. जिसके लिए न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है. वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है. जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है. दरअसल, कुछ समाजशास्त्री मानते रहे हैं कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की वजह वह जटिल व्यवस्था भी है, जिसके चलते अपराधी बच निकलने का रास्ता निकाल लेते हैं. किसी भी वारदात के बाद आम विमर्श का विषय होता है कि अपराधियों में पुलिस व कानून का भय नहीं रह गया है. कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा.

(द ट्रिब्यून)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

राग/लय/ताल

अधरों में राग अमंद पिये, अलकों में मलयज बंद किये, तू अबतक सोयी है आली, आंखों में भरी विहाग री. बीती विभावरी जाग री. ये महाकवि जयशंकर प्रसाद द्वारा विरचित पंक्तियां हैं, जिसमें नायक अपनी निद्रामग्न प्रेयसी के सौंदर्य पर मुग्ध हो रहा है. प्रेयसी ने अपने अधरों पर अमंद राग का पान कर लिया है और अलकों में मलय पवन को बंद कर रखा है, जो आंखों में विहाग भर कर अभी तक सो रही है. विहाग शृंगार रस प्रधान राग है और रात्रि के दूसरे प्रहर में गाया जाता है. राग अनेकार्थक शब्द है और उनमें से एक ही अर्थ है, जिसका संबंध संगीत से होता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार राग संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है किसी खास धुन में बैठाये स्वर का ढांचा. इसी अर्थ का विस्तार संगीत शास्त्र में मिलता है. राग के अन्य अर्थों में प्रेम, अनुराग, महावर, मोह, ईर्ष्या भी होता है. राग का विलोमार्थक शब्द द्वेष होता है. यानी दोस्ती का उल्टा दुश्मनी. राग से बने इस मुहावरे को देखिए. अपना राग अलापना. मतलब अपनी ही बात कहते जाना. न किसी से राग और न किसी से द्वेष यानी ना काहू से दोस्ती, ना काहू से वैर. राग से अनेक शब्दों की व्युत्पत्ति होती है. जैसे राग-चूर्ण मतलब कामदेव, लाख, खैर का पेड़. राग-रंग मतलब गाना-बजाना, आनंद मंगल. अर्थ के मामले में लय का भी बहुत हद तक राग का ही हाल है. यानी लय का एक अर्थ गाने की धुन की गति और उतार-चढ़ाव, गायन शैली और स्वर है. इसके अलावा लय का मतलब इस प्रकार है एक वस्तु का दूसरी में समा जाना, विलय, मिलकर एक हो जाना, ध्यानमग्नता, एकाग्रता, स्थिरता. ताल भी तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब करतल ध्वनि, वाद्ययंत्रों से निकलने वाली लयबद्ध ध्वनि, गायन, वादन और नर्तन में निश्चित मात्राएं. इसके साथ ही ताल का मतलब तालाब या ताड़ का वृक्ष भी होता है.

डेंगू-प्रसारी मच्छर सुंदरी से मधुर मिलन

• तीर-तुक्का

डॉ. रामवृक्ष सिंह

एक दिन डेंगू फैलाने वाली मच्छर सुंदरी दिन-दहाड़े हमारे आस-पास मंडराने और मध्यम सुर में गुनगुनाने लगी. उसकी नीयत हमें कुछ अच्छी नहीं लगी. हमने रोककर पूछा- 'क्या बात है बेन? आज बड़े चक्कर काट रही हो. आखिर इरादा क्या है?' मच्छर सुंदरी बिहारी की प्रगल्भा नायिका की तरह बड़ी घाघ निकली. चहक कर बोली-'इधर खूब खाया-पिया है आपने. जिम-विम जाकर खूब मसल्स भी बना लिए हैं. त्योहारों के मौसम में हीमोग्लोबीन काउंट भी मस्त हो गया है आपका. इसलिए सोचती हूं कि थोड़ा-सा खून पी लिया जाए. सच्ची, मजा आ जाएगा.' हमें काटो तो खून नहीं. मोटी आय वालों से सरकार भी मोटी दर पर आय-कर वसूलती है. राजनीतिक पार्टियों वाले मोटे सेठों से मोटा चंदा वसूल ले जाते हैं. अब ये मादा डेंगू मच्छर भी मोटे-ताजे लोगों को पहचानने लगी है. साफ पानी में रहती है. दिन-दहाड़े बींधती है और खाते-पीते आदमी को अपना शिकार बनाती है. ये तो हद्द हो गई. हमने मच्छर सुंदरी को बतरस में डुबाकर बरगलाने की कोशिश की- 'अरे बेन! इस गरीब के पास तुम्हें क्या मिलेगा! हिन्दी की सेवा करता है. रूखी-सूखी खाता है और अपनी मस्ती में रहता है. इस फूले हुए शरीर पर मत जाओ. ये तो सब हमारी मां का चमत्कार है, जिसने पांच साल का होने तक हमें अपना दूध पिलाया और उसके बाद बकरी और भैंस का दूध पिला-पिला कर हमें इतना मोटा-ताजा बना दिया. सच कहें तो हमारे खून में वो शिफा नहीं, जिसकी तुम्हें तलाश है.' मच्छर सुंदरी ने बड़ी शरारत से हमें देखा. उसको सहसा हमारी बात पर यकीन नहीं आया. फिर भी, वह थोड़ी देर के लिए थमी और भिनभिनाते हुए बोली- 'मैंने देश के बड़े-बड़े लोगों का खून पीकर देख लिया है. सबकी रगों का खून काला हो चुका है. और जिनका काला नहीं हुआ, उनका सफेद हो गया है.' हमें लगा कि मच्छर सुंदरी हमें मुहावरे सुनाकर लुभाना-रिझाना चाहती है. लेकिन इन मुहावरों के चक्कर में ही तो हमें हिन्दी से प्रेम हो गया और प्रेम-प्रेम में बहुत दूर चले आए तो पेट पालने के लिए झक मारकर हिन्दी अधिकारी बनना पड़ा. लिहाजा हमने उसे सच्ची बात समझाने की कोशिश की- 'अरे बेन, बात को समझा करो. उनका खून चाहे काला हो या सफेद. उसमें प्लेटलेट्स खूब सारे हैं. वे लोग खूब गिजा खाते हैं. चैन से एसी में रहते हैं.

शिक्षक दिवस विशेष

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

अगर आप सोचते हैं कि सभी शिक्षक एक जैसे होते हैं, तो जनाब, आप गलत हैं. स्कूलों में ऐसे-ऐसे अनमोल रत्न (शिक्षक) होते हैं, जिनकी विशेषताएं सुनकर आप दंग रह जाएंगे. आइए, शिक्षकों की मजेदार दुनिया में कदम रखते हैं, और इनके अद्भुत गुणों से रूबरू होते हैं

मूल मंत्र : तो देखा आपने, शिक्षक भी कितनी वेराइटी के होते हैं। यही शिक्षक तो हमारे जीवन के सफर को यादगार बनाते हैं. शिक्षक चाहे जैसे हों, उन्हें सम्मान देना हमारा फर्ज बनता है. शिक्षक का सम्मान करना स्वयं का सम्मान करना है, क्योंकि शिक्षक ही हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं. जॉन उडेन का कहना है – शिक्षण का पेशा हमारे समाज की नींव को मजबूत बनाने वाला स्तंभ है. एक शिक्षक अपने ज्ञान और मूल्यों के बीज से भविष्य की पीढ़ियों का निर्माण करता है. इसलिए, समाज के विकास और सुधार में शिक्षकों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण होता है.

शिक्षकों की मजेदार दुनिया

1. **जोशीले शिक्षक** – इन्हें पढ़ाने में मजा आता है. पूरे जोश से पढ़ाते हैं, चाहे पहला पीरियड हो या अंतिम पीरियड. इनके पास ऐसे-ऐसे इनोवेटिव आइडियाज होते हैं कि छात्रों को कभी बोरियत का अहसास नहीं होता. इनकी क्लास में वक्त कब बीत जाता है, पता ही नहीं चलता. छात्र इनकी क्लास करने के लिए आतुर रहते हैं. और हां, इनका समझाने का तरीका गजब का होता है. कठिन से कठिन लेसन को बहुत आसानी से समझा देते हैं. आश्चर्य की बात नहीं कि ये छात्रों में काफी लोकप्रिय होते हैं.

2. **पारंपरिक शिक्षक** - ये शिक्षक दिखने में बिल्कुल वैसे लगते हैं, जैसे किसी पुराने हिंदी फिल्म के क्लासिक 'मास्टरजी'. उनकी तीन शर्ट और तीन पैंट का चक्र कभी नहीं टूटता, और जूते या चप्पल की बात करें, तो वह भी हमेशा वही होते हैं. महिला शिक्षकों के मामले में, थोड़े-बहुत सिंपल मेकअप के साथ यह स्पष्ट हो जाता है कि सादगी ही उनका मूल मंत्र है. इनको देखकर दिल में अपने आप आदर उमड़ आता है, लेकिन अफसोस, ये अपने शिक्षण शैली में थोड़ा भी बदलाव नहीं लाते. घिसे-पिटे तरीके से पढ़ाते हैं, जिन्हें समझना है, समझे, नहीं समझना है, मत समझे, अपनी बला से.

3. **हरफनमौला और सक्रिय शिक्षक** - ये शिक्षक ऐसे हैं, जिन्हें देखकर अपने आप जुबान कह उठता है - वाह क्या बात है. ये मल्टी-टैलेंटेड होते हैं. ये गा सकते हैं, नाच सकते हैं, और स्कूल के हर कार्यक्रम में लीड लेते हैं - चाहे वह एजूकेशनल हो या कल्चरल. स्कूल टीम को पूरी जिम्मेदारी के साथ बाहर लेकर जाते हैं. यदि स्कूल का कोई दौरा हो, तो ये अपने स्कूल के साथ जाते हैं और छात्रों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं. स्कूल का कोई भी फंक्शन हो, इनके बिना अधूरा है. इन्हें देखकर लगता है कि ये शिक्षक नहीं, बल्कि मंच के सुपरस्टार हैं. प्रबंधन भी इनकी तारीफों के पुल बांधता है, जैसे ये स्कूल की शान हों.

4. **डींग हांकने वाले शिक्षक** - "अरे, मैंने पता नहीं कितने इंजीनियर, डॉक्टर, आइएएस बना डाले हैं, मैंने बड़े-बड़े सेलेब्रिटीज को पढ़ाया है!" ऐसे वाक्य इनके मुंह से सुनना आम बात है. इन्हें अपनी तारीफ करने का ऐसा शौक है कि छात्रों को पढ़ाने के बजाय ये खुद के गुण गाने में व्यस्त रहते हैं. ये ऐसा शो ऑफ करते हैं कि इन्हें सबकुछ आता है. सभी इनकी फेंकू प्रवृति से वाकिफ रहते हैं इसलिए कोई इनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता, और इसका इन्हें बड़ा मलाल रहता है.

स्टाइलिश शिक्षक

अब आते हैं उन शिक्षकों पर जो फैशन के मामले में किसी मॉडल से कम नहीं होते. ये शिक्षक जब क्लास में आते हैं, तो छात्रों का ध्यान इनके पढ़ाने से ज्यादा इनके कपड़ों और स्टाइल पर होता है. उनके पास नए-नए कपड़े, शानदार जूते और मॉडर्न हेयरस्टाइल होते हैं. लड़के हों या लड़कियां, इनकी स्टाइल पर फिदा रहते हैं. इनके चलते बच्चों को भी स्टाइलिश बनने की प्रेरण मिलती है. जब ये पढ़ाने से ज्यादा फैशन पर ध्यान देते हैं, तब बच्चे इनका उपनाम देने से नहीं चूकते.

5. **हिटलर शिक्षक** - इनकी कक्षा में घुसते ही छात्रों की धड़कनें तेज हो जाती हैं और चेहरे का रंग उड़ जाता है. ऊंची आवाज में डांटना, क्लास के बाहर खड़ा देना-इनका फेवरिट काम होता है. 'बिहैव योरसेल्फ' और इस तरह के चंद वाक्य इनके फेवरेट डायलॉग होते हैं. छात्रों को ऐसा लगता है कि ये शिक्षक नहीं, बल्कि किसी आर्मी के कर्नल हैं. लेकिन सच कहा जाए, तो इनका अनुशासन भविष्य में बड़ा काम आता है, और जीवन को सफल बनाता है.

6. **बोरिंग शिक्षक** - एक तो इनका व्यक्तित्व ही बहुत कमजोर होता है, दूसरे पढ़ाने के प्रति भी ये उतने ही उदासीन रहते हैं. इनकी क्लास में खूब हल्ला होता है, जिसे ये कंट्रोल नहीं कर पाते. इनके पढ़ाने का तरीका ऐसा होता है कि घड़ी की सुइयां भी थक जाती हैं. इनके बोलने का लहजा और रफ्तार इतनी धीमी होती है कि छात्रों का ध्यान कब सपना देखने में लग जाता है, पता ही नहीं चलता. इनकी क्लास में जागते रहना किसी तपस्या से कम नहीं.

7. **गंदी मछली** - अब आते हैं उस प्रजाति पर, जो स्कूल के पूरे वातावरण को दूषित करते हैं. इनका काम होता है छात्रों को भड़काना, संगठन की बुराई करना, और प्रिंसिपल से बहस करना. ये स्कूल का माहौल खराब करने में पूरी तरह माहिर होते हैं, और छात्रों को भी अपने राजनीतिक खेल में उलझा कर रखते हैं. इतना ही नहीं कुछ शिक्षक पान-गुटखा खाने के आदी होते हैं और अक्सर क्लास में गुटखा खाकर पहुंच जाते हैं.

8. **चापलूस शिक्षक** - ये वो लोग हैं, जो अपने जीवन का मकसद ही चापलूसी मानते हैं. प्रिंसिपल और संगठन की चापलूसी में ये इतने व्यस्त रहते हैं कि शिक्षा तो कहीं पीछे छूट जाती है. इनकी खासियत यह है कि ये जासूस की तरह स्कूल में घूमते रहते हैं, और हर किसी की खबर रखते हैं.

9. **गार्जियन शिक्षक** - ये शिक्षक छात्रों को अपने बच्चों की तरह मानते हैं. वे उन्हें बेटा-बेटी कहकर पुकारते हैं और उनकी भलाई के लिए हमेशा चिंतित रहते हैं. छात्रों की व्यक्तिगत समस्याओं को सुलझाने में भी ये शिक्षक आगे रहते हैं. ये छात्रों की हर छोटी-बड़ी समस्या पर ध्यान देते हैं और उन्हें सही मार्ग दिखाते हैं. इन्हें छात्रों से बहुत लगाव होता है और छात्र भी इनके लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार रहते हैं.

10. **टेक्नो गुरु** - ये शिक्षक आधुनिक युग के प्रतिनिधि हैं. लैपटॉप, प्रोजेक्टर, स्मार्ट बोर्ड का सही उपयोग यही लोग करते हैं. ये हर तरह के टेक्नीकल काम में एक्सपर्ट रहते हैं. लैपटॉप काम नहीं कर रहा, प्रोजेक्टर में कोई प्रॉब्लेम आ गया हो, स्मार्ट बोर्ड में कुछ समझ में नहीं आ रहा - तो इनकी खोज आरंभ हो जाती है. फिलहाल स्कूल में सबसे ज्यादा डिमांड में यही शिक्षक हैं. इनकी क्लास में ऐसा लगता है जैसे आप किसी साइंस फिक्शन फिल्म के सेट पर हैं. गूगल और विकिपीडिया इनके सबसे अच्छे दोस्त होते हैं, और ये हर सवाल का जवाब एक शानदार पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए देते हैं. इनके साथ पढ़ाई करना मतलब है कि आप न सिर्फ किताबों से, बल्कि तकनीक की दुनिया से भी जुड़ रहे हैं. ये शिक्षक आपके भविष्य को संवारने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं.

शिक्षकों को ग्रेड या उपनाम देना कितना सही?

शिक्षक तो हमेशा छात्रों को ग्रेड देते हैं, पर क्या हो जब शिक्षक को छात्र ग्रेड दें. वहीं कई बार पीठ पीछे ही सही शिक्षकों को कुछ मजाकिया नाम भी दे दिया जाता है. कितना सही है शिक्षकों की ग्रेडिंग या उन्हें उपनाम देना, जब पूछा हमने ये सवाल तो सामने आए ये जवाब...

पूछे गए सवाल

प्रश्न 1 : क्या शिक्षकों को मजाकिया या अजीब सा नाम देना सही है?

प्रश्न 2 : क्या हर छह महीने या एक साल में शिक्षकों को उनके पढ़ाने पर छात्रों द्वारा ग्रेड दिया जाना चाहिए?

अरिशा परवीन
बीबीए, सेमेस्टर 2

1. मेरे हिसाब से शिक्षकों को अजीब नाम देना सही नहीं है क्योंकि वे हमारे गुरु हैं, हमारे मित्र नहीं. अगर हम उन्हें अजीब नाम देते हैं, तो यह उनके सम्मान को ठेस पहुंचाने जैसा है. हमें उनका उपहास करने का कोई अधिकार नहीं है.

2. मेरे विचार से छात्रों को शिक्षकों को ग्रेड नहीं देना चाहिए क्योंकि हर शिक्षक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देता है. शिक्षक अपने छात्रों को उज्ज्वल भविष्य देने के लिए मोमबत्ती की तरह जलते हैं. चाहे छात्र कितनी भी ऊंचाई पर पहुंच जाएं, शिक्षकों का स्थान उनसे ऊंचा होता है.

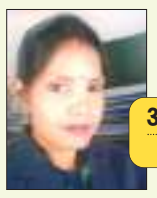

आकृति कुमारी सिंह
शिक्षिका

1. शिक्षक को उपनाम से पुकारना उचित नहीं है. ऐसा करने से उनका स्वाभिमान आहत होता है. यह उनके द्वारा दी गई शिक्षा और आदर्श का अपमान करने जैसा है. यह हमारे स्वयं की शिक्षा और व्यवहार पर भी सवाल खड़े करता है.

2. हर शिक्षक के पढ़ाने का तरीका अलग होता है. अगर आप उन्हें ग्रेड देते हैं, तो इसका मतलब है कि आप उनकी शिक्षा का मूल्यांकन कर रहे हैं, जो उचित नहीं है. हमें उनकी शिक्षा पर भरोसा करना चाहिए और उन्हें वह सम्मान देना चाहिए जिसके वे हकदार हैं.

सुहानी कुमारी
उर्सुलाइन इंटरमीडिएट कॉलेज, रांची (आर्ट्स स्ट्रीम)

छात्रों को शिक्षकों को ग्रेड जरूर देना चाहिए. इससे कक्षा का माहौल सीखने के लिए अनुकूल बनता है और उन शिक्षकों की पहचान हो सकती है जो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं. उन्हें अपने पढ़ाने के तरीके में सुधार करने का मौका मिलेगा.

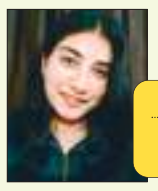

साइमन जैसवाल
सेंट फ्रांसिस स्कूल
12वीं पास

शिक्षकों को मजाकिया उपनाम देना बिल्कुल भी अच्छी आदत नहीं है. यह हमारी परवरिश और हमारे द्वारा पले-बढ़े माहौल को भी दर्शाता है. शिक्षकों को उनकी पढ़ाने, शिक्षा देने और जीवन के सबक सिखाने के बदले में सम्मान मिलना चाहिए.

2. हां, छात्रों को शिक्षकों को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए हर साल उन्हें ग्रेड देना चाहिए. शिक्षक बहुत विद्वान होते हैं, लेकिन कभी-कभी उनके समझाने का तरीका सही नहीं होता. बहुत से छात्रों को उनका पढ़ाया समझ में नहीं आता. ग्रेडिंग और फीडबैक से शिक्षकों को अपनी कमजोरी का पता चल सकता है.

अभिलाषा मिश्रा
डिप्लोमा, सिविल

1. शिक्षकों को अजीब नाम देना सम्मानजनक नहीं है. शिक्षकों को छात्रों का मार्गदर्शन करने की उनकी भूमिका के लिए सम्मान मिलना चाहिए. किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना बहुत बुरी बात है. शिक्षकों के प्रति सम्मानजनक रवैया रखना जरूरी है.

2. छात्र शिक्षकों को सालाना ग्रेड दे सकते हैं, जिससे शिक्षकों को सुधार के लिए मूल्यवान प्रतिक्रिया मिल सकती है. यह उन्हें अपनी शिक्षण पद्धति में सुधार करने का अवसर भी देगा और उन्हें अपने टीचिंग स्किल को इम्प्रूव करने का दबाव बनाएगा.

शांति मिश्रा
गृहिणी

1. हमें शिक्षकों को अजीब नाम नहीं देना चाहिए क्योंकि शिक्षक बहुत सम्मानित व्यक्ति होते हैं. वे हमें ज्ञान और शिष्टाचार सिखाते हैं, हमारे करियर को बनाने में सहायक होते हैं. इसलिए, हम उन्हें अजीब नाम देकर उनका अपमान नहीं कर सकते.

2. छात्रों को शिक्षकों को सालाना ग्रेड देना चाहिए क्योंकि इससे शिक्षकों की शिक्षण पद्धति में सुधार होगा. वर्तमान में, कई शिक्षक यह नहीं समझ पाते कि वे कहां गलती कर रहे हैं. इस प्रक्रिया से उन्हें यह जानने में मदद मिलेगी और वे अपने शिक्षण में सुधार कर सकेंगे.

प्रिया माहेश्वरी
छात्रा

जो शिक्षक अच्छा पढ़ाते हैं, उनका कभी कोई मजाकिया नाम नहीं रखा जाता. आमतौर पर, ऐसे शिक्षक का उपनाम होता है जो ठीक से नहीं पढ़ाते या जो छात्रों से बहुत कठोरता से पेश आते हैं. गुटखा-पान खाकर कक्षा में आने वाले शिक्षकों को उपनाम देना स्वाभाविक है.

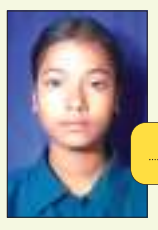

प्रीति कुमारी
छात्रा

मेरे हिसाब से, हां, छात्रों को शिक्षकों को ग्रेड देना सही है. इससे शिक्षक जान सकते हैं कि वे स्वयं कैसे सुधार कर सकते हैं. छात्रों को अपनी पढ़ाई के लिए उपयुक्त शिक्षकों का चयन करने का मौका भी मिलेगा.

...और इस तरह गुरु जी ने बदल दी जिंदगानी

जिंदगी में कुछ मोड़ ऐसे आते हैं जहां से आगे का रास्ता नहीं सूझता. तब कभी कभी शायद पूर्वकृत कर्मों के परिणाम से किसी ऐसे गुरु से मुलाकात होती है जो लाइफ में यू टर्न ले आते हैं. आज ऐसे ही गुरुओं से मुलाकात और उनके कारण जिंदगी में आए बदलाव की चर्चा कर रही हैं अलग-अलग क्षेत्र में मुकाम बना चुकी कुछ शख्सियत...

बिना फीस के दिया ज्ञान

किशन कुमार, नर्तक
(गुरु सिमर प्रीत सोखी के साथ)

तब मैं दिल्ली में आईएएस की तैयारी कर रहा था. नृत्य में रुचि थी, पर तय था कि नृत्य सीखने के लिए घर से पैसा नहीं मिलेगा. उन्हीं दिनों में मैं इंस्टाग्राम पर ही गुरु जी सिमर प्रीत सोखी जी से भेंट हुई. मैंने नृत्य सीखने की अपनी ख्वाहिश बताई. साथ ही निवेदन भी किया कि मैं पैसा तो नहीं दे पाउंगा. तब गुरु जी ने कहा कि फीस नहीं दोगे तो कला की कद्र नहीं करोगे. मैंने कहा कि मैं डांस सीखने में जी जान लगा दूंगा, पर पैसे देने में असमर्थ हूं.

पता नहीं मेरी बातों पर भरोसा हुआ या क्या, पहली क्लास उन्होंने ऑनलाइन ली जिसमें मुझे शरीक होने का मौका दिया. उसके बाद लगातार शिक्षा दी. आज उनकी बदौलत नृत्य के फील्ड में ही मैं अपनी पहचान बना रहा हूं और यही मेरी आजीविका है. लेकिन आज तक गुरुजी ने मुझसे एक पैसा बतौर फीस नहीं लिया. गुरुजी से मिल कर ही जान पाया कि पैसा से हर चीज नहीं तौली जा सकती, पैसा सब कुछ नहीं है.

गुरु जी की बदौलत आज आत्मनिर्भर हूं

सच्चिदानंद तिवारी
एडवोकेट

मनीषा रानी
एडवोकेट

उन दिनों व्यक्तिगत जिंदगी से जुड़े किसी मुकदमे में लगी थी. जिंदगी से हताश थी जब न पैसे पास थे और न परिजनों का सहयोग. जिंदगी जीने की चाहत शेष नहीं बची थी. उस वक्त मुकदमे में मदद के लिए ही महिला समिति गई थी जहां अपने गुरु एडवोकेट सच्चिदानंद तिवारी की धर्मपत्नी से मुलाकात हुई. जब उन्होंने मेरी समस्या सुनी तो अपने पति से मिलने की सलाह दी. मैं उनसे मिली और उसके बाद यकीन मानिए मेरी जिंदगी बदल गई.

जब सर के पास बैठी तो उन्होंने मेरा आत्मविश्वास जगाया, मुझे मेरी शिक्षा पूरी करने के लिए प्रोत्साहित किया. मैं अपना मुकदमा तब लड़ना नहीं चाहती थी और कोर्ट से बाहर समझौता करना चाहती थी. सर ने कहा कि तुम मुकदमा को अपने गति चलने दो, जब समय होगा, समझौते की बात भी करेंगे, पर पहले तुम खुद को संभालो. लोगों की निगेटिव बातों को अपनी ताकत बनाओ. अपनी शिक्षा, अपने संस्कारर और पारिवारिक वैल्यू पर भरोसा करो. करियर बनाओ, क्योंकि पैसा कमाना तुम्हारे लिए जरूरी है. उन्होंने अपने ही ऑफिस में मुझे काम दिलाया, कमाने के अवसर दिलाए. कभी उन्होंने या उनके परिवार ने ऑफिस के कनिष्ठ की तरह नहीं देखा मुझे, बल्कि परिवार की बेटी का सम्मान-प्यार दिया. मेरे सुख-दुख, छोटी-बड़ी बातों में मेरे सहयोगी रहे. परिवार से मेरा जुड़ाव बढ़ाया. आज तक कभी वे किसी के गारेन्टर नहीं रहे थे, पर मेरे लिए बैंक के गारन्टर बने और मुझे लोन पर स्कूटी दिलवाई. इतना ही नहीं, उन्होंने खुद मुझे स्कूटी चलानी भी सिखाई. कहा, आत्मनिर्भरता के लिए यह जरूरी है. इस तरह आज यदि मैं ससम्मान जिंदगी जी रही हूं, अपने पांवों पर खड़ी हूं तो इसमें मेरे गुरुजी का ही योगदान है.

बात नहीं मानने का ताउम्र रहेगा पछतावा

वीना श्रीवास्तव
साहित्यकार

गुरु को सिर राखिये, चलिये आज्ञा माहिं कहैं कबीर ता दास को, तीन लोकों भय नाहिं' गुरु हमारे जीवन का वो दीप है, जो हर कदम पर हमारी राहों में व्याप्त अंधकार को दूर भगाता है. इसीलिए उसकी सीख और सुझावों को सिर-माथे रखना चाहिए. बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे बेहतरीन गुरु मिले. हां, दो बार दो गुरुओं की बात न मानकर जो नुकसान जीवन में हुआ, उसका पछतावा हमेशा रहेगा. पहली बार जब मैं मुरादाबाद में 'गोकुलदास गर्ल्स कॉलेज' में पढ़ती थी. ग्रेजुएशन में मैंने संगीत गायन लिया था. हाईएस्ट मार्क्स आए थे. मैं आदरणीय डॉ. कमलेश मैम की डार्लिंग स्टूडेंट थी. यही खिताब मिला था मुझे. मैम के प्रयास से सिंगिंग में नए टेलेंट की तलाश में रेडियो स्टेशन से टीम आई, ऑडिशन हुआ जिसमें मेरा सिलेक्शन हो गया. कई कार्यक्रमों की रिकार्डिंग हुई. मास्टर्स के बाद मैम ने कहा तुम्हारी आवाज, रेंज और समझ अच्छी है, तुम इसमें अपना करियर बनाओ. मैंने बात कर ली है और मुझे फुल फ्लैज्ड आर्टिस्ट के रूप में ज्वाइन करने को कहा. लेकिन उस समय मुझे सिविल सर्विसेज का भूत सवार हुआ कि सब छोड़कर मैं उसमें लग गई, प्री. तीन बार निकाला. इंटरव्यू भी दिया. फाइनल लिस्ट में छह न. से रह गई.

दूसरा दुख डॉ. पी.एन. टंडन सर की बात न मानने का है. जॉब के साथ हिंदी में एम.ए. किया. शादी के बाद दिल्ली आ गई थी, इसलिए रेगुलर पीएचडी करना मुश्किल था. उन्होंने कानपुर विवि में बात कर ली. वहां से पीएचडी करने के लिए कहा. लेकिन मैं नहीं कर सकी. जिसका आजतक पछतावा है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

दलीप ट्रॉफी में इशान का खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफ़ी के पहले मैच में इशान किशन का खेलना मुश्किल नज़र आ रहा है. उन्होंने शायद एक हैमस्ट्रिंग इंजरी के बारे में चयनकर्ताओं और प्रबंधन को सूचित किया है. इस महीने की शुरुआत में वह बुची बाबु टूर्नामेंट के दौरान झारखंड की तरफ़ से खेल रहे थे. ऐसा प्रतीत होता है कि यह चोट शायद उसी टूर्नामेंट के दौरान उन्हें लगी थी. दलीप ट्रॉफ़ी में किशन को इंडिया डी में रखा गया है, जिसके कप्तान श्रेयस अय्यर हैं. फ़िलहाल के लिए इंडिया डी ने किसी भी रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की है. उनकी टीम में अब केएस भरत के रूप में एकमात्र विकेटकीपिंग विकल्प है. इंडिया डी का पहला मुक़ाबला इंडिया सी के साथ है,जिसकी कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ करेंगे. किशन मैच की पूर्व संध्या तक टीम में शामिल नहीं हुए थे. किशन की चोट की गंभीरता के आधार पर उनके रिप्लेसमेंट पर निर्णय लिया जा सकता है. बुधवार दोपहर तक आधिकारिक तौर पर किसी भी रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की गई थी. इस बीच यह भी ख़बर है कि इंडिया ए को तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा के बिना ही खेलना होगा, जो क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं.

आरआर के मुख्य कोच बन सकते हैं आर द्रविड़

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ आईपीएल 2025 से पहले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के साथ बतौर मुख्य कोच जुड़ सकते हैं. इस साल जून में बारबाडोस में 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीतने के बाद भारत की पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया था. टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ का कोचिंग कार्यकाल भी सफल रहा है. उनकी देखरेख में ही भारत ने टी-20 विश्व कप 2024 जीता था. इसी के साथ टीम इंडिया के साथ उनके कोचिंग कार्यकाल का अंत यादगार रहा. ईएसपीएन क्रिकइन्फो को पता चला है कि द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और बड़ी नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रिटेंशन पर भी फ्रेंचाइजी के साथ उनकी चर्चा हो चुकी है. टीम के मौजूदा कप्तान संजू सैमसन का द्रविड़ के साथ लम्बे समय से पेशेवर रिश्ता रहा है.

चयन समिति में अंकोला की जगह रत्रा शामिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय रत्रा को पुरुष चयन समिति में नए सदस्य के तौर पर शामिल किया है.रत्रा अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति में सलिल अंकोला की जगह लेंगे और बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज को देखते हुए पद संभालेंगे. पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रत्रा के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय का काफी अनुभव है.परंपरा के अनुसार सभी पांच चयनकर्ता अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं और अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली समिति में रत्रा उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे. पिछले साल अगरकर को मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किए जाने के बाद चयन पैनल में पश्चिम क्षेत्र से दो चयनकर्ता थे.

दलीप ट्रॉफ़ी के पहले राउंड के बाद बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टेस्ट टीम का ऐलान संभव

रेड बॉल टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी 2024 का रोमांच आज से होगा शुरू

सभी मैच बेंगलुरु और अनंतपुर में खेले जायेंगे

एजेंसी। नयी दिल्ली

दलीप ट्रॉफी 2024 की शुरुआत पांच सितंबर से होने वाली है. ये रेड बॉल टूर्नामेंट दो शहरों में खेला जाएगा और दो मैच पहले ही दिन शुरू होंगे और दोनों मैच अहम होंगे, क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम का सिलेक्शन इन्हीं मैचों के आधार पर होगा. जो खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगे, उनको मौका मिलने की उम्मीद है. दलीप ट्रॉफी 2024 के मैच कर्नाटक के बेंगलुरु और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में खेले जाने हैं. इसी टूर्नामेंट के साथ भारत के डोमेस्टिक सीजन 2024-25 की शुरुआत होगी. प्रथम श्रेणी रेड-बॉल टूर्नामेंट में चार टीमें भाग लेंगी, जिनमें इंडिया ए, इंडिया बी, इंडिया सी और इंडिया डी टीम शामिल है. ये दलीप ट्रॉफी का 61वां सीजन है और इस बार नया फॉर्मेट लागू किया गया है. पहले जोन के आधार पर 6 टीमें इस टूर्नामेंट को खेलती थीं, लेकिन अब चार टीमें इस टूर्नामेंट में नजर आएंगी. इन टीमों का चयन नेशनल सिलेक्शन कमेटी ने किया है. 5 से 8 सितंबर के बीच खेले जाने वाले टूर्नामेंट के पहले मैच में टीम ए और टीम बी की भिड़ंत बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगी, जबकि टीम सी और टीम डी के बीच इसी दिन अनंतपुर के रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट स्टेडियम में मुकाबला खेला जाएगा. राउंड-रॉबिन फॉर्मेट के तहत ग्रुप फेज में हर एक टीम अन्य तीन टीमें से चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मैच खेलेंगी. इस तरह कुल छह मैच खेले जाएंगे. प्रत्येक टीम तीन मैच खेलेगी और टूर्नामेंट का विजेता सबसे अधिक अंक पाने वाले के आधार पर घोषित किया जाएगा. फाइनल इस टूर्नामेंट में नहीं होगा.

मैच का शेड्यूल

5 से 8 सितंबर	टीम ए वर्सेस टीम बी	बेंगलुरु
5 से 8 सितंबर	टीम सी वर्सेस टीम डी	अनंतपुर
12 से 15 सितंबर	टीम ए वर्सेस टीम डी	अनंतपुर
12 से 15 सितंबर	टीम बी वर्सेस टीम सी	अनंतपुर
19 से 22 सितंबर	टीम बी वर्सेस टीम डी	अनंतपुर
19 से 22 सितंबर	टीम ए वर्सेस टीम सी	अनंतपुर

ये हैं कप्तान

भारत की व्हाइट बॉल क्रिकेट टीम के उपकप्तान शुभमन गिल टीम ए की कप्तानी करेंगे, जबकि घरेलू क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन टीम बी की कप्तानी करेंगे. चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ टीम सी का नेतृत्व करेंगे और 2024 आईपीएल चैंपियन टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर टीम डी का नेतृत्व करेंगे.

ये हैं टीमें

इंडिया ए : शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा,शिवम दुबे, तनुश कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, अवेश खान, विदवथ कावेरप्पा, कुमार कुशाग्र और शास्वत रावत.

इंडिया बी : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी औरएन जगदीसन (विकेटकीपर).

इंडिया सी: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), बी इंद्रजीत, रितिकशौकीन, मानव सुथार, गौरव यादव, विशाक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर) और संदीप वॉरियर.

इंडिया डी : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, ईशान किशन (विकेटकीपर), रिकी भुई, सारांश जैन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, तुषार देशपांडे, आकाश सेनगुप्ता, केएस भरत (विकेटकीपर) और सौरभ कुमार.

भारत के पदकों की संख्या 21 पहुंची

सचिन सरजेराव ने पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा में जीता रजत

एजेंसी। पेरिस

भारत ने बुधवार को पदकों का खाता पुरुषों की एफ46 गोला फेंक स्पर्धा में खोला. सचिन सरजेराव खिलाड़ी ने 16.32 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया. सचिन बस 0.06 मीटर से स्वर्ण पदक चूक गए. सचिन ने दूसरे प्रयास में ही 16.32 मीटर का थ्रो किया था. हालांकि, वह इससे ऊपर निकलन में कामयाब नहीं हो सके. कनाडा के ग्रेग स्टीवर्ट ने 16.38 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया. इस स्पर्धा में भारत के मोहम्मद यासेर आठवें और रोहित कुमार नौवें स्थान पर रहे.गोला फेंक के फाइनल में सचिन का पहला प्रयास 14.72 मीटर, दूसरा प्रयास 16.32 मीटर, तीसरा प्रयास 16.15 मीटर, चौथा प्रयास 16.31 मीटर, पांचवां प्रयास 16.03 मीटर और छठा (आखिरी) प्रयास 15.95 मीटर का रहा. उन्होंने 16.32 मीटर के थ्रो के साथ एरिया रिकॉर्ड भी बनाया. यह भारत का पेरिस पैरालंपिक 2024 में 21वां पदक रहा. सचिन ने 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की शॉट पुट एफ46 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था.

उन्होंने 16.21 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पदक अपने नाम किया था. उन्होंने 2024 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी भाग लिया , जिसमें उन्होंने इसी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था.यासेर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास 14.21 मीटर का और रोहित का सर्वश्रेष्ठ प्रयास 14.10 मीटर का रहा. पैरा एथलेटिक्स स्पर्धाओं में एफ46 श्रेणी उन लोगों के लिए है जिनकी एक या दोनों भुजाओं की गतिविधि मामूली रूप से प्रभावित है या जिनके हाथ-पैर नहीं हैं. इन एथलीटों को कूल्हों और पैरों की ताकत से थ्रो करना होता है. महाराष्ट्र के सांगली जिले के रहने वाले सचिन स्कूली दिनों में एक दुर्घटना का शिकार हो गए थे, जिससे उन्होंने कोहनी की मांसपेशियां गंवा दी. कई सर्जरी के बावजूद वह ठीक नहीं हो सके.

पैरालंपिक में भारत के प्रदर्शन से सचिन खुश, बोले-

आपने सचमुच इतिहास रच दिया है

नयी दिल्ली ।टीम इंडिया के पूर्व महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने पेरिस में जारी पैरालंपिक गेम्स 2024 में मंगलवार 3 सितंबर को पदक जीतने वाले पांच खिलाड़ियों की तारीफ की. भारतीय खिलाड़ियों ने एक ही दिन में पांच पदक जीते और अपने पिछले रिकॉर्ड को ध्वस्त किया, क्योंकि भारत के खाते में अब पेरिस पैरालंपिक गेम्स 2024 में कुल 20 पदक हो गए हैं, जो एक पैरालंपिक में भारत के लिए सबसे ज्यादा पदक हैं. यही देखकर सचिन तेंदुलकर फूले नहीं समाए और उन्होंने भारतीय पैरा एथलीटों को बधाई देते हुए कहा कि आपने सचमुच में इतिहास रच दिया .क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने एक्स पोस्ट करते हुए लिखा, "विजयी मंगलवार! भारत ने सोमवार की गति को मंगलवार तक बरकरार रखा है और टोक्यो में 19 पदकों के अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर पेरिस पैरालिंपिक में 20 पदक जीत लिए हैं. कल के हमारे 5 पोडियम फिनिशरों को बधाई. आपने वाकई इतिहास रच दिया है.

पीएम नरेंद्र मोदी ने पैरा-एथलीटों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भारत के पैरा-एथलीट मरियप्पन थंगावेलु, शरद कुमार, सुंदर सिंह गुर्जर और अजीत सिंह को पेरिस पैरालंपिक में पदक जीतने के लिए बधाई दी. शरद कुमार और मरियप्पन थंगावेलु ने पेरिस 2024 पैरालंपिक में मंगलवार को पुरुषों की ऊंची कूद टी42 वर्ग में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते. शरद कुमार ने फाइनल में 1.88 मीटर की हाई जंप लगाई. यह उनका दूसरा पैरालंपिक पदक था. उन्होंने टोक्यो 2020 में 1.83 मीटर की दूरी के साथ कांस्य पदक जीता. 1.85 मीटर की ऊंचाई के साथ मरियप्पन थंगावेलु ने कांस्य पदक जीता. उन्होंने लगातार तीन खेलों में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पैरा-एथलीट बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि भी हासिल की. पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, "शरद कुमार ने पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की हाई जंप टी63 में रजत पदक जीता! उनकी निरंतरता और उत्कृष्टता के लिए उनकी प्रशंसा की जाती है. उन्हें बधाई. वह पूरे देश को प्रेरित करते हैं." प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, "पुरुषों की हाई जंप टी63 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर मरियप्पन थंगावेलु को बधाई. यह सराहनीय है कि उन्होंने पैरालंपिक के लगातार तीन संस्करणों में पदक जीते हैं. उनका कौशल, निरंतरता और दृढ़ संकल्प असाधारण है.

भाविनाबेन पटेल टेटे महिला एकल के क्वाफा में हारीं

पेरिस । टोक्यो पैरालिंपिक की रजत पदक विजेता भारतीय पैरा-पैडलर भाविनाबेन पटेल को बुधवार को पेरिस पैरालिंपिक 2024 में महिला एकल वर्ग 4 के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा. चीन की झोउ यिंग के खिलाफ़ एक करीबी मुकाबले वाले क्वार्टर फ़ाइनल मैच में, पटेल अंततः 12-14, 9-11, 11-8, 6-11 के स्कोर से हार गईं. पहले गेम ने मैच की दिशा तय कर दी, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी. पटेल ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी, लेकिन यिंग का कौशल अंतर साबित हुआ, चीनी पैडलर ने पहला सेट 14-12 से जीत लिया. यिंग ने दूसरे गेम में भी अपनी गति बनाए रखी, खेल पर हावी रही और 11-9 से आरामदायक जीत हासिल की. एलिमिनेशन का सामना करते हुए, पटेल ने तीसरे गेम में वापसी की और, इसे 11-8 से जीता, जिससे मैच निर्णायक चौथे गेम में चला गया. चौथे गेम में एक आशाजनक शुरुआत के बावजूद, पटेल अपनी गति को बनाए रखने में असमर्थ रहीं. यिंग ने नियंत्रण हासिल किया और 6-11 की जीत के साथ मैच को समाप्त कर दिया.

अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट : बोपन्ना-सुत्जियादी की जोड़ी बाहर

नवारो, सबालेंका व फ्रिट्ज सेमीफाइनल में

एजेंसी। न्यूयॉर्क

अमेरिका की एम्मा नवारो ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते ह ुए अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना आर्यना सबालेंका से होगा. पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाली 13वीं वरीयता प्राप्त नवारो ने मंगलवार को फ्लशिंग मीडोज में हमवतन पाउला बडोसा को 6-2, 7-5 से हराया.

नवारो क्वार्टर फाइनल के इस मैच के दूसरे सेट में एक समय पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने आखिरी छह गेम जीत कर पासा पलट दिया. उन्होंने पिछले मैच में गत चैंपियन कोको गॉफ के खिलाफ भी इसी तरह का प्रदर्शन किया था. दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका को पिछले महीने पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक जीतने वाली सातवीं वरीयता प्राप्त झेंग क्विनवेन को 6-1, 6-2 से पराजित करने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई.दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर भी इस मैच के गवाह बने. संन्यास लेने के बाद पहली बार वह दर्शक के रूप में अमेरिकी ओपन में पहुंचे थे. ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सबालेंका साल का दूसरा और कुल मिलाकर तीसरा ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने की कवायद में हैं. वह अमेरिकी ओपन में लगातार चौथी बार सेमीफाइनल में पहुंची हैं. सबालेंका पिछले साल उपविजेता रही थी. बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने मैच के बाद कहा, ''जब मैंने दर्शकों के बीच फेडरर को देखा तो मुझे लगा कि वह फ्रांसिस टियाफो और ग्रिगोर दिमित्रोव का मैच देखने के लिए पहुंचे हैं. लेकिन फिर भी मैंने तय किया कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलना है ताकि वह इसका आनंद उठा सकें.'' पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल मैच में अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने अमेरिकी ओपन में 2020 के उपविजेता अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 7-6 (2), 3-6, 6-4, 7-6 (3) से हराकर पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाई.

बोपन्ना व सुत्जियादी की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी

भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और उनकी इंडोनेशियाई जोड़ीदार अल्डिला सुत्जियादी मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में डोनाल्ड यंग और टेलर टाउनसेंड की अमेरिकी जोड़ी से 3-6, 4-6 से हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए. भारत और इंडोनेशिया की जोड़ी ने इससे पहले एक घंटे 30 मिनट से अधिक समय तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में मैथ्यू एबडेन और चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिसिकोवा को हराया था .44 वर्षीय बोपन्ना पहले ही पुरुष युगल से बाहर हो गए थे. उनकी और एबडेन की जोड़ी तीसरे दौर में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी की अर्जेंटीना की 16वीं वरीय जोड़ी से 1-6, 5-7 से हार गई थी. इससे पहले टूर्नामेंट में, सुमित नागल पुरुष एकल के पहले दौर में हार गए थे, जबकि युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी भी पुरुष युगल के अलग-अलग चरणों में हारकर बाहर हो गए थे.

संग्राम सिंह पाक के अली रजा के खिलाफ करेंगे एमएमए पदार्पण

नई दिल्ली। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) 8 सितंबर को नई दिल्ली के कन्वेंशन सेंटर के भारत मंडपम में होने वाली आगामी 44वीं ओसीए आम सभा में अपने नए नेतृत्व का चुनाव करेगी. इस अवसर पर एशियाई ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह, युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और एशिया के सभी 45 देशों के शीर्ष खेल नेता मौजूद रहेंगे. इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में पूर्व अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज और अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह को आधिकारिक तौर पर ओसीए के पहले भारतीय अध्यक्ष के रूप में घोषित किया जाएगा,

44वीं एशियाई ओलंपिक परिषद की आम सभा की मेजबानी के लिए तैयार राजधानी दिल्ली

नई दिल्ली। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) 8 सितंबर को नई दिल्ली के कन्वेंशन सेंटर के भारत मंडपम में होने वाली आगामी 44वीं ओसीए आम सभा में अपने नए नेतृत्व का चुनाव करेगी. इस अवसर पर एशियाई ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह, युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और एशिया के सभी 45 देशों के शीर्ष खेल नेता मौजूद रहेंगे. इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में पूर्व अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज और अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह को आधिकारिक तौर पर ओसीए के पहले भारतीय अध्यक्ष के रूप में घोषित किया जाएगा, जो इस साल की शुरुआत में शीर्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार के रूप में उभरे थे. इस कार्यक्रम के एजेंडे में पूर्वी एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया, दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और पश्चिम एशिया के लिए अध्यक्ष और उपाध्यक्षों का चुनाव भी शामिल है. चुनाव गुप्त मतदान द्वारा कराए जाएंगे. चुनावों से पहले रणधीर सिंह ने कहा कि नई दिल्ली में ओसीए महासभा की मेजबानी करना देश के लिए गर्व की बात है. रणधीर सिंह ने एशियाई ओलंपिक परिषद की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा, "देश की राजधानी में ओसीए महासभा की मेजबानी करना भारतीय खेल जगत के लिए बहुत सम्मान की बात है.

टेस्ट रैंकिंग पांच साल में पहली बार टॉप-10 से हुए बाहर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान

बल्लेबाजी रैंकिंग में बाबर आजम को भारी नुकसान

एजेंसी। दुबई

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में पूरी तरह फेल रहे. चार पारियों में बाबर के बल्ले से 64 रन निकले. इसका नुकसान उन्हें टेस्ट की बल्लेबाजी रैंकिंग में हुआ है. पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर टॉप-10 से बाहर हो गए हैं. दिसंबर 2019 के बाद यह पहली बार है जब बाबर टॉप 10 से बाहर हुए हैं. अभी वह 12वें नंबर पर हैं. बाबर के खराब प्रदर्शन के बाद मोहम्मद रिजवान ही एकमात्र पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं जो टॉप 10 में बने हुए हैं. वह 10वें नंबर पर हैं.

टॉप-10 में तीन भारतीय बल्लेबाज : टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप-10 में तीन भारतीय बल्लेबाज हैं. रोहित शर्मा 5वें, यशस्वी जायसवाल छठे तो विराट कोहली 7वें नंबर पर चल रहे हैं. भारतीय टीम इसी महीने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी. विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पिछली टेस्ट सीरीज में हिस्सा नहीं लिया था.इंग्लैंड के जो रूट का बल्लेबाजी चार्ट पर दबदबा कायम है. रूट के 922 रैंकिंग अंक हैं, जो दूसरे स्थान पर काबिज केन विलियमसन से 63 अंक अधिक हैं. रूट श्रीलंका के खिलाफ शानदार फॉर्म में हैं. लॉर्ड्स टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़कर रूट ने टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के मामले में एलिस्टर कुक को पीछे छोड़ते हुए एक नया इंग्लिश रिकॉर्ड बनाया है. रूट के नाम अब 34 टेस्ट शतक हो गए हैं. न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और इंग्लैंड के हैरी ब्रूक क्रमशः टॉप 5 में शामिल हैं.

बाबर ने 2022 से नहीं बनाया अर्धशतक

बाबर आजम ने दिसंबर 2022 में आखिरी बार टेस्ट में 50 से ज्यादा रनों की पारी खेली थी. लाल गेंद के प्रारूप में अपनी पिछली 16 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए हैं. 29 साल बाबर के खराब फॉर्म ने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान के प्रदर्शन को भी प्रभावित किया है. बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट में 10 विकेट तो दूसरे में 6 विकेट से हराया. इस सीरीज से पहले बांग्लादेश ने कभी पाकिस्तान को टेस्ट में नहीं हराया था.

निहाल, रुद्रांश मिश्रित 50 मीटर पिस्टल के फाइनल में नहीं बना पाए जगह

एजेंसी। चेटोरौक्स (फ्रांस)

भारत के निहाल सिंह और रुद्रांश खंडेलवाल बुधवार को यहां क्वालीफिकेशन में क्रमशः 19वें और 22वें स्थान पर रहने के बाद मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच1 फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे. निहाल 522 के कुल स्कोर के साथ समाप्त हुआ जबकि रुद्रांश ने 60-शॉट क्वालिफिकेशन राउंड में 517 अंक अर्जित किए. इससे पहले, निहाल क्वालीफिकेशन में 10वें स्थान पर रहने के बाद मिश्रित 25 मीटर पिस्टल (एसएच1) के फाइनल में जगह बनाने में असफल रहे. रुद्रांश और निहाल दोनों ने इस साल मार्च में पैरा-शूटिंग विश्व कप में मिश्रित 50 मीटर पिस्टल (एसएच1) में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता था. इस जोड़ी ने टोक्यो पैरालंपिक पदक विजेता सिंहराज अधाना के साथ मिश्रित 50 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता. 2015 में एक शादी समारोह में आतिशबाजी के कारण हुए विस्फोट में अपना बायां पैर गंवाने के बाद रुद्रांश ने अपने पास के घर में महीनों बिताए थे. खेल में उनका उत्थान तब शुरू हुआ जब उनके समर्पित माता-पिता ने सुझाव दिया कि उन्हें राजस्थान के उत्तरी राज्य के शहर भरतपुर में एक स्थानीय शूटिंग रेंज की यात्रा के बाद इसे आज़माना चाहिए. भारत ने अब तक पेरिस में कुल मिलाकर 21 पदक जीते हैं, जो 2021 में टोक्यो पैरालंपिक खेलों की तुलना में दो अधिक हैं. भारत के पास वर्तमान में तीन स्वर्ण, आठ रजत और दस कांस्य पदक हैं.

ब्रीफ खबरें

इजराइल के वैज्ञानिक ने लिया खेती का जायजा

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के नगरनौसा प्रखंड अंतर्गत कैला पंचायत में बुधवार को फलों और सब्जियों की खेती को लेकर विशेष रुचि दिखाते हुए इजरायल के वैज्ञानिक यूरी रुबिंस्टीन ने खेतों का जायजा लिया. सर्वे के दौरान उन्होंने रामचक के किसान अनुज कुमार के खेतों में स्ट्रॉबेरी, तरबूज और खरबूजे की खेती को बारीकी से देखा साथ हीं इस क्रम में यूरी रुबिंस्टीन ने फलों की गुणवत्ता, खेती के तरीकों, और उत्पादन क्षमता की सराहना की. उन्होंने स्थानीय किसानों को फसल उत्पादन के बेहतर तरीके अपनाने के सुझाव भी दिए.

सांसद को धमकी देने वाला बिट्टु गिरफ्तार

पटना । खगड़िया लोकसभा सीट से लोजपा (आर) के सांसद सांसद राजेश वर्मा के निजी मोबाइल पर कॉल कर जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में संलिप्त अभियुक्त बिट्टू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया. पटना पुलिस मुख्यालय द्वारा बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक खगड़िया सांसद राजेश वर्मा के निजी मोबाइल पर कॉल कर जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में उनके निजी सचिव विकास कुमार नयाटोला बलुआही, थाना-जिला-खगड़िया ने बीते 28 अगस्त को लिखित आवेदन खगड़िया साइबर थाना में दिया था.

3.9 किलो चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । मोतिहारी शहर स्थित छतौनी बस स्टैंड से मंगलवार को पटना से आयी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने स्थानीय छतौनी थाना पुलिस के सहयोग से 3 किलो 900ग्राम चरस के साथ एक तस्कर को दबोच लिया. गिरफ्तार तस्कर की पहचान घोड़ासहन के माईस्थान वार्ड 4 निवासी बृजकिशोर के रूप में हुई है. जिसने पूछताछ में बताया कि वह चरस की खेप लेकर दूसरे प्रदेश जाने वाला था. हालांकि इसकी गुप्त सूचना मिलने परनारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरों की टीम ने जाल बिछाकर उसे दबोच लिया. एनसीबी की टीम ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर तस्कर को अपने साथ ले गयी.

दंपती को अर्धनग्न हालत में जूतों की माला पहनाकर गांव में घुमाया

बिहार में तालिबान जैसी सजा मिली दंपती को

संवाददाता । जमुई

जमुई के झाझा थाना अंतर्गत ताराकुरा गांव में पांच दिनों पहले प्रेमी संग फरार एक महिला सोमवार के दिन जब अपने ससुराल लौटी तो ग्रामीणों ने महिला के साथ-साथ उसके पति के साथ भी अमानवीय व्यवहार किया. लोगों ने अर्धनग्न की अवस्था में दंपति को चप्पल और जूते की माला पहनकर ढोल बाजे के साथ पूरे गांव में घुमाया. यही नहीं गांव वालों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया. महिला ने थाने में डेढ़ दर्जन से अधिक ग्रामीण के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है. पीड़ित महिला ने बताया कि पांच दिनों पहले वह गांव के एक युवक केदार मंडल के साथ कहीं चली गई थी उसके बाद अपने पति और बच्चों के पास वापस ससुराल लौट आई. दो सितंबर की रात को गांव के गणेश मंडल, रवि मंडल, सुधीर कारू, कल्लू दामोदर, नारायण अरुण, संगीता, सहित कई लोगों ने एक बैठक कर दंपती को घर से बाहर निकाल दिया. दोनों के बाल भी काटे गए. वहीं इस दौरान ग्रामीणों ने मिलकर महिला के कपड़े भी उतार दिए. युवाओं ने फोन के माध्यम से वीडियो भी बनाया. दंपती रहम की भीख मांगते रहे, लेकिन ग्रामीणों ने ढोल बाजे बजाकर दंपती को चप्पल जूते आदि की माला पहनकर अर्धनग्न अवस्था में पूरे गांव में घुमाया.

गिरफ्तारी के लिए छापामारी जारी

दरअसल, महिला और उसका प्रेमी दोनों शादीशुदा है. दोनों के तीन-तीन बच्चे भी हैं. फिर भी प्रेम-प्रसंग में दोनों एक दूसरे के साथ फरार हो गए थे, जब दोनों पांच दिनों बाद अपने गांव ताराकुरा वापस लौटे तो ग्रामीण जोरदार विरोध किया. वीडियो बीते सोमवार की रात का है. वहीं झाझा थाना अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला के आवेदन पर मामला दर्ज कर 12 लोगों केस दर्ज की गई है. आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है.

गोली मारकर युवक की हत्या

अपराधियों ने शव को सड़क किनारे फेंका

संवाददाता । दरभंगा

दरभंगा जिले के सिंहवाड़ा थानाक्षेत्र के रामपुरा गांव के एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई. बताया जा रहा है कि हत्यारों ने युवक की कनपटी में सटाकर गोली मार दी. हालांकि मृतक की अभी पहचान नहीं हो सकी है. स्थानीय लोगों की सूचना पर सिंहवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है. जानकारी के मुताबिक, एक व्यक्ति ने रामपुरा-रामबाग जाने वाली एनएच-57 सड़क पर नीले रंग की टीशर्ट और पैंट पहने व्यक्ति का शव पड़ा देखा. उसके बाद इलाके में सनसनी मच गई. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई. वहीं, सिंहवाड़ा थाना पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त करवाने की कोशिश में जुट गई है.

छपरा में महावीरी जुलूस के दौरान हुआ बड़ा हादसा

ऑर्केस्ट्रा देख रहे लोगों पर गिरा छज्जा, 100 से ज्यादा लोग घायल

संवाददाता । सारण

सारण जिले के इसुआपुर प्रखंड के महावीरी अखाड़ा में मंगलवार देर रात आर्केस्ट्रा देखने पहुंची सैकड़ों की भीड़ से अचानक छज्जा गिर गया. इस हादसे में कम से कम 100 लोग घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उचार के बाद घर भेज दिया गया. दरअसल, पारंपरिक महावीरी अखाड़ा मेला के अंतिम दिन विभिन्न गांवों से आए अखाड़ों का मिलन प्रखंड मुख्यालय स्थित बाजार में हो रहा था. इसे लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा था. आयोजकों द्वारा मेले में भक्ति से मस्ती तक की व्यवस्था की गई थी. प्रखंड के लगभग दो दर्जन से

अधिक गांवों में इस मेला को लेकर तैयारी की गई थी. पूरे गांव में डंके की ताल पर युवाओं द्वारा रणकौशल का पूर्वाभ्यास युद्ध स्तर पर कराया गया था. वहीं, अखाड़े में रात्रि मेला की रौनक बढ़ाने के लिए राज्य के कई नामी गिरामी आर्केस्ट्रा संचालकों को आमंत्रित किया गया था.

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार देर रात्रि को गांव में महावीरी जुलूस निकाला जा रहा था, जिसमें हजारों की संख्या में लोग आर्केस्ट्रा देख रहे थे. तभी अचानक एक घर का छज्जा टूटकर गिर गया. प्रसिद्ध महावीरी मेला में छज्जा गिरने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. घटना बीती रात करीब दो बजे के आसपास की है. इस हादसे में कई लोगों को चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया.

बताया जा रहा है कि इसुआपुर के ईश्वरपुर में महावीरी अखाड़ा मेला के दौरान अखाड़ा नंबर-1 के बाबा लालदास मठिया परिसर में टीन के शेड पर अनियंत्रित भीड़ बैठकर आनंद ले रही थी. तभी अचानक छज्जा गिरने से बीस से ज्यादा लोग घयाल हो गए. छज्जा गिरने की लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. हालांकि किसी के हताहत होने की आधिकारिक सूचना नहीं है.

बताया जा रहा है कि डंके की ताल और अश्लील नृत्य वाले विभिन्न आर्केस्ट्रा की नर्तकियों के समक्ष रणकौशल का प्रदर्शन किया जा रहा था. वहीं, अखाड़े में रात्रि के दौरान मेला की रौनक बढ़ाने के लिए राज्य के कई नामी गिरामी म्यूजिकल ग्रुपों को देखने के लिए लाखों की भीड़ उमड़ पड़ी थी. हालांकि महावीरी मेला में शांति व्यवस्था के लिए प्रत्येक अखाड़े के साथ पुलिस बल के साथ ही दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी.

मुजफ्फरपुर में नाव पलटने से दो की मौत

मुजफ्फरपुर । जिले के कलवारी गांव में गंडक नदी में नाव पलटने से बुधवार को दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार को स्थानीय लोगों ने बचा लिया. इस घटना की सूचना नजदीकी थाने की पुलिस को दे दी गई है. पुलिस के मुताबिक कलवारी गांव में लगभग आधा दर्जन लोग एक नाव पर सवार होकर जमीन मापी के लिए बूढ़ी गंडक नदी को पार कर रहे थे. इसी दौरान अचानक नाव अनियंत्रित होकर बीच नदी में ही पलट गयी, जिसके बाद नाव पर सवार सभी लोग बूढ़ी गंडक नदी में डूबने लगे. इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा चार लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया लेकिन तबतक दो लोगों की पानी में डूबने से मौत हो गई.

जमीन विवाद में 16 लोगों पर मामला दर्ज

कटिहार । सहायक थाना पुलिस ने आदिवासी समुदाय के जमीन विवाद मामले में मामला दर्ज कर लिया है. इस मामले में 16 नामजद और करीब 50 अज्ञात लोग शामिल हैं. बुधवार को सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अभिजीत कुमार ने बताया कि सहायक थाना क्षेत्र स्थित ऑफिसर कॉलोनी के कुछ आदिवासी समुदाय के महिलाओं के आरोप पर मामला दर्ज कर लिया गया है. महिलाओं ने आरोप लगाया है कि ऑफिसर कॉलोनी स्थित करीब 76 डी. जमीन पर 60-70 दबंग व्यक्तियों द्वारा कब्जा कर लिया गया है. इस जमीन पर आदिवासी समुदाय के लोगों का दावा है.

राज्य में लगातार अपराध बढ़ रहे हैं : तेजस्वी यादव

पटना । नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में लगातार हो रहे अपराध को लेकर राज्य सरकार पर बुधवार को बड़ा हमला बोला. उन्होंने कहा कि बिहार में लगातार अपराध बढ़ रहा है और बिहार सरकार इस पर संज्ञान नहीं लेती है. अपराधी भी नहीं पकड़े जाते हैं. उन्होंने कहा कि हमने तो कई अपराधियों का फोटो शेयर किया है जो सीएम हाउस में बैठे हैं कई अपराधी बीजेपी नेताओं के साथ बैठे रहे उसका भी हमने फोटो शेयर किया है. वह बताएं सृजन घोटाले में कौन थे? बालिका गृह कांड में कौन लोग थे? ये सभी अपराधी आखिर हैं कहां? यह तो बताना चाहिए. बिहार में लगातार अपराध बढ़ रहा है, लेकिन पीड़ित परिवार के पास कोई जाता भी नहीं है.

सीएम ने जेपी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माणाधीन टर्मिनल का किया निरीक्षण

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माणाधीन टर्मिनल का निरीक्षण किया. साथ ही अधिकारियों को बचे हुए कार्य को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया. निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे के विस्तारीकरण कार्य की विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये. हवाई अड्डा के समीक्षा कक्ष में विस्तारीकरण कार्य से संबंधित एक समीक्षा बैठक हुई. समीक्षा बैठक में

मुख्यमंत्री को एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के मास्टर प्लान की विस्तृत जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एयरपोर्ट के अधिकारियों ने दी. समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना एयरपोर्ट पर और बेहतर सुविधाओं के लिए विस्तारीकरण के तहत जो भी जरूरी कार्य हैं वो किये जा रहे हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना एयरपोर्ट पर हवाई जहाजों के सुचारु आवागमन को लेकर विस्तारीकरण कार्य जल्द पूरा करें. राज्य सरकार से जो भी मदद की जरूरत होगी उसे पूरा किया जायेगा. हवाई अड्डा परिसर में मुख्यमंत्री ने कहा कि पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था करें और हवाई अड्डा से कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएं ताकि कम से कम समय में लोग यहां पहुंच सकें.

नकली खाद बनाने की फैक्ट्री का खुलासा, एक गिरफ्तार

समस्तीपुर । समस्तीपुर जिले की वैनी थाना पुलिस ने थानाक्षेत्र के ठहरा पंचायत के वार्ड-10 मोहल्ले में छापामारी कर नकली खाद बनाने की अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया है. पुलिस ने इस मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया है. वहीं, मौके से 30 बोरी नमक के अलावा 1,610 पैकेट पारस जिंक के खाली रैपर और 152 पारस जिंक के रैपर में भरा हुआ नमक बरामद किया गया है. प्रभारी थाना अध्यक्ष अंशु सिंह ने बताया कि रात पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि ठहरा पंचायत के दामोदर सिंह के बेटे रंजीत कुमार सिंह के यहां नकली पारस जिंक खाद बनाई जा रही है.

कारोबार

बिल प्रबंधन प्रणाली एक अक्तूबर से शुरू

नयी दिल्ली । जीएसटी नेटवर्क एक अक्तूबर से बिल प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) की शुरुआत करेगा. इसकी मदद से करदाता सही इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाने के लिए आपूर्तिकर्ताओं की तरफ से जारी रिकॉर्ड/बिलों का मिलान कर पाएंगे. जीएसटी नेटवर्क ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भुगतानकर्ताओं को जारी परामर्श में कहा, करदाता पोर्टल के माध्यम से अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ रिकॉर्ड/बिलों में सुधार/संशोधनों का कुशल प्रबंधन कर सकें.

आईपीओ लाने की तैयार में जुटी क्लासिक

नयी दिल्ली । क्लासिक मोटरसाइकिल के भारतीय बाजार में हलचल मचाने के बाद क्लासिक लीजेंड्स अब शेयर बाजार पर हलचल मचाने की तैयारी कर रही है. जावा, येज्डी और बीएसए बाइक जैसे ब्रांड नाम से प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी आईपीओ लेकर आने की योजना पर काम कर रही है. ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, क्लासिक लीजेंड्स की योजना वित्त वर्ष 2026-27 में आईपीओ लाने की है. आईपीओ की योजना के बारे में कंपनी के को-फाउंडर अनुपम थरेजा ने जानकारी साझा की है.

कच्चा तेल 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरावट का रुख है. ब्रेंट क्रूड का मूल्य 74 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन ब्रेंड क्रूड 0.47 डॉलर यानी 0.64 फीसदी की गिरावट के साथ 73.28 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड किया है.

पीएम मोदी के पहुंचते ही सिंगापुर की कैपिटालैंड का बड़ा एलान

4 सालों में करेगी भारत में 45000 करोड़ रु. निवेश

एजेंसी । नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिंगापुर में लैंड करते ही सिंगापुर की दिग्गज रियल एस्टेट ग्रुप ने साल 2028 तक भारत में अपने निवेश को डबल करने का एलान किया है. सिंगापुर की कैपिटालैंड जो कि एशिया की सबसे बड़ी डायवर्सिफायड रियल एस्टेट ग्रुप है उसने कहा है कि अगले चार वर्षों में वो भारत में 45,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और जिसके बाद भारत में ग्रुप का कुल निवेश बढ़कर 90,280 करोड़ रुपये हो जाएगा. कैपिटालैंड इंवेस्टमेंट ने कहा, भारत में अपने फंड्स अंडर मैनेजमेंट जो 30 जून 2024 तक 7.4 बिलियन डॉलर या 458.8 बिलियन रुपये था उसे 2028 तक

बढ़ाकर डबल करेगी. कंपनी ने कहा, इस फैसले के जरिए कैपिटालैंड इंवेस्टमेंट को साल 2028 तक 200 बिलियन डॉलर के फंड्स अंडर मैनेजमेंट के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी. भारत में अपनी मौजूदगी के 30वें सालगिरह के मौके पर कंपनी ने ये एलान किया है. कैपिटालैंड इंवेस्टमेंट भारत के आर्थिक विकास की गति को लेकर बेहद सकारात्मक है और वो अपने का विस्तार करना चाहती है. भारत में सिंगापुर के हाई कमिश्नर सिमॉन वॉन्ग ने कैपिटालैंड इंवेस्टमेंट के इस निवेश की जानकारी को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर साझा किया है. उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा ये देखकर अच्छा लग रहा है कि सिंगापुर की कंपनियां भारत में अपने निवेश को डबल कर रही हैं.

कैपिटालैंड इंवेस्टमेंट के ग्रुप सीईओ ली ची कून ने कहा, भारत हमारे लिए स्ट्रैटजिक मार्केट है और कैपिटालैंड इंवेस्टमेंट के ओवरऑल बिजनेस में मुख्य कंट्रीब्यूटर है. उन्होंने कहा, भारत हमारे लिए सबसे तेज गति से बढ़ने वाला बाजार रहा है जहां पिछले सात सालों में हमारा निवेश तीन गुना हो गया है. उन्होंने कहा, साल 2024 में भारत की जीडीपी 7 फीसदी रहने का अनुमान है और अगले पांच वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगी. कैपिटालैंड इंवेस्टमेंट के ग्रुप सीईओ ने कहा, भारत अपने क्वालिटी रियल एसेट्स के लिए लगातार बड़ी कंपनियों और संस्थागत इंवेस्टर्स से निवेश आकर्षित कर रहा है.

अंक गिरकर 82,352 पर बंद : निफ्टी भी 81 अंक फिसला

नयी दिल्ली : कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण बुधवार को शेयर मार्केट में गिरावट देखने को मिली है. सेंसेक्स 202 अंक की गिरावट के साथ 82,352 के स्तर पर बंद हुआ. सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयर्स में गिरावट और 11 में तेजी रही. वहीं निफ्टी में भी बुधवार को 81 अंक की गिरावट रही. ये 25,198 के स्तर पर बंद हुआ. बुधवार को कारोबार के दौरान आईटी और एनर्जी शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही. विप्रो का शेयर 3.06% और कोल इंडिया का शेयर 2.81% टूटा है. ईसीओएस इंडिया मोबिलिटी का शेयर 16.77% के प्रीमियम के साथ बाजार में लिस्ट हुआ. एनएसई पर इसका शेयर 390 रुपए में लिस्ट हुआ. वहीं बीएसई पर ये 391.30 रुपए पर लिस्ट हुआ. इसका इश्यू प्राइस 334 रुपए था. लिस्टिंग के इसके शेयर और तेजी देखने को मिली, और ये 107.05 रुपए (32.05%) बढ़कर 441.05 रुपए पर बंद हुआ.

सरकार ने निर्यातकों के लिए ब्याज समानीकरण 30 सितंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली । सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्याज समानीकरण योजना को एक और महीने के लिए 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया है. इस योजना का मकसद निर्यात को प्रोत्साहन देना है. विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी एक व्यापार अधिसूचना में कहा गया है कि व्यापार तथा उद्योग को सूचित किया जाता है कि निर्यातकों के लिए निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिये जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना की अवधि 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दी गई है. अधिसूचना के मुताबिक निर्यातकों को ब्याज लाभ प्रदान करने वाली यह योजना 31 अगस्त, 2024 को समाप्त हो गई थी. जून में इस योजना को दो महीने के लिए बढ़ाया गया था. ये योजना केवल एमएसएमई विनिर्माण निर्यातकों के लिए है. उल्लेखनीय है कि निर्यातकों को निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिये जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना के तहत सब्सिडी मिलती है. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इससे पहले 8 दिसंबर, 2023 को इस योजना को 30 जून तक जारी रखने के लिए 2,500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आवंटन को अपनी मंजूरी दी थी.

विश्व बैंक ने भारत को लेकर अपनी रिपोर्ट में कहा

सकल घरेलू उत्पाद में गिरावट लेकिन आर्थिक रूप से मजबूत

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत का वैश्विक व्यापार इसकी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल नहीं रख पाया है. देश कम लागत वाले विनिर्माण निर्यात केंद्रों के रूप में बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रतिद्वंद्वियों से पिछड़ रहा है. विश्व बैंक ने एक रिपोर्ट में यह बात कही है. बहुपक्षीय ऋणदाता विश्व बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले एक दशक में भारत के सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार में गिरावट आई है. बावजूद इसके यह

आर्थिक रूप से मजबूत है. विश्व बैंक के अनुसार, परिधान, चमड़ा, वस्त्र और जूते के वैश्विक निर्यात में देश की हिस्सेदारी 2002 के 0.9% से बढ़कर 2013 में 4.5% के शिखर पर पहुंच गई. लेकिन उसके बाद 2022 में यह घटकर 3.5% रह गई. इसके विपरीत, इन वस्तुओं के वैश्विक निर्यात में बांग्लादेश की हिस्सेदारी 5.1% तक पहुंच गई.

डेबिट कार्ड का इस्तेमाल घटा

क्रेडिट कार्ड का बाजार 2028 29 तक हो सकता है दोगुना

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत में क्रेडिट कार्ड की संख्या 15 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर के साथ 20 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है, पीडब्ल्यूसी की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रेडिट कार्ड उद्योग ने पिछले पांच वर्षों में जारी किए गए क्रेडिट कार्ड की संख्या को दोगुना करते हुए महत्वपूर्ण विस्तार हासिल किया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि यह गति जारी रहने की उम्मीद है, आने वाले वर्षों में बाजार यह वृद्धि दोहरा सकती है.

रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में क्रेडिट कार्ड बाजार में वित्त वर्ष 28-29 तक कार्डों की संख्या दोगुनी होने की उम्मीद है, और यह आंकड़ा 20 करोड़ कार्ड तक पहुंच जाएगा. क्रेडिट कार्ड उद्योग में पिछले पांच वर्षों के दौरान 100 प्रतिशत की वृद्धि दिखी है. अगले पांच वित्तीय वर्षों के भीतर बाजार इस वृद्धि को दोहरा सकती है.

आईपीओ मिनिमम ₹14,812 करने होंगे निवेश, 9 सितंबर को बाजार में लिस्ट होंगे कंपनी के शेयर

गाला प्रिसिजन के आईपीओ का बुधवार को रहा आखिरी दिन

एजेंसी । नयी दिल्ली

गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ का बुधवार को आखिरी दिन रहा. 9 सितंबर को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे. ये आईपीओ अब तक 52.41 गुना सब्सक्राइब हो चुका है. गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग इस इश्यू के जरिए टोटल 167.93 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है. इसके लिए कंपनी 135.34 करोड़ के 2,558,416 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही है. वहीं कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए 32.59 करोड़ के 616,000 शेयर बेच रहे हैं. गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 503 से 529 तय किया है. रिटेल निवेशक कम से कम एक लॉट यानी 28 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं. यदि आप आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 529 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,812 इन्वेस्ट करने होंगे. वहीं, रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 364 शेयर्स के लिए अप्लाय कर सकते हैं. इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,556 इन्वेस्ट करने होंगे.

इश्यू का 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व : कंपनी ने इश्यू का 50% हिस्सा

क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व रखा है. इसके अलावा 35% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का 15% हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईटी) के लिए रिजर्व है. आईपीओ ओपनिंग से पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 45.37% यानी 240 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है. ऐसे में अपर प्राइस बैंड 529 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 769 पर हो सकती है. हालांकि, इससे केवल अनुमान लगाया जा सकता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से अलग होती है. बता दें कि

गाला प्रिसिजन इंजीनियरिंग लिमिटेड की स्थापना फरवरी 2009 में हुई थी. कंपनी डिस्क और स्ट्रिप स्प्रिंग्स (डीएसएस), कॉइल और सर्पिल स्प्रिंग्स (सीएसएस) और स्पेशल फास्निंग सॉल्यूशन (एसएफएस) जैसे प्रिसीजन कॉम्पोनेंट्स बनाती है.

कंपनी के प्रोडक्ट इलेक्ट्रिकल, ऑफ-हाइवे इक्विपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर और जनरल इंजीनियरिंग के साथ ऑटोमोटिव और रेलवे में इस्तेमाल किए जाते हैं. कंपनी ने जर्मनी, डेनमार्क, चीन, इटली, ब्राजील, अमेरिका, स्वीडन और स्विट्जरलैंड सहित कई देशों में टेक्निकल स्प्रिंग्स और हाई टेंसाइल फास्नर्स सप्लाई करती है.

9 सितंबर को 3 आईपीओ ओपन होंगे : बजाज हाउसिंग फाइनेंस, क्रॉस लिमिटेड और टॉलिन्स टायर्स में निवेश का मौका, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,880 शेयर मार्केट में लिस्टिंग के लिए 9 सितंबर को 3 इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ ओपन होंगे. इसमें बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, क्रॉस लिमिटेड और टॉलिन्स टायर्स लिमिटेड शामिल हैं.

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी बोले-

हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में नए विचार लाने तथा युवाओं को शामिल करने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत पर जोर दिया. प्रह्लाद जोशी ने 'हरित हाइड्रोजन इंडिया' 2024 के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही. उन्होंने कहा कि ग्रीन

हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हमें स्टार्टअप लाने की जरूरत है, क्योंकि इसके लिए युवा तथा नए विचारों की जरूरत है. ग्रीन हाइड्रोजन पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 11 से 13 सितंबर तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा.

न्यूज अपडेट

यूटी में अवैध मदरसे होंगे ब्लैकलिस्ट

देहरादून। उत्तराखंड में अवैध मदरसों के खिलाफ अब मदरसा बोर्ड ने सख्त रुख अपनाया है. मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने बुधवार को कहा कि जिन मदरसों में बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन होता है उन्हें बंद किया जाएगा. बता दें कि प्रदेश में अवैध मदरसे लगातार सुर्खियों में रहते हैं और अब मदरसा बोर्ड ने इन पर कार्रवाई करने की योजना बनाई है.

जनता मजदूर कॉलोनी में फायरिंग

उत्तर पूर्वी दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के जनता मजदूर कॉलोनी में बुधवार तड़के कई राउंड फायरिंग की गई. स्थानीय लोगों के अनुसार, फायरिंग कॉलोनी की गली नंबर 22 और 20 में हुई. घरों की दीवार पर गोलियां के निशान भी मौजूद हैं. बता दें कि जुलाई माह में इसी कॉलोनी में कुछ अज्ञात हमलावरों ने कई राउंड फायरिंग की थी, जिसमें एक महिला गोली लगने से घायल हो गई थी.

नोएडा एयरपोर्ट का सफर होगा आसान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर इलाके में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली और हरियाणा की कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करने के लिए एनएचएआई ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के समांतर एक और एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए सर्वे का काम पूरा होने के बाद अपनी सहमति दे दी है. इसके बनने से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर वाहनों का दबाव कम होगा.

मुश्किल में पूर्व ट्रेनी आईएएस पूजा

नयी दिल्ली। पूर्व ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किल बढ़ने वाली है, क्योंकि, दिल्ली पुलिस ने दिल्ली हाईकोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट पेश की है. दावा किया जा रहा है कि इस रिपोर्ट में दिल्ली पुलिस ने बताया है कि पूजा खेडकर ने जो दिव्यांगता के दस्तावेज जमा कराए, वह जांच में फर्जी निकले हैं. अब जांच में चिकित्सा प्राधिकरण ने कहा है कि यह उनके द्वारा जारी नहीं किया गया है.

जेएंडके में नया नेतृत्व उभरेगा : माधव

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आते ही राजनीतिक दलों की गतिविधियां तेज हो गई हैं. इसी बीच भाजपा चुनाव प्रभारी राम माधव ने दावा किया कि यह चुनाव ऐतिहासिक साबित होगा और भाजपा की जीत के बाद एक नया नेतृत्व जम्मू-कश्मीर में उभरेगा. राम माधव ने कहा कि भाजपा शांति, अमन और विकास का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टी है.

कोरिया में टीकाकरण अभियान शुरू

सियोल। उत्तर कोरिया ने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के सहयोग से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान शुरू किया है. यह अभियान उन लोगों के लिए शुरू किया गया है जो कोविड-19 महामारी के कारण महत्वपूर्ण टीकों से वंचित रह गए थे. समाचार एजेंसी योनहाप यूनिसेफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से यह जानकारी दी.

ड्रग तस्करी रैकेट का हुआ पर्दाफाश

तरनतारन (पंजाब)। बीएसएफ और पंजाब पुलिस को बुधवार सुबह एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने एक ड्रग तस्करी रैकेट का पर्दाफाश कर एक प्रमुख ड्रग पैडलर को गिरफ्तार किया है. बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की. सूचना के आधार पर उन्होंने एक संदिग्ध ड्रग तस्कर की पहचान की जो पंजाब के सीमावर्ती इलाके में सक्रिय था.

तेज रफ्तार कार ने महिला को रौंदा

मुंबई। मुंबई के मलाड इलाके में मंगलवार रात रोडरेज का मामला सामने आया है. यहां एक तेज रफ्तार कार ने एक 27 वर्षीय महिला को रौंद दिया. इस हादसे में महिला की मौत हो गई है. बताया जा रहा है कि मंगलवार देर रात शहाना काजी नाम की महिला मेहंदी क्लास के बाद अपने घर जा रही थी. इसी दौरान एक तेज रफ्तार फोर्ड कार ने महिला को टक्कर मार दी.

यूपी में भेड़ियों को मारने का आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भेड़ियों के बढ़ते हमलों को देखते हुए सरकार ने गोली मारने का आदेश जारी किया है.मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि बीते दो महीनों में आठ गांवों में भेड़ियों ने आठ लोगों की जान ली है.ये घटनाएं उत्तर प्रदेश के बहराइच ज़िले में हुई हैं. हिंसक भेड़ियों के घातक हमले की घटनाओं से स्थानीय ग्रामीणों में दहशत है.

कांग्रेस-आप में गठबंधन पर बातचीत

नयी दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच गठबंधन पर बातचीत चल रही है. समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, आप ने 10 सीटों की मांग रखी है. हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया ने भी कहा है कि दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की बात चल रही है और जल्द कोई फ़ैसला हो सकता है.

हिप्र में अयोग्य विधायकों की पेंशन बंद

नयी दिल्ली। दल-बदल क़ानून के तहत अयोग्य क़रार दिए गए विधायकों की पेंशन बंद करने का विधेयक बुधवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा में पास हो गया. हिमाचल प्रदेश विधानसभा (सदस्यों के भत्ते और पेंशन) संशोधन विधेयक 2024 पास होने पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि लोकतंत्र की मज़बूती के लिए ये बिल लाना ज़रूरी था.

बादलों के बीच कर्तव्य पथ, दिन में ही रात जैसा अहसास

नयी दिल्ली में बादलों के बीच कर्तव्य पथ का एक सुंदर दृश्य. आसमान में काले बादल घिर आने से दिन में ही रात जैसा अहसास होने लगा. दिल्ली-एनसीआर में बुधवार दोपहर अचानक से मौसम का मिजाज बदल गया और उसके बाद राष्ट्रीय राजधानी के ज्यादातर इलाकों में बारिश हुई. इस दौरान कई इलाकों में सड़कों पर जलभराव होने की वजह से लंबा जाम लग गया. इससे पहले मंगलवार को तेज धूप खिलने की वजह से दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में उमस भरी गर्मी से परेशान नजर आए लोगों को मौसम में बदलाव से राहत मिली. **एजेंसी**

बिजली और तेज हवाओं के साथ आंधी आने की संभावना

उत्तरी तेलंगाना में भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी। हैदराबाद/विजयवाड़ा

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को उत्तरी तेलंगाना के जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. राज्य के बाढ़ प्रभावित हिस्से चार दिन पहले हुई तबाही से अभी तक उबर नहीं पाए हैं. वहीं विजयवाड़ा के बाढ़ प्रभावित इलाके चौथे दिन भी डूबे रहे. आईएमडी के अनुसार, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है. तेलंगाना के इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने कहा कि तेलंगाना के आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्रि कोठागुडेम, खम्मम, महबूबाबाद जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली और तेज हवाओं के साथ आंधी आने की संभावना है. हवा की रफ्तार 30-40 किमी प्रति घंटे हो सकती है.

कोहेदा में सबसे अधिक 22.3 सीएम बारिश : इस बीच, मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात कुछ जिलों में भारी बारिश हुई. सिद्दीपेट, निर्मल, निजामाबाद, पेद्दापल्ली, यादाद्री भुवनगिरी, कोमाराम भीम आसिफाबाद और मेडचल मलकाजगिरी में भारी बारिश हुई. सिद्दीपेट जिले के कोहेदा में सबसे अधिक 22.3 सेंटीमीटर बारिश हुई, जबकि निर्मल जिले के अब्दुल्लापुर में 19.8 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई. निजामाबाद के तोंडुकुरु और पेद्दापल्ली जिले के अकेनापल्ली में क्रमशः 16.2 और 12.7 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई. खम्मम और महबूबाबाद जिले में बुधवार को भी बारिश हुई. यह जिले शनिवार और रविवार को भारी बारिश-बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए थे.

आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव : आईएमडी ने बुधवार को हैदराबाद के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है. हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है. आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है. चेतावनी के लिए नगर निगम की ओर से सलाह जारी की जा सकती है.

विजयवाड़ा के बाढ़ प्रभावित इलाके चौथे दिन भी डूबे रहे

वहीं आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के बाढ़ प्रभावित हिस्से बुधवार को चौथे दिन भी अधिकारियों ने बचाव और राहत अभियान जारी रखा. प्रकाशम बैराज में जलस्तर लगातार घट रहा है, जिससे निचले इलाकों के गांवों में बाढ़ का खतरा टल गया है, लेकिन शहर के जलमग्न इलाकों में लोगों की परेशानी खत्म नहीं हुई है. भारी बारिश और बुडामेरू नदी में जलस्तर बढ़ने से दर्जनों कॉलोनियां जलमग्न हो गईं.

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश की पहली द्विपक्षीय यात्रा पर पीएम मोदी बोले

ब्रुनेई व भारत के बीच मजबूत संबंधों के नए युग की शुरुआत

एजेंसी। बंदर सेरी बेगवान (ब्रुनेई)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि ब्रुनेई की उनकी दो दिवसीय यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने की नई दिल्ली की इच्छा झलकती है और इससे ''एक्ट ईस्ट'' नीति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए इसके दृष्टिकोण को क्रियान्वित करने में मदद मिलेगी. किसी भारतीय प्रधानमंत्री की दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा थी.

प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र की अपनी यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण में सिंगापुर रवाना होने से पहले कहा, "ब्रुनेई दारुस्सलाम की मेरी यात्रा फलदायी रही. इससे भारत-ब्रुनेई संबंधों के एक नए युग की शुरुआत हुई है. हमारी मित्रता एक बेहतर ग्रह के निर्माण में योगदान देगी. मैं ब्रुनेई के लोगों और सरकार के आतिथ्य और स्नेह के लिए उनका आभारी हूं." इससे पहले, भारत और ब्रुनेई ने बुधवार को प्रौद्योगिकी, वित्त, विनिर्माण और प्रसंस्करण के क्षेत्रों में अपनी-अपनी शक्तियों का लाभ उठाने का आह्वान किया. बंदर सेरी बेगवान के इस्ताना नूरुल ईमान में आयोजित व्यापक द्विपक्षीय वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया की उपस्थिति में कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए. इनमें उपग्रह और प्रक्षेपण वाहनों के लिए टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और टेलीकमांड स्टेशन के संचालन में सहयोग पर समझौता ज्ञापन भी शामिल था.

ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया से बातचीत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी. **एजेंसी**

दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ाने को जल्द ही सीधी उड़ानें

ब्रुनेई के सुल्तान द्वारा उनके सम्मान में आयोजित भोज में मोदी ने कहा, "हमने अपनी साझेदारी को रणनीतिक दिशा देने के लिए अपने संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक बातचीत की. हम आर्थिक, वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षेत्रों में अपने सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. हमने कृषि उद्योग, दवा और स्वास्थ्य क्षेत्रों के साथ-साथ फिनटेक और साइबर सुरक्षा में अपने सहयोग को मजबूत करने का निर्णय लिया है. ऊर्जा क्षेत्र के अंतर्गत, हमने एलएनजी में दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की. अपनी रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए, हमने रक्षा उद्योग, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में सहयोग की संभावनाओं पर रचनात्मक बातचीत की. अंतरिक्ष क्षेत्र में अपने सहयोग को मजबूत करने के लिए, हमने उपग्रह विकास, रिमोट सेंसिंग और प्रशिक्षण में सहयोग पर सहमति व्यक्त की है. दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए, जल्द ही सीधी उड़ानें शुरू की जाएंगी." संयुक्त वक्तव्य में मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के टेलीमेट्री ट्रैकिंग व टेलीकमांड स्टेशन की मेजबानी जारी रखने के लिए ब्रुनेई की "सराहना" की.

सिंगापुर में पीएम मोदी का दिखा महाराष्ट्रियन अंदाज

नयी दिल्ली। ब्रुनेई दौरा पूरा करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को सिंगापुर की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर चांगी हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मिलेंगे. साथ ही उनकी सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम से भी मुलाकात होगी. इसके अलावा पीएम मोदी सिंगापुर के व्यवसायियों से भी मुलाकात करेंगे. सिंगापुर आसियान देशों में भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है. अपनी सिंगापुर यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी बिजनेस लीडर्स और कई बड़ी कंपनियों के सीईओ से भेंट करेंगे. सिंगापुर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का अलग ही अंदाज देखने को मिला. वो महाराष्ट्र के रंग में रंगे नजर आए. पीएम मोदी ने वहां मौजूद कलाकारों के साथ महाराष्ट्रियन धुन पर जमकर ढोल बजाया. इतना ही नहीं, वो खुद ढोल बजाकर प्रवासी भारतीयों के साथ झूमते हुए भी दिखे. प्रधानमंत्री का यह वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है. इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स अलग-अलग रिएक्शन भी दे रहे हैं.

हमारा पहला कदम स्टेटहुड वापस दिलाना होगा : राहुल

- जम्मू-कश्मीर के रामबन में लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष ने जनसभा को संबोधित करते हुए किया वादा

एजेंसी। रामबन

जम्मू-कश्मीर के रामबन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने जम्मू-कश्मीर की जनता से स्टेटहुड वापस दिलाने का वादा किया. इतना ही नहीं राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने का दावा भी किया.

राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "पहली बार हिंदुस्तान के एक राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाकर लोगों के अधिकार छीने गए. हिंदुस्तान के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है. सबसे पहले जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड का दर्जा वापस करना होगा, क्योंकि सिर्फ आपका राज्य ही नहीं छीना गया है, आपसे आपके अधिकार, आपकी संपत्ति, सब कुछ छीना जा रहा है. 1947 में हमने राजाओं को हटाकर लोकतांत्रिक सरकार बनाई, हमने देश को संविधान दिया. आज जम्मू-कश्मीर में एक राजा बैठा है, उसका नाम एलजी है, लेकिन, वो राजा है जो आपकी संपत्ति आपसे छीनकर बाहर के लोगों को दे रहा है.' राहुल ने भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा, 'हमारा पहला कदम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाना होगा, हम चाहते थे कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा मिले और फिर चुनाव हों, लेकिन भाजपा यह नहीं चाहती. भाजपा चाहे या ना चाहे, इंडिया गठबंधन इतना दबाव डालेगी कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देना ही होगा."

कांग्रेस-एनसी अलायंस की सरकार बनेगी : रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आगे कहा, "एक बात तो मान लीजिए कि यहां कांग्रेस पार्टी की अलायंस की सरकार आने वाली है. यह निश्चित है और यह होने जा रहा है. हमारा पहला काम सभी सरकारी रिक्तियों को भरना और आयु सीमा को 40 साल करना होगा. हम दैनिक वेतन भोगियों को नियमित और स्थायी करेंगे और उनकी आमदनी बढ़ाएंगे."

90 विस सीटों पर तीन चरणों में होंगे मतदान

बता दें कि कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है. इसके तहत नेशनल कॉन्फ्रेंस 51 और कांग्रेस 32 सीट पर चुनाव लड़ेगी. 90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए तीन चरणों में मतदान होंगे. पहले चरण के लिए 18 सितंबर, दूसरे चरण में 25 सितंबर और तीसरे चरण में 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे, जबकि, वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी.

इजरायल के हथियार तस्करी के दावे को मिस्र और जॉर्डन ने किया खारिज

एजेंसी। काहिरा/अम्मान

मिस्र ने इजरायल के उस दावे को खारिज कर दिया है कि उसके क्षेत्रों का इस्तेमाल गाजा पट्टी में हथियारों की तस्करी के लिए किया जाता था. मिस्र के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा, "मिस्र इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बयानों को पूरी तरह से खारिज करता है, जिसके जरिए उन्होंने इजरायली जनता का ध्यान भटकाने के लिए संघर्ष में मिस्र का नाम घसीटने की कोशिश की थी. मिस्र क्षेत्र में शांति प्रक्रिया का नेतृत्व करने में अपनी भूमिका निभाना जारी रखेगा.

मंगलवार को जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने गाजा युद्धविराम समझौते पर मध्यस्थता के प्रयासों को कमजोर करने के उद्देश्य से नेतन्याहू के दावे की निराधार आरोप के रूप में निंदा की. मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जॉर्डन इजरायल के दावे का सामना करने में मिस्र के साथ एकजुटता से खड़ा है और इस मामले में मिस्र की स्थिति का समर्थन करता है. इजरायली अधिकारियों के सभी दावे "गाजा और वेस्ट बैंक पर इजरायली आक्रामकता" को सही ठहराने के "बेकार प्रयास" थे, जिसने क्षेत्र में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति को और बढ़ा दिया है.

क्या कहा था नेतन्याहू ने

सोमवार को बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि इजरायली सेनाएं "फिलाडेल्फी कॉरिडोर से पीछे नहीं हटने वाली हैं. दोहराया कि मिस्र से गाजा तक भविष्य में हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए को कॉरिडोर नियंत्रण में रखना महत्वपूर्ण है. इजरायली सेना ने मई में मिस्र-गाजा सीमा पर 100 मीटर चौड़े और 14 किलोमीटर लंबे बफर जोन वाले कॉरिडोर और राफा क्रॉसिंग के फिलिस्तीनी हिस्से पर नियंत्रण कर लिया, जिससे ट्रकों का प्रवेश मिस्र से गाजा तक निलंबित हो गया.

यमन ने हूती विद्रोहियों के हमलों पर जताई चिंता

अदन। यमन सरकार ने लाल सागर में केमिकल और तेल टैंकरों वाले जहाज पर हूती विद्रोहियों द्वारा किए गए हमलों की निंदा की है. उन्होंने इन हमलों को आतंकवाद करार दिया और कहा कि ये हमले क्षेत्र में पर्यावरण, आर्थिक और मानवीय स्थिरता के लिए बड़ा खतरा हैं. यमन के सूचना मंत्री मोअम्मर अल-एरियानी ने एक बयान में ग्रीस कंपनी द्वारा संचालित जहाज एमवी ब्लू लैगून पर हुए हमले पर बात की. उन्होंने कहा, 'नवंबर 2023 के बाद से यह केमिकल और तेल टैंकरों वाले जहाज पर 10वां हमला है.' दरअसल, हाल ही में ग्रीस की एक कंपनी के जहाज पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया गया था. मंत्री ने हमलों की आलोचना करते हुए इसे पर्यावरण, आर्थिक और मानवीय परिणामों की संभावना के साथ व्यवस्थित आतंकवाद बताया.

केंद्र और त्रिपुरा सरकार का विद्रोही संगठनों एनएलएफटी व एटीटीएफ संग शांति समझौता

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र और त्रिपुरा सरकार ने बुधवार को त्रिपुरा के विद्रोही संगठनों नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) के साथ शांति समझौता किया. यह समझौता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुआ. अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि शांति और प्रगति की दिशा में त्रिपुरा के लिए आज एक नई शुरुआत है.

उन्होंने कहा कि एनएलएफटी और एटीटीएफ 35 साल से चल रहे संघर्ष को समाप्त कर, मुख्यधारा में लौटने और विकसित त्रिपुरा के निर्माण के लिए तैयार हुए हैं. वहीं टिपरा मोथा पार्टी के नेता प्रद्योत किशोर देब बर्मा ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि इस शांति समझौते को 328 लोगों ने साइन किया है. 170 लोग जो अभी बाहर हैं वो भी शायद कुछ दिनों में लौट आएंगे. उन्होंने पीटीआई से कहा कि हमारी बात अभी तक बहुत ही कम लोगों ने सुनी थी, आज हम ख़ुश हैं कि भारत सरकार ने हमारी बात सुनी. हम भी देश से प्यार करते हैं, हमें भी मुख्यधारा में आना था. इस बात को ध्यान में रखकर भारत सरकार ने एनएलएफटी और एटीटीएफ के नेताओं के साथ यह शांति समझौता किया है.

जीवन शैली कई स्वास्थ्य समस्याओं से राहत दे सकती है कुंदरू की सब्जी

सेहत के लिए वरदान हो सकती है कुंदरू

एजेंसी। नई दिल्ली

हरी सब्जियां न केवल स्वादिष्ट होती हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती हैं. इनके नियमित सेवन से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं. हरी सब्जियों में पोषक तत्वों से भरपूर कुंदरू की सब्जी का उपयोग भारत में प्राचीन काल से किया जाता रहा है. यह सब्जी न केवल अपने स्वाद के लिए जानी जाती है, बल्कि इसके कई स्वास्थ्य लाभों के कारण भी इसका सेवन किया जाता है.

कुंदरू सब्जी का सेवन कई तरह की बीमारियों की रोकथाम के लिए वरदान साबित हो सकता है. कुंदरू में विटामिन 'ए', 'सी' और 'के' भरपूर मात्रा में होते हैं. विटामिन 'ए' आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है, जबकि विटामिन 'सी' प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है. इसके अलावा कुंदरू में आयरन, कैल्शियम और फास्फोरस जैसे खनिज भी होते हैं, जो शरीर को पूर्ण रूप से स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं. कुंदरू में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन तंत्र को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है. फाइबर कब्ज और अन्य पाचन समस्याओं से राहत देता है और आंत के स्वास्थ्य में सुधार करता है. इसके नियमित सेवन से पेट की समस्याएं कम होती हैं और पाचन बेहतर होता है.

कुंदरू को दैनिक आहार में शामिल करना फायदेमंद

कुंदरू में फाइबर भी भरपूर मात्रा में होता है और यह ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखता है. इन गुणों के कारण कुंदरू डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकता है. कुंदरू की सब्जी कैलोरी की कम मात्रा के कारण वजन बढ़ने से रोकती है. इसके नियमित सेवन से शरीर में अतिरिक्त चर्बी को कम किया जा सकता है. कुंदरू की सब्जी को दैनिक आहार में शामिल करने से कई स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है और कई स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार भी हो सकता है.

ईरान से गैस पाइपलाइन पर पाकिस्तान को अमेरिका ने दी प्रतिबंधों की चेतावनी

एजेंसी। वॉशिंगटन

गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट को न पूर कर पाने को लेकर ईरान ने पाकिस्तान पर जुर्माना लगाने की चेतावनी दी है. उधर अमेरिका ने कहा है कि अगर इस परियोजना पर पाकिस्तान आगे बढ़ता है तो उसे नतीजे भुगतने की चेतावनी दी है.

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता से एक पाकिस्तानी पत्रकार जहानज़ैब अली ने पूछा था कि गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट न पूरा करने को लेकर ईरान ने पाकिस्तान पर 18 अरब डॉलर का जुर्माना लगाने की चेतावनी दी है, जबकि अपनी ईंधन ज़रूरतों के बावजूद पाकिस्तान पर अमेरिका की ओर इस परियोजना पर आगे न बढ़ने का दबाव है और प्रतिबंधों की चेतावनी दी गई है. अली ने पूछा, "पाकिस्तान ने इस परियोजना को पूरा करने के लिए प्रतिबंधों से छूट की मांग की है. इस पर आपकी क्या टिप्पणी है?"

इस पर अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, "हम ईरान के ख़िलाफ़ प्रतिबंधों को लागू करने का दबाव बनाए रखेंगे. और जो भी उनके साथ व्यवसाय करने की सोच रहा है उन्हें भी हमारी सलाह है कि उसे इन समझौतों के बारे में संभावित नतीजों के बारे में सजग रहना चाहिए." उन्होंने कहा, "लेकिन दूसरी तरफ़ ईंधन कमी के समस्या को लेकर पाकिस्तान की मदद करना अमेरिका की प्राथमिकता में है. और हम पाकिस्तानी सरकार से ईंधन सुरक्षा को लेकर बातचीत जारी रखेंगे."

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के नए सत्र के पहले दिन ही हुए प्रदर्शन, दो गिरफ़्तार

न्यूयॉर्क। गाजा युद्ध के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शनों के लिए चर्चा में रहे कोलंबिया यूनिवर्सिटी के नए सत्र के पहले दिन ही प्रदर्शन हुए. पुलिस ने कहा है कि दो प्रदर्शनकारी छात्रों को गिरफ़्तार किया गया है. हालांकि पहले दिन का प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा. पुलिस ने प्रसिद्ध न्यूयॉर्क सिटी कैंपस के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है. पिछले सत्र में यह कैंपस अमेरिका में होने वाले युद्ध विरोधी प्रदर्शनों में सबसे बड़ा केंद्र बन गया था. इन प्रदर्शनों के चलते कोलंबिया यूनिवर्सिटी के प्रेजिडेंट मिनूशे शाफ़िक को पिछले महीने इस्तीफ़ा देना पड़ा. पिछले साल सात अक्टूबर में इसराइल में घुस कर हमास ने हमला किया था, जिसमें 1200 लोग मारे गए थे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)